नई दिल्ली ■ शनिवार 10 जनवरी 2026 ■ मूल्य 5.00 ■ वर्ष 13 ■ अंक 283 ■ पृष्ठ 08

JBT जनभावना टाइम्स
www.thejbt.com
निष्पक्ष और निर्भीक खबर
राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली, गौतमबुद्ध नगर, देहरादून, लखनऊ, अलीगढ़, मथुरा, हिसार, कैथल एवं करनाल से प्रकाशित

04 वैश्विक मंच पर हिंदी | 07 विश्व कप 2026 के लिए फीफा का वीडियो कंटेंट पार्टनर बना 'टिकटॉक' | श्वेता त्रिपाठी ने फिल्म 'पलकों पे' की शूटिंग पूरी की 08

CBC 47107/13/0017/2526
इवेंट को लाइव देखने के लिए DD News पर जाएं या QR कोड स्कैन करें
विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग 2026
09-12 जनवरी | भारत मंडपम, नई दिल्ली
प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से यंग लीडर्स का संवाद
प्रधानमंत्री जी करेंगे युवा नेतृत्व को संबोधित
दिनांक : 12 जनवरी 2026 | समय : सायं 04:00 बजे
स्थान : भारत मंडपम, नई दिल्ली

हिमाचल: सिरमौर में बस 500 फुट गहरी खाई में गिरी

12 लोगों की मौत, 35 घायल

नाहन हिमाचल प्रदेश के सिरमौर जिले में शुक्रवार दोपहर एक निजी बस के 500 फुट गहरी खाई में गिरने से 12 लोगों की मौत हो गई और लगभग 35 अन्य यात्री घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी।

पुलिस ने बताया कि यह दुर्घटना उस समय हुई, जब शिमला से राजगढ़ होते हुए कुपवी जा रही बस हरिपुरधार गांव के पास सड़क से फिसलकर खाई में जा गिरी। पुलिस के मुताबिक, निजी बस में बैठने की क्षमता 39 लोगों की थी लेकिन वाहन में जरूरत से ज्यादा यात्री सवार थे। मौके पर बचाव अभियान की निगरानी कर रहे संगराह के उप-मंडल मजिस्ट्रेट (एसडीएम) सुनील कायथ ने बताया कि बचाव अभियान युद्धस्तर पर जारी है और सभी घायलों व मृतकों को पास के संगड़ाह और ददाहू के अस्पतालों में ले जाया जा रहा है। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने दुर्घटना में हुई जन हानि पर दुख व्यक्त किया। यहां जारी एक बयान के अनुसार मुख्यमंत्री ने जिले के अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे दुर्घटना में मारे गए लोगों के परिजनों को हरसंभव सहायता प्रदान करें और घायलों की सर्वोत्तम चिकित्सा देखभाल सुनिश्चित करें। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा, हिमाचल विधानसभा में विपक्ष के नेता जय राम ठाकुर और भाजपा की राज्य इकाई के अध्यक्ष राजीव बिंदल, शिमला से भाजपा सांसद सुरेश कश्यप और उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने भी इस दुर्घटना पर दुख व्यक्त किया।

उद्योग मंत्री व शलाई विधानसभा क्षेत्र से स्थानीय विधायक हर्षवर्धन चौहान ने बताया कि जिला प्रशासन को अलर्ट कर दिया गया है और ददाहू, संगड़ाह और नाहन के अस्पतालों में चिकित्सा दल तैयार हैं। विधायक ने कहा कि दुर्घटना का कारण अब तक पता नहीं चल पाया है। उन्होंने दुर्घटना पर शोक व्यक्त किया। मौके पर मौजूद स्थानीय लोगों को संदेह है कि बस चालक ने वाहन पर से नियंत्रण खो दिया और इस वजह से सड़क से फिसलकर वह खाई में जा गिरी। सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो में बड़ी संख्या में लोगों को बचाव कार्य में मदद करते और बस के मलबे से घायलों को निकालने की कोशिश करते देखा जा सकता है। दुर्घटना के बाद स्थानीय लोग बचाव कार्य में जुट गए और पुलिस को सूचना दी।

जिला प्रशासन, पुलिस और अन्य अधिकारी भी बचाव कार्य में जुटे हुए हैं। हरिपुरधार निवासी और भाजपा राज्य कार्य समिति के सदस्य बलबीर चौहान ने कहा कि स्थानीय लोगों ने कठिन परिस्थितियों में गहरी खाई से यात्रियों को बचाने का सराहनीय कार्य किया है।

> "हिमाचल प्रदेश के सिरमौर जिले में हुई बस दुर्घटना में यात्रियों की मृत्यु का समाचार अत्यंत दुखद है। दुर्घटना में अपने प्रियजनों को खोने वाले शोक संतप्त परिवारों के प्रति मैं गहन शोक-संवेदना व्यक्त करती हूं। मैं घायल व्यक्तियों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करती हूं।
> - द्रौपदी मुर्मू, राष्ट्रपति

> "सिरमौर जिले में बस दुर्घटना के कारण हुई जनहानि अत्यंत दुःखद है। इस हादसे में अपने प्रियजनों को खोने वाले परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना है। मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख रुपये और घायलों को 50 हजार रुपये की सहायता दी जाएगी।
> - नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

निजी कंटेंट निर्माताओं को प्रसार भारती देगा 90 प्रतिशत राजस्व

नई दिल्ली। सरकार ने निजी कंटेंट निर्माताओं को दूरदर्शन, आकाशवाणी और वेव्स ओटीटी प्लेटफॉर्म पर उनकी डिजिटल रचनाओं के प्रसारण करने तथा उससे अर्जित होने वाले राजस्व में से 90 फीसदी निर्माताओं को देने का प्रस्ताव किया है।

रेल, सूचना प्रसारण, इलेक्ट्रानिक एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार यहां प्रसार भारती के प्लेटफॉर्म्स के लिए क्रिएटर्स कॉर्नर के शुभारंभ के मौके पर संवाददाताओं से बातचीत में यह बात कही। इस अवसर पर सूचना प्रसारण एवं संसदीय कार्य राज्यमंत्री एल मुरुगन, सूचना प्रसारण सचिव संजय जाजू और प्रसार भारती के मुख्य कार्यकारी अधिकारी गौरव द्विवेदी भी उपस्थित थे। वैष्णव ने एक सवाल के जवाब में कहा कि प्रसार भारती के प्लेटफॉर्म्स के लिए कंटेंट के चयन को लेकर एक टीम बनाई जाएगी जिसमें विभिन्न क्षेत्रों के अनुभवी लोग शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि हमने राजस्व साझा करने वाला एक अनोखा मॉडल तैयार किया है। दूरदर्शन, आकाशवाणी और वेव्स ओटीटी प्लेटफॉर्म पर उनकी डिजिटल रचनाओं के प्रसारण से जितना राजस्व आएगा, उसका लगभग 90 फीसदी निर्माताओं को दिया जाएगा जबकि केवल 10 फीसदी ही प्रसार भारती लेगी। उन्होंने कहा कि पहली बार किसी

टेलीविजन चैनल पर कंटेंट निर्माताओं को उनकी डिजिटल रचनाओं के प्रसारण का मौका मिलेगा। इससे लगभग आठ करोड़ कंटेंट निर्माताओं के लिए संभावनाओं के द्वार खुलेंगे। वैष्णव ने कहा कि इस समय वेव्स ओटीटी प्लेटफॉर्म पर 250 से अधिक टीवी और एफएम रेडियो चैनल उपलब्ध हैं।

उन्होंने कहा कि उनका विचार है कि टेलीविजन विनिर्माताओं से अनुरोध किया जाए कि वे अपने अपने टीवी सेट्स में वेव्स ओटीटी इनबिल्ट करके बाजार में लाएं। वैष्णव ने कहा कि क्रिएटर्स कॉर्नर को लेकर विज्ञापन कंपनियों से भी बात हो गई है। उन्होंने कहा कि उनका मानना है कि कंटेंट क्रिएटर्स को निष्पक्ष मौका और समुचित राजस्व अवश्य मिलना चाहिए। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर किसी विचारधारा को प्रोत्साहित करने और किसी को हतोत्साहित करने की प्रवृत्ति पर उन्होंने नाखुशी जताई और स्वदेशी प्लेटफॉर्म्स की आवश्यकता पर जोर दिया।

उन्होंने कहा कि यदि कोई एक्स, फेसबुक या इंस्टाग्राम जैसे भारतीय प्लेटफॉर्म आते हैं तो वह उन्हें पूरा समर्थन देने के लिए तैयार हैं। उन्होंने क्रिएटर्स कॉर्नर की जानकारी देते हुए कहा कि डिजिटल सामग्री निर्माताओं को पहचानने और बढ़ावा देने के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दृष्टिकोण के अनुरूप, प्रसार भारती ने 'क्रिएटर कॉर्नर' लॉन्च किया है जो डीडी न्यूज पर देशभर के डिजिटल रचनाकारों द्वारा बनाई गई सामग्री को प्रदर्शित करने के लिए एक समर्पित मंच होगा। इस पहल का उद्देश्य गुणवत्तापूर्ण सामग्री के निर्माण को प्रोत्साहित करके और प्रसार भारती और व्यक्तिगत सामग्री निर्माताओं के बीच साझेदारी के माध्यम से अपनी पहुंच का विस्तार करके डिजिटल अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देना है।

उन्होंने बताया कि क्रिएटर कॉर्नर में समाचार और वर्तमान मामलों, संस्कृति, यात्रा, भोजन, कला और साहित्य, संगीत और नृत्य, स्वास्थ्य और कल्याण, शिक्षा, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, प्रेरक कहानियां, पर्यावरण और सतत विकास और मनोरंजन सहित विषयों की एक विस्तृत शृंखला पर सामग्री होगी।

संक्षिप्त खबरें

पूर्व सैनिक को 15 दिनों तक 'डिजिटल अरेस्ट' में रखा, 98 लाख की धोखाधड़ी

बिलासपुर (हिमाचल प्रदेश)। हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर के एक सेवानिवृत्त सैनिक को जालसाजों ने 15 दिनों तक 'डिजिटल अरेस्ट' में रखकर 98 लाख रुपये की ठगी की है। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि जालसाजों ने फर्जी सीबीआई (केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो), आरबीआई (भारतीय रिजर्व बैंक) और अदालती अधिकारी बनकर पीड़ित को धमकाया और दावा किया कि वह धन शोधन के एक मामले में शामिल है। यहां तक कि फर्जी वीडियो कॉल का इस्तेमाल कर फर्जी अदालती कार्यवाही दिखाई गई। पुलिस ने बताया कि पीड़ित को 15 से 30 दिसंबर तक 'डिजिटल अरेस्ट' किया गया था। मंडी स्थित केंद्रीय प्रभाग के साइबर अपराध पुलिस स्टेशन में इस संबंध में प्राथमिकी दर्ज की गई है।

राजस्थान में एसीबी ने अभियंता को रिश्वत में आईफोन लेते हुए पकड़ा

जयपुर। राजस्थान के झालावाड़ में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग (पीएचईडी) के एक अधीक्षण अभियंता को कथित तौर पर रिश्वत के रूप में आईफोन लेते हुए गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। ब्यूरो के अनुसार अधीक्षण अभियंता विष्णुचंद गोयल को परिवादी से बतौर रिश्वत आईफोन लेते हुए गिरफ्तार किया गया। फोन की कीमत 84 हजार रुपए बताई गई है। ब्यूरो का कहना है कि परिवादी ने शिकायत की थी कि पीएचईडी में हैंडपंप की मरम्मत और पाइपलाइन रिसाव की मरम्मत आदि का काम चल रहा है। विभाग के कर्मी इसमें पंजीकरण करवाने की एवज में उससे पच्चीस हजार रुपये ले चुके हैं तथा वे कामकाज में कमियां निकालकर उसे और उसके साझेदार को काम से हटाने की धमकी देते हैं। परिवादी का आरोप है कि वह जब अधीक्षण अभियन्ता से मिला तो उन्होंने उसका बकाया बिल पास करने तथा परेशान नहीं करने की एवज में 'आईफोन 16 प्रो' मांगा।

बजट सत्र 28 जनवरी से, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने दी अनुमति

नई दिल्ली। संसद का बजट सत्र 28 जनवरी से शुरू होगा। राष्ट्रपति ने केन्द्र सरकार की अनुशंसा पर संसद के दोनों सदनों को बुलाए जाने को अनुमति प्रदान की है। केन्द्रीय संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू ने एक्स पर इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि भारत सरकार की सिफारिश पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बजट सत्र 2026 के लिए संसद के दोनों सदनों को बुलाने की मंजूरी दे दी है। यह सत्र 28 जनवरी को शुरू होगा और 2 अप्रैल तक चलेगा। पहला चरण 13 फरवरी को समाप्त होगा, और संसद 9 मार्च को फिर से बैठेगी। उन्होंने कहा कि सार्थक बहस और जन-केंद्रित शा यूपीसन की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम है।

व्यापार समझौते पर अमेरिकी वाणिज्य मंत्री की टिप्पणी गलत: विदेश मंत्रालय

नई दिल्ली। भारत ने शुक्रवार को अमेरिकी वाणिज्य मंत्री हॉवर्ड लटनिक की इस टिप्पणी को गलत बताया कि दोनों देशों के बीच व्यापार समझौता इसलिए सफल नहीं हो सका क्योंकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से बात नहीं की। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि भारत और अमेरिका ने समझौते पर कई दौर की बातचीत की तथा नयी दिल्ली इसे अंतिम रूप देने के लिए प्रतिबद्ध है।

उन्होंने कहा कि हमने टिप्पणियों को देखा है। भारत और अमेरिका पिछले साल 13 फरवरी को भी द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर बातचीत करने के लिए प्रतिबद्ध थे।'' जायसवाल ने कहा कि तब से दोनों पक्षों ने संतुलित और पारस्परिक रूप से लाभकारी

व्यापार समझौते पर पहुंचने के लिए कई दौर की बातचीत की है। उन्होंने अपनी साप्ताहिक प्रेसवार्ता में कहा कि कई मौकों पर हम समझौते के बेहद करीब पहुंच गए थे। संबंधित टिप्पणियों में इन चर्चाओं का जो वर्णन किया गया है, वह सटीक नहीं है। वह लटनिक की टिप्पणियों पर पूछे गए सवालों का जवाब दे रहे थे।

भारत की वृद्धि दर 6.6 प्रतिशत रहने का अनुमान : संरा

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र ने 2026 में भारत की वृद्धि दर के 6.6 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया है। संयुक्त राष्ट्र के आर्थिक तथा सामाजिक मामलों के विभाग की ओर से 'विश्व आर्थिक स्थिति एवं संभावनाएं 2026' रिपोर्ट बृहस्पतिवार को जारी की गई। इसमें कहा गया है कि भारत 'चुनौतीपूर्ण वैश्विक माहौल में असाधारण रूप से उच्च वृद्धि' दर्ज करेगा।

मजबूत निजी उपभोग एवं मजबूत सार्वजनिक निवेश से अमेरिकी शुल्क के उच्च प्रभाव की काफी हद तक भरपाई हो जाएगी। रिपोर्ट के अनुसार, भारत में आर्थिक वृद्धि दर 2025 में अनुमानित 7.4 प्रतिशत से घटकर 6.6 प्रतिशत रहने का अनुमान है। विभाग ने साथ ही कहा कि भारत विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बना रहेगा। इसमें कहा गया है कि निजी

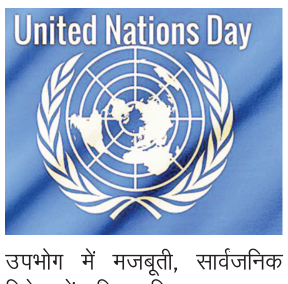

उपभोग में मजबूती, सार्वजनिक निवेश में वृद्धि, हालिया कर सुधार एवं कम ब्याज दरों से निकट भविष्य में वृद्धि को समर्थन मिलने की उम्मीद है। हालांकि, यदि मौजूदा दरें बनी रहती हैं तो अमेरिका द्वारा लगाए गए उच्च शुल्क 2026 में निर्यात प्रदर्शन पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकते हैं क्योंकि भारत से होने वाले कुल निर्यात में अमेरिकी बाजार की हिस्सेदारी करीब 18 प्रतिशत है।

संयुक्त राष्ट्र विकास एजेंसी (यूएन डीईएसए) के आर्थिक विश्लेषक तथा नीति प्रभाग की वैश्विक आर्थिक निगरानी इकाई के वरिष्ठ अर्थशास्त्री एवं प्रभारी अधिकारी इंगो पिटर्ले ने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा कि दक्षिण एशिया दुनिया का सबसे तेजी से बढ़ता हुआ क्षेत्र बना रहेगा जिसकी दर 5.6 प्रतिशत रहेगी। इस वृद्धि में सबसे अधिक योगदान भारत का रहेगा जहां मजबूत घरेलू मांग, अच्छी फसल से समर्थित मुद्रास्फीति में कमी और निरंतर नीतिगत समर्थन वृद्धि को गति दे रहे हैं।

यूएन डीईएसए के आर्थिक विश्लेषक एवं नीति प्रभाग के निदेशक शांतनु मुखर्जी ने कहा कि भारत के निर्यात बाजारों का यूरोपीय संघ और पश्चिम एशिया की ओर विविधीकरण हुआ है। मुखर्जी ने भी दोहराया कि भारत में वृद्धि के घरेलू कारक असाधारण रूप से मजबूत रहे हैं और इस समय भारत से होने वाले सबसे मजबूत निर्यातों में से एक सेवाओं का निर्यात है। रिपोर्ट के अनुसार, वैश्विक आर्थिक वृद्धि दर के 2025 में 2.8 प्रतिशत रहने का अनुमान है और यह 2026 में थोड़ा घटकर 2.7 प्रतिशत हो सकती है। इसके बाद 2027 में इसके बढ़कर 2.9 प्रतिशत होने का अनुमान है जो वैश्विक महामारी से पहले (2010-2019) के औसत 3.2 प्रतिशत से काफी कम है। यूरोप, जापान और अमेरिका में वृद्धि दर मोटे तौर पर स्थिर रहने के साथ ही मध्यम गति से बढ़ने का अनुमान है। मौद्रिक या राजकोषीय सहायता से मांग को निरंतर समर्थन मिलता रहेगा। चीन, भारत और इंडोनेशिया सहित कई बड़ी विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में मजबूत घरेलू मांग या लक्षित नीतिगत उपायों के कारण ठोस वृद्धि जारी रहने की उम्मीद है।

सरकार का लक्ष्य लाखों नौजवानों को सीधा रोजगार मिले : राजनाथ सिंह

लखनऊ। देश की सेनाओं के लिए हथियार, गोला-बारूद और लड़ाकू जहाजों से जुड़ा सामान, अब उत्तर प्रदेश में बनेगा। लखनऊ में तो ब्रह्मोस की फैक्ट्री भी लगी है, जहां ब्रह्मोस मिसाइल बनाई जा रही है। अब ये मिसाइल बाहर से बनकर नहीं आती, हमारे अपने देश में, हमारे अपने उत्तर प्रदेश में बनती है। भारत का रक्षा क्षेत्र, अब पूर्ण रूप से आत्मनिर्भर होने की ओर बढ़ रहा है। भारत अब कमजोर नहीं है, हम अपने हथियार खुद बना रहे हैं। उत्तर प्रदेश में सरकार ने डिफेंस कॉरिडोर बनाया है। शुक्रवार को देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह लखनऊ में अशोक लीलैंड के नए ईवी मैन्युफैक्चरिंग प्लांट के उद्घाटन अवसर पर बोल रहे थे। इस दौरान कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, केन्द्रीय मंत्री (भारी उद्योग और सार्वजनिक उद्यम मंत्रालय) एचडी कुमार स्वामी और उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक उपस्थित रहे।

राजनाथ सिंह ने कहा कि 2014 में हम लोग भारत में सिर्फ 46,000 करोड़ रुपये के हथियार और साजो-सामान बना पाते थे। आज वहीं बढ़कर 1.5

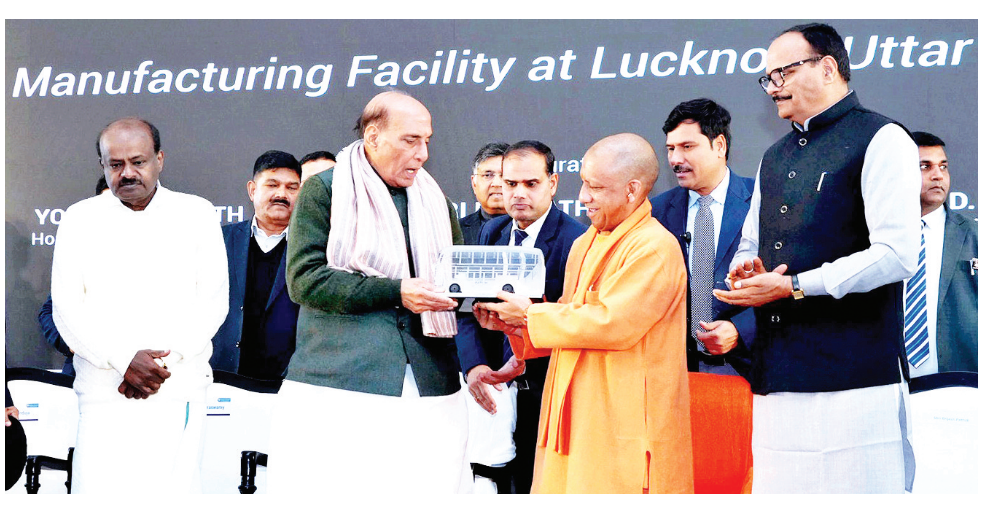

लाख करोड़ रुपये से भी अधिक हो चुका है। 2014 के समय भारत का जो रक्षा निर्यात है, वह बहुत कम हुआ करता था। हम 1,000 करोड़ रुपये से भी कम के हथियार और साजो-सामान, दुनिया को बेच पाते थे, लेकिन आज वही बढ़कर रिकार्ड 24,000 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है।

रक्षामंत्री ने कहा कि इस फैक्ट्री का शुरू होना, केवल अशोक लीलैंड की सफलता की कहानी नहीं है, बल्कि यह हमारी नीतियों पर, उद्योग जगत के विश्वास की कहानी भी है। हमारी सरकार ने हमेशा जनता के हितों को ध्यान में रखते हुए औद्योगिक विकास को बढ़ावा दिया है। पिछले कुछ वर्षों में हमारी डबल इंजन की सरकार ने उत्तर प्रदेश में जो किया है, उससे लगातार उद्योग जगत का विश्वास बढ़ा है। यदि आज लखनऊ जैसे शहर में इलेक्ट्रिक गाड़ियों की इतनी बड़ी फैक्ट्री की शुरुआत हो रही है, तो उसके पीछे उत्तर प्रदेश की कानून व्यवस्था और सड़कों के जाल का बहुत बड़ा योगदान है।

राजनाथ सिंह ने बताया कि लगभग 70 एकड़ में यह संयंत्र फैला हुआ है। इस पूरी सुविधा का निर्माण 24 महीने में होना था, लेकिन आप लोगों ने इसे 18 महीनों में तैयार किया है। अब जैसे ही यहां काम शुरू हो जाएगा, उसके बाद हर महीने लगभग 2,500 इलेक्ट्रिक वाहन यहां से बनकर निकलेंगे। इससे सबसे बड़ा लाभ, हमारी स्थानीय जनता को होने वाला है। सरकार का लक्ष्य है, कि अगले पांच साल में यहां हजारों करोड़ रुपये का नया काम आए और हमारे लाखों नौजवानों को सीधा रोजगार मिले।

फियरलेस, ईज ऑफ डूइंग और ट्रस्ट ऑफ डूइंग बिजनेस नए यूपी की पहचान : योगी आदित्यनाथ

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रक्षा मंत्री व लखनऊ से सांसद राजनाथ सिंह के साथ शुक्रवार को अशोक लेलैंड कंपनी के इलेक्ट्रिक व्हीकल (ईवी) विनिर्माण संयंत्र का उद्घाटन किया। मुख्यमंत्री व अन्य अतिथियों ने फैक्ट्री का निरीक्षण किया और सिंदूर-रुद्राक्ष के पौधे भी रोपे। सीएम योगी ने निवेश के लिए हिंदुजा परिवार को शुभकामनाएं दीं और यूपी सरकार पर विश्वास के लिए आभार जताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2017 के पहले उत्तर प्रदेश पहचान का मोहताज और उपद्रव से ग्रसित था, लेकिन आज उत्सव का प्रदेश है। उत्तर प्रदेश अब बीमारू राज्य नहीं, बल्कि इसने खुद को रेवेन्यू सरप्लस स्टेट के रूप में स्थापित किया है। दृढ़ निश्चय से लिए गए फैसले, साफ नीयत व स्पष्ट सोच के कारण ₹फियरलेस बिजनेस, ईज ऑफ डूइंग बिजनेस और ट्रस्ट ऑफ डूइंग बिजनेस₹ नए यूपी की पहचान बन चुके हैं। यहां पर कोई निवेशक पॉलिसी पैरालिसिस का शिकार नहीं हो सकता। यूपी में अब 34 सेक्टरियल पॉलिसी हैं, जिनके माध्यम से निवेशक किसी भी सेक्टर में निवेश करके यूपी की विकास यात्रा में योगदान दे सकते हैं। सीएम योगी ने कहा कि यूपी के लिए यह निवेश अत्यंत महत्वपूर्ण है। 2017 के पहले यूपी की अराजकता किसी से छिपी नहीं थी, निवेशक पलायन कर रहे थे परंतु 2017 में सरकार में आने पर हमने कहा कि यह अनलिमिटेड पोटेंशियल का प्रदेश है। अपने राजनैतिक स्वार्थ के लिए कुछ लोगों ने इसे बदनाम किया, लेकिन यूपी अब अनलिमिटेड पोटेंशियल यानी संभावनाओं को परिणाम में बदलने वाला प्रदेश बन गया है।

संक्षिप्त खबरें

महिलाओं को साइबर ठगी से बचने के तरीके बताए

नोएडा। मिशन शक्ति अभियान-5.0 के अंतर्गत कमिश्नरेट गौतमबुद्ध नगर के थाना क्षेत्रों में शुक्रवार को महिलाओं को साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया। महिला सुरक्षा, साइबर सुरक्षा और विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी गई। मिशन शक्ति टीम ने महिलाकर्मियों को थानों पर गठित मिशन शक्ति केंद्र के उद्देश्य, कार्यप्रणाली और महिला सुरक्षा से संबंधित उपलब्ध सुविधाओं के बारे में बताया। विभिन्न हेल्पलाइन नंबर की भी जानकारी दी। मिशन शक्ति अभियान वर्तमान में जिले के तीनों जोन में चलाया जा रहा है।

मारपीट के आरोप में सात लोगों पर केस दर्ज

नोएडा। पर्थला खंजरपुर गांव निवासी महिला की शादी अप्रैल 2024 में बसई गांव के सार्थक से हुई थी। आरोप है कि शादी के बाद से ससुराल वाले कम दहेज लाने की बात कहकर ताना मारने लगे। पति मोबाइल चेक करता। सास, ससुर समेत ससुराल पक्ष के अन्य लोग पति को भड़काते। पति की मारपीट से पीड़िता का दो बार गर्भपात हो गया। पति महिला को भैया दूज पर मायके छोड़ आया और दहेज लाने के बाद ही घर में घुसने की चेतावनी दी। इस मामले में महिला के पति सार्थक, ससुर रामशरण, सास माया देवी, चंचल, शीतल, अंजली, मोहित के खिलाफ केस दर्ज हुआ है।

लिफ्ट में महिला से चेन छीनने के प्रयास लोग चिंतित

ग्रेटर नोएडा। ला रेजिडेंशिया सोसाइटी में गुरुवार को बुजुर्ग महिला से चेन छीनने के प्रयास से लोगों को अपनी सुरक्षा की चिंता सता रही है। उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था में बरती जा रही लापरवाही पर नाराजगी जताई है। साथ ही, पुलिस से भी इस मामले को लेकर शिकायत की है। सोसाइटी निवासी सुमित जलोटा ने बताया कि बुजुर्ग महिला लिफ्ट से जा रही थीं। अचानक हेलमेट पहनकर आए बदमाश ने महिला को अकेला देखकर उनसे चेन छीनने का प्रयास किया। महिला के चिल्लाने पर वह डर कर भाग गया। इस घटना के बाद से सोसाइटी में डर का माहौल है। सोसाइटी के लोगों खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। सोसाइटी निवासी अंकित ने बताया कि परिसर के अंदर सुरक्षाकर्मियों की संख्या कम है। कई बार कुछ टावर में सुरक्षा गार्ड नहीं होते। ऐसा अधिकतर रात के समय होता है। बिल्डर प्रबंधन की ओर से लोगों की सुरक्षा पर ध्यान नहीं दिया जा रहा। बिल्डर प्रबंधन से सुरक्षाकर्मियों की संख्या बढ़ाने और प्रशिक्षित सुरक्षाकर्मियों की तैनाती के लिए कहा जा रहा है, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हो रही।

घर का ताला तोड़कर नगदी-गहने चुराए

ग्रेटर नोएडा। सेक्टर पी-4 में बंद पड़े घर का ताला तोड़कर चोर नगदी और जेवरात चोरी कर ले गए। मकान मालिक अपने बेटे के पास हैदराबाद गए हुए थे। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। बीटा दो कोतवाली पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक सेक्टर पी-4 में सुरेंद्र कुमार खन्ना रहते हैं। पीड़ति ने पुलिस को बताया कि वह कुछ दिनों पहले अपने बेटे के पास हैदराबाद गए थे। इसी बीच बदमाशों ने उनके मकान का ताला तोड़कर करीब दस हजार रुपये, चांदी के सिक्के, गहने और कपड़े आदि सामान चोरी कर लिया। पड़ोसी ने उनको फोन कर घटना की सूचना दी। अब इस मामले में पीड़ित ने मुकदमा दर्ज करवाया है। कोतवाली प्रभारी का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी की फुटेज देखी जा रही है। चोरों का पता लगाकर घटना का खुलासा किया जाएगा।

स्नातक अनुसंधान को बढ़ावा मिलेगा

ग्रेटर नोएडा। शारदा विश्वविद्यालय एवं जैन डेंटल एंड सर्जिकल ने शुक्रवार को फॉरेंसिक ओडॉन्टोलॉजी में स्नातक अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए करार किया। इस सहयोग के अंतर्गत शारदा विश्वविद्यालय में स्नातक विद्यार्थियों के अनुसंधान प्रोजेक्ट को समर्थन देने के लिए 10 लाख का अनुदान स्थापित किया गया। इस अवसर पर जैन डेंटल एंड सर्जिकल गाजियाबाद के निदेशक मोहित जैन ने स्कूल ऑफ डेंटल साइंसेज की अनुसंधान समिति के अध्यक्ष डॉ. दीपक भार्गव को औपचारिक रूप से चेक सौंपा। यह कार्यक्रम एसडीएस अनुसंधान समिति के सदस्यों की उपस्थिति में संपन्न हुआ।

सड़क हादसों से बचाव के बारे में जागरूक किया

ग्रेटर नोएडा। राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत दुर्घटनाओं को रोकने और नियमों का पालन कराने को लेकर विकास भवन सभागार में बैठक हुई। इस दौरान एआरटीओ डॉ. उदित नारायण पांडेय ने हिट एंड रन मामलों, कैशलेस ट्रीटमेंट योजना तथा राहगीर योजना की जानकारी साझा की। सीडीओ डॉ. शिवाकांत द्विवेदी ने कहा कि सड़क सुरक्षा जीवन रक्षा है। सभी ग्राम प्रधान एवं पंचायत सचिव ग्रामीणों को यातायात नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित करें। हेलमेट, सीट बेल्ट का उपयोग अनिवार्य करें व गति सीमा का उल्लंघन करने से बचें।

फिनटेक के लिए 12 जनवरी को बैठक होगी

ग्रेटर नोएडा। यमुना प्राधिकरण क्षेत्र के सेक्टर-11 में फिनटेक सिटी विकसित करने के लिए 12 जनवरी को दिल्ली के एक होटल में बैठक होगी। इसमें बैंकिंग, इंश्योरेंस, स्टॉक एक्सचेंज और अन्य वित्तीय क्षेत्र से जुड़े दर्जनों प्रमुख संस्थानों को आमंत्रित किया गया है। इस दौरान यीडा के अधिकारी यमुना सिटी की भौगोलिक, औद्योगिक स्थिति और निवेश का खाका प्रस्तुत करेंगे। बताया जाएगा कि यमुना सिटी में फिनटेक सिटी स्थापना क्यों जरूरी है और इससे देश के वित्तीय व तकनीकी क्षेत्र को कैसे लाभ मिलेगा। अधिकारियों का उद्देश्य इन संस्थानों को यमुना सिटी में निवेश और संचालन के लिए आकर्षित करना है। यमुना प्राधिकरण ने सेक्टर-11 में करीब 500 एकड़ भूमि पर फिनटेक सिटी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस हब और इलेक्ट्रॉनिक्स हब विकसित करने की योजना बनाई है। इस परियोजना से न केवल क्षेत्र में रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। सीईओ आरके सिंह ने बताया कि फिनटेक सिटी में देश-विदेश की बड़ी कंपनियों को लाने की योजना है। इसी उद्देश्य से यह आयोजन किया जा रहा है, ताकि निवेशकों को बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर, कनेक्टिविटी और सुविधाओं के बारे में अवगत कराया जा सके।

जल गुणवत्ता सुधार को लेकर उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक, सीईओ ने दिए कड़े निर्देश

नोएडा। इंदौर में हाल ही में पीने के पानी में प्रदूषण की घटना ने जनपद गौतमबुद्ध नगर में जल प्रबंधन में कमियों को लेकर कई तरह के सवाल लोगों द्वारा उठाये जाने लगे हैं। हालांकि नोएडा और ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों का दावा है कि सप्लाई की पानी में कोई कमी नहीं है। शुक्रवार को नोएडा में सप्लाई की पानी की गुणवत्ता को लेकर प्राधिकरण के सीईओ डा. लोकेश एम ने विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की।

बैठक के दौरान उन्होंने जनहित के मुद्दों, शहर के बुनियादी ढांचे और स्वच्छता व्यवस्था को लेकर कड़े निर्देश दिए। बैठक के दौरान उन्होंने स्पष्ट किया कि सार्वजनिक सेवाओं में किसी भी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इंदौर में जल प्रदूषण के कारण हुई जनहानि को गंभीरता से लेते हुए सीईओ महोदय ने जल विभागके अधिकारियों की एक उच्च स्तरीय तकनीकी समिति गठित की है। यह समिति पाइपलाइनों में रिसाव और जंग लगने की समस्याओं की पहचान तथा

जलाशयों और वॉटर एटीएम में पानी की शुद्धता की जांच करेगी।

यह समिति विभिन्न क्षेत्रों से सैंपल लेकर अपनी जांच की विस्तृत रिपोर्ट जल्द से जल्द सीईओ को सौंपेगी, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकी जा सके। बैठक के दौरान सीईओ द्वारा गंगा जल परियोजना के संबंध में निर्देश दिए गए कि 80 क्यूसेक गंगा जल परियोजना से संबंधित कार्य जनवरी 2026 तक पूरा किया जाए। कार्यों की समीक्षा की दौरान सड़क बुनियादी ढांचे में सुधार के लिए एसीईओ वंदना त्रिपाठी और ओएसडी महेंद्र प्रसाद की सदस्यता वाली एक विशेष टीम गठित की गई। वहीं सीईओ के निर्देशों के बाद इस टीम ने आज मास्टर प्लान रोड-3 के पूरे स्ट्रेच का दौरा किया। वहीं इस संबंध में 15 दिनों के भीतर इसके सुधार के लिए एक विस्तृत कार्ययोजना प्रस्तुत की जायेगी। तालाबों के निर्माण कार्य की धीमी गति पर सीईओ ने नाराजगी व्यक्तकी। उन्होंने तालाबों के निर्माण में देरी करने वाले ठेकेदारों और अधिकारियों को कार्य में तेजी लाने की चेतावनी दी।

स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा के दौरान स्वास्थ्य सेवाओं को आधुनिक बनाने के लिए सीईओ ने सफाई के लिए अत्याधुनिक मैकेनाइज्ड मशीनों और नालों की सफाई के लिए मीडियम साइज उपकरणों की खरीद के निर्देश जारी किए। वहीं शहर में व्याप्त गंदगी की जानकारी मिलने पर सीईओ ने जन स्वास्थ्य विभाग के तीन सहायक परियोजना अभियंताओं (Assistant Project Engineer) उमेश चंद, राहुल गुप्ता तथा सुशील कुमार को कारण बताओ नोटिस जारी करते हुए इनके वेतन पर अगले आदेश तक रोक लगा दी।

अवैध निर्माण करने पर 8 के खिलाफ केस दर्ज

नोएडा। नगला वाजिदपुर गांव में नोएडा प्राधिकरण की अर्जित जमीन पर अवैध निर्माण करने के मामले में एक्सप्रेसवे थाने में आठ नामजद आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज हुआ है। वर्क सर्किल-9 के अवर अभियंता ने इस मामले में शिकायत दी थी। अवर अभियंता हरेंद्र मलिक ने पुलिस को शिकायत दी कि उनके सर्किल में नगला वाजिदपुर गांव भी आता है। गांव में प्राधिकरण की अर्जित जमीन है। इस जमीन पर गांव के भंवर , राकेश, टीकम, अभिषेक, रिषभ, करनपाल, रोहित समेत आठ लोग बिना अनुमति के अवैध निर्माण करा रहे हैं। उनको कई बार चेतावनी और नोटिस दिए गए, लेकिन अवैध निर्माण नहीं रोका गया। टीम ने मौके पर जाकर निर्माण कार्य रोकना चाहा तो आरोपियों ने अभद्रता कर भगा दिया। चोरी छिपे अवैध निर्माण कार्य कराना जारी है। इससे शहर का सुनियोजित विकास प्रभावित हो रहा है और कुछ अन्य लोगों को अवैध निर्माण करने का हौसला मिल रहा है। नामजद आरोपियों पर तत्काल कार्रवाई करना अतिआवश्यक है। थाना प्रभारी ने बताया कि अवर अभियंता की शिकायत पर भंवर , राकेश, टीकम, अभिषेक, रिषभ, करनपाल, रोहित समेत आठ के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

सड़क दुर्घटना में घायलों के लिए कैशलेस इलाज योजना से जुड़ने के निर्देश

नोएडा। सड़क दुर्घटना में घायलों के लिए कैशलेस उपचार योजना के लिए 84 अस्पतालों के साथ शुक्रवार को बैठक की गई। आयुष्मान योजना के प्रभारी डॉ. अजय कुमार ने अस्पतालों के प्रतिनिधियों को इस योजना के बारे में जानकारी दी। साथ ही, योजना से जुड़ने के निर्देश दिए। कैशलेस उपचार योजना के तहत दुर्घटना में घायल लोगों को डेढ़ लाख रुपये तक का निशुल्क इलाज मिलेगा। नोएडा-ग्रेटर नोएडा की अलग-अलग सड़क दुर्घटनाओं में जनवरी से अक्तूबर तक 431 की मौत हुई और 815 लोग घायल हुए। कई बार इलाज के अभाव और अस्पताल पहुंचने में देरी होने के कारण घायल व्यक्ति की मौत हो जाती है। इस योजना से संबंधित प्रशिक्षण समेत अन्य कार्य होंगे। घायलों के इलाज में पुलिस की भी मदद ली जाएगी, ताकि मरीजों को जल्द से जल्द अस्पताल पहुंचाया जा सके। वहीं, दुर्घटना में घायल व्यक्ति को अस्पताल तक पहुंचाने वाले व्यक्ति को भी राशि दी जाएगी। इलाज की समीक्षा जिला प्रशासन करेगा, इसके बाद रकम अस्पताल को मिलेगी। आयुष्मान योजना में शामिल सभी अस्पताल स्वतः इस योजना में शामिल माने जाएंगे। डॉ. अजय कुमार ने बताया कि इस योजना का उद्देश्य घायलों को जल्द इलाज देकर जिंदगी बचाना है। इस योजना को लेकर ऑनलाइन बैठक की गई है। ज्यादा से ज्यादा अस्पतालों को इस योजना से जोड़ने का प्रयास है।

चोरी की बड़ी वारदात का आरोपी गिरफ्तार

नोएडा। नोएडा के थाना सेक्टर-20 क्षेत्र में हुई एक बड़ी चोरी की घटना का पुलिस ने सफल अनावरण करते हुए एक शातिर अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने अभियुक्त के कब्जे से चोरी की गई भारी नकदी बरामद करने के साथ-साथ उसके बैंक खाते में जमा रकम को भी फ्रीज कराया है। यह कार्रवाई दिनांक 8 जनवरी 2026 को की गई। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान शिखर खुराना पुत्र अजय खुराना के रूप में हुई है। अभियुक्त को मल्टीलेवल कार पार्किंग के सामने फुटपाथ से गिरफ्तार किया गया। उसकी उम्र मात्र 21 वर्ष है और वह काफी शातिर तरीके से अपराध को अंजाम देता था।

अभियुक्त मूल रूप से वसुंधरा पार्क वन, भूरा रानी रोड, रुद्रपुर (उत्तराखंड) का निवासी है, जबकि वर्तमान में वह सेक्टर-151, नोएडा के वी-1, एल्डीगो में रह रहा था। पुलिस जांच में सामने आया कि अभियुक्त ने दिनांक 5 जनवरी 2026 को डीएलएफ मॉल पर पीड़ित से पहले फोन पर बातचीत की थी। इसके बाद उसने फॉरेक्स कॉइन ट्रेडिंग में निवेश का झांसा

देकर फर्जी स्क्रीनशॉट दिखाए। भरोसा जीतने के बाद अभियुक्त ने मौके का फायदा उठाते हुए कार में रखा पैसों से भरा बैग चोरी कर लिया और फरार हो गया। घटना के बाद पीड़ित की शिकायत पर थाना सेक्टर-20 में मामला दर्ज किया गया और पुलिस ने तुरंत जांच शुरू की। पुलिस की सतर्कता और तकनीकी जांच के आधार पर अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया गया। उसके कब्जे से चोरी किए गए 4 लाख 60 हजार रुपये नकद बरामद किए गए हैं। इसके अलावा, अभियुक्त के बैंक खाते में मौजूद 2 लाख रुपये की रकम को फ्रीज करा दिया गया है, जिससे कुल बरामदगी और कार्रवाई की राशि 6 लाख 60 हजार रुपये तक पहुंच गई है। बरामदगी के दौरान पुलिस को एक आधार कार्ड की छायाप्रति और घटना में इस्तेमाल मोबाइल फोन भी मिला है।

अभियुक्त के खिलाफ थाना सेक्टर-20, गौतमबुद्धनगर में मामला पंजीकृत किया गया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि अभियुक्त से पूछताछ की जा रही है और यह भी पता लगाया जा रहा है कि कहीं वह इस तरह की अन्य घटनाओं में तो शामिल नहीं रहा है। पुलिस ने आम जनता से अपील की है कि किसी भी तरह के ऑनलाइन ट्रेडिंग या निवेश के नाम पर अनजान लोगों पर भरोसा न करें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें।

नाकामियों से पता चलता है कि आप कहां गलती कर रहे हैं : निकहत जरीन

ग्रेटर नोएडा। पिछला साल निकहत जरीन के लिए आत्ममंथन का रहा जिसने उन्हें उम्मीदों पर काबू रखना सिखाया और साथ ही ओलंपिक चैंपियन बनने के अपने सपने को पूरा करने का उनका इरादा भी मजबूत किया। लगातार दो विश्व खिताब, राष्ट्रमंडल खेल स्वर्ण और एशियाई खेलों में कांस्य के बाद पेरिस ओलंपिक 2024 में निकहत से काफी उम्मीदें थी । लेकिन वह अंतिम 16 में वु यू से हारकर खाली हाथ लौटीं ।

निकहत ने यहां चल रही राष्ट्रीय चैम्पियनशिप के दौरान पीटीआई से कहा ,'' खेलों में उतार चढाव आते हैं । आप यह उम्मीद नहीं कर सकते कि खिलाड़ी हर समय सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन ही करे लेकिन उम्मीद नहीं छोड़नी चाहिये ।'' उन्होंने कहा ,'' नाकामियां खेल का हिस्सा है और जीवन का भी । इसी से आपको पता चलता है कि आप कहां गलती पर हैं और आप उस पर काम करके मजबूती से वापसी करते हैं ।'' निकहत ने पेरिस खेलों के बाद यही किया लेकिन घुटने की चोट उनकी वापसी की राह में रोड़ा बन गई। महीनों तक रिंग से दूर रहने के बद उन्होंने जून जुलाई में एक राष्ट्रीय टूर्नामेंट में वापसी की और फिर विश्व चैम्पियनशिप में भाग लिया जिसमें वह दो बार की ओलंपिक रजत पदक विजेता बूस नाज काकिरोग्लू से हार गई । उन्होंने कहा ,'' मैं दो बार की ओलंपिक रजत पदक विजेता से हारी हूं तो कोई खेद नहीं है लेकिन खाली हाथ लौटने की निराशा है ।'' 29 वर्ष की निकहत को बरसों तक इंतजार करना पड़ा क्योंकि उनके भारवर्ग में महान मुक्केबाज एमसी मेरीकॉम खेलती थी ।

एनईए चुनाव में विपिन मल्हन पैनल का निर्विरोध चुना जाना तय

▶▶ विपक्ष में आए दो प्रत्याशियों ने नामांकन वापस लिए चुनाव अधिकारियों की ओर से आज परिणाम घोषित होगा

नोएडा। नोएडा एंटेप्रिनियोर्स एसोसिएशन (एनईए) के चुनाव में विपिन मल्हन के पैनल का निर्विरोध चुना जाना तय हो गया है। विपक्ष में आए दोनों प्रत्याशियों ने शुक्रवार को नामांकन वापस ले लिए। चुनाव अधिकारियों की ओर से मल्हन के पैनल का के चुने जाने की घोषणा शनिवार दोपहर बाद की जाएगी। चुनाव अधिकारी प्रदीप मेहता ने बताया कि एनईए का चुनाव हर दो वर्ष में होता है। जनवरी 2026 में चुनाव की प्रक्रिया चल रही है। एक बार फिर एनईए चुनाव में विपिन मल्हन के पैनल का निर्विरोध आने का रास्ता साफ हो गया है।

एनईए के 160 पदों में से 156 पदों पर 158 उम्मीदवारों ने नामांकन किया था। सभी नामांकन फॉर्मों की जांच की गई। सभी नामांकन फार्म सही पाए गए। उन्होंने बताया कि शनिवार को सेक्टर-10 से मल्हन पैनल के विपक्ष में आए ओम प्रकाश और सेक्टर-67 से मल्हन पैनल के विपक्ष में आए संदीप विरमानी ने नामांकन फॉर्म वापस ले लिए।

इससे मल्हन पैनल के सभी 156 उम्मीदारों का निर्विरोध चुना जाना तय हो गया। इसकी औपचारिक घोषणा शनिवार को दोपहर बाद की जाएगी। विपिन मल्हन का पैनल पिछले 15 वर्षों से लगातार एनईए के सभी पदों पर काबिज है। उनका एनईए में लगातार अब तक का सबसे लंबा कार्यकाल चलता आ रहा है।

ग्राम प्रधान और पंचायत सचिव ग्रामीणों को यातायात नियम के प्रति जागरुक करेंगे

नोएडा। ग्रेटर नोएडा स्थित विकास भवन सभागार में शुक्रवार को जिला स्तरीय बैठक आयोजित की गई। राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत सड़क दुर्घटनाओं को रोकने और यातायात नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के लिए यह बैठक हुई थी। इसमें सभी ग्राम प्रधान और पंचायत सचिव से ग्रामीणों को यातायात नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित करने के लिए कहा गया है।

बैठक की अध्यक्षता मुख्य विकास अधिकारी डॉ. शिवाकांत द्विवेदी ने की। इसमें पुलिस उपायुक्त (यातायात) डॉ. प्रवीण रंजन सिंह और सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) डॉ. उदित नारायण पांडे मौजूद रहे। बैठक में ग्राम सभा चौपालों और आशा बहनों के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरुक करने पर विशेष जोर दिया गया। डॉ. उदित नारायण पांडे ने बताया कि हिट एंड रन, कैशलेस ट्रीटमेंट योजना के तहत सड़क दुर्घटना पीड़ितों को एक सप्ताह तक 1.5 लाख रुपये तक का निशुल्क इलाज उपलब्ध कराया जाता है और राहगीर योजना में दुर्घटना में

▶▶ सड़क दुर्घटनाओं को रोकने और यातायात नियमों का कड़ाई से पालन की जागरुकता के लिए जिला स्तरीय बैठक हुई

सहायता करने वाले राहगीरों को 25,000 रुपये प्रोत्साहन एवं पुरस्कार प्रदान करने की जानकारी दी। डॉ. प्रवीण रंजन सिंह ने कहा कि यातायात नियमों का उल्लंघन न सिर्फ स्वयं के लिए, बल्कि दूसरों के जीवन के लिए भी खतरा है।

सभी लोग हेलमेट पहनें, सीट बेल्ट लगाएं और मोबाइल का उपयोग ड्राइविंग के दौरान न करें। साथ ही निर्धारित गति सीमा का पालन करें। बैठक में 70 से अधिक अधिकारी और प्रतिभागी उपस्थित रहे।

आतिशी के बयान के खिलाफ भाजपा का आम आदमी पार्टी दफ्तर पर प्रदर्शन

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। राजधानी में आम आदमी पार्टी और भारतीय जनता पार्टी के बीच सियासी टकराव लगातार तेज होता जा रहा है। सिख गुरुओं को लेकर कथित टिप्पणी के मुद्दे पर भाजपा ने आम आदमी पार्टी पर तीखा हमला बोला है। इसी कड़ी में मंगलवार को फिरोजशाह रोड स्थित आम आदमी पार्टी कार्यालय के बाहर दिल्ली भाजपा के सभी मोर्चों के कार्यकर्ताओं ने जोरदार प्रदर्शन किया।

सैकड़ों की संख्या में जुटे भाजपा कार्यकर्ताओं ने हाथों में पोस्टर लेकर आम आदमी पार्टी के खिलाफ नारेबाजी की और पूर्व मुख्यमंत्री एवं विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आतिशी से माफी की मांग की। राष्ट्रीय महामंत्री तरूण चुघ के नेतृत्व में दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आतिशी मार्लेना के बयान के विरोध में हुए प्रदर्शन में बड़ी संख्या में दिल्ली भाजपा के सिख प्रकोष्ठ के कार्यकर्ता भी प्रदर्शन में सम्मिलित हुए। भाजपा कार्यकर्ता विंडसर प्लेस पर एकत्र हुए और वहां से आतिशी मार्लेना के इस्तीफे और अरविंद केजरीवाल एवं सरदार भगवंत मान से माफी मांगने के नारे लगाते मार्च करते हुए आम आदमी पार्टी कार्यालय की ओर बढ़े पर कार्यालय से कुछ पहले फिरोजशाह रोड़-माधवराव सिंधिया मार्ग रेड लाइट के समीप भारी बैरिकेड्स लगा कर दिल्ली पुलिस ने बलपूर्वक भाजपा कार्यकर्ताओं को रोका, उनकी डिटेनशन की घोषणा की और फिर कुछ देर बाद चेतावनी देकर छोड़ दिया। भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री तरुण चुग ने कहा कि अतीशी का दिल्ली विधानसभा में आचरण और बयान सिख गुरुओं और सिख मर्यादाओं के प्रति गहरे अनादर को दर्शाता है, जो संवैधानिक गरिमा के भी विरुद्ध है।

अरविंद केजरीवाल के इशारे पर एक तरफ़ पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के पंजाब में दिए गए बयान बार-बार यह साबित करते हैं कि आम आदमी पार्टी की सिख आस्था के प्रति सोच संवेदनशील नहीं, बल्कि द्वेषपूर्ण रही है। संवैधानिक मंचों पर सिख धार्मिक प्रतीकों और परम्पराओं का इस तरह अपमान केवल लापरवाही नहीं, बल्कि सिख समाज की भावनाओं को जानबूझकर आहत करने का गंभीर प्रयास है। चुग ने कहा कि श्री गुरु तेगबहादुर साहिब जी की 350वीं जयंती जैसे पावन अवसर पर ऐसा आचरण आम आदमी पार्टी की वैचारिक संकीर्णता और सिख-विरोधी मानसिकता को पूरी तरह उजागर करता है।

आम आदमी पार्टी अब सिख आस्थाओं के अपमान का पर्याय बन चुकी है। सरदार भगवंत मान और अतीशी मार्लेना को सिख समुदाय से बिना शर्त सार्वजनिक माफी मांगनी चाहिए, क्योंकि यह अपमान सिख समाज कभी नहीं भूलेगा।

प्रदर्शन के दौरान भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि आम आदमी पार्टी के नेता लगातार लोगों की आस्था और संस्कृति का मजाक उड़ाते रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आतिशी ने सिख गुरु श्री तेगबहादुर जी को लेकर अपमानजनक टिप्पणी की है, लेकिन इसके बावजूद वह माफी मांगने को तैयार नहीं हैं। उन्होंने कहा कि विकास की राजनीति की जगह आप समाज को बांटने का काम कर रही है। जनता अब आप नेताओं के दोहरे चरित्र, झूठ और भ्रम फैलाने की राजनीति को समझ चुकी है और समय आने पर लोकतांत्रिक तरीके से जवाब देगी।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि विधानसभा में चर्चा के दौरान गुरु तेगबहादुर जी के नाम के साथ असंवेदनशील और आपत्तिजनक शब्दों का प्रयोग किया गया, जो किसी भी हालत में स्वीकार्य नहीं है। इस प्रदर्शन में दिल्ली भाजपा की प्रदेश महामंत्री एवं सांसद कमलजीत सहरावत, सांसद योगेन्द्र चांदोलिया एवं महामंत्री विष्णु मित्तल, विधायक सरदार अरविंदर सिंह लवली एवं कैलाश गहलोत, पूर्व सांसद रमेश बिधूड़ी, पूर्व अध्यक्ष आदेश गुप्ता, सिख प्रकोष्ठ संयोजक सरदार चरणजीत सिंह और बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

उल्लेखनीय है कि मंगलवार को विधानसभा में उपराज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा के दौरान आतिशी ने प्रदूषण पर चर्चा की मांग की थी। इस पर विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने उन्हें यह कहते हुए रोका कि प्रदूषण पर चर्चा के लिए बुधवार का दिन तय है। इसी दौरान आतिशी की एक टिप्पणी को सत्ता पक्ष ने सिख गुरुओं के अपमान से जोड़ते हुए कड़ा विरोध दर्ज कराया और माफी की मांग शुरू कर दी, जिससे सदन में हंगामे की स्थिति बन गई। विवाद बढ़ने पर विधानसभा अध्यक्ष ने टिप्पणी की जांच कराने और बुधवार को निंदा प्रस्ताव लाने की बात कही। इस मुद्दे पर पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि गुरु तेगबहादुर जी की शहादत दिल्ली की धरती पर हुई थी और यह केवल सिख समाज ही नहीं, बल्कि पूरे देश और मानवता के लिए गर्व का विषय है।

वंदे मातरम गीत स्वतंत्रता संग्राम की आत्मा : विजेंद्र गुप्ता

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने शुक्रवार को सदन में कहा कि आज अत्यंत गौरव और हर्ष के साथ इस सदन के समक्ष एक वंदे मातरम गीत का गायन पर चर्चा हो रही है। जैसा कि हम जानते हैं, दिल्ली विधानसभा के प्रत्येक सत्र की पहली बैठक का शुभारंभ राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम के गायन से होता है। अब तक की परंपरा के अनुसार इस गीत के केवल दो पैरे ही गाए जाते रहे हैं। परंतु इस वर्ष हमारे समक्ष एक अभूतपूर्व अवसर है। बंकिमचंद्र चटोपध्याय द्वारा रचित इस अमर गीत की एक सौ पचासवीं वर्षगांठ मनाई जा रही है। यह गीत केवल शब्दों का समूह नहीं है, अपितु यह हमारे स्वतंत्रता संग्राम की आत्मा है। लाखों देशभक्तों की प्रेरणा का स्त्रोत है और मातृभूमि के प्रति अगाध प्रेम का प्रतीक है।

विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि सन 1875 में रचित इस गीत ने स्वाधीनता आंदोलन में जन जागरण का कार्य किया। बंगाल विभाजन के विरोध में यह गीत जन जन की जुबान पर था। हमारे पूर्वजों ने इसी गीत को गाते हुए अंग्रेजों की लाठियां और गोलियां सही, जेल की यातनाएं झेली और हंसते-हंसते फांसी के फंदे पर को चूमा। इस ऐतिहासिक अवसर पर दिल्ली विधानसभा में इस वर्षगांठ के उपलक्ष्य में केवल दो पैरे नहीं अपितु संपूर्ण वंदे मातरम गीत का गायन किया जाए। हमारी ओर से उन असंख्य स्वतंत्रता सेनानियों को सच्ची श्रद्धांजलि होगी, जिन्होंने इस गीत को अपने हृदय में धारण कर राष्ट्र के लिए सर्वस्व न्यौछावर कर दिया।

संक्षिप्त खबरें

सोशल मीडिया पर हथियार लहराने वाला युवक गिरफ्तार, पिस्टल बरामद

नई दिल्ली। द्वारका जिला पुलिस की एंटी ऑटो थेफ्ट स्क्वॉड (एएटीएस) ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए अपराध की राह पर बढ़ रहे एक युवक को अवैध हथियार के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी सोशल मीडिया पर हथियार के साथ तस्वीरें डालकर और दोस्तों के बीच हथियार दिखाकर अपना रौब जमाने की कोशिश करता था। पुलिस ने उसके कब्जे से एक देसी सिंगल शॉट पिस्टल और एक जिंदा कारतूस बरामद किया है। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी की पहचान दिल्ली के रहने वाले मनीष उर्फ मिषु (19) के रूप में हुई। आरोपी कुख्यात नजफगढ़ और सीमावर्ती इलाकों के गैंगस्टरों से प्रभावित था और अपराध की दुनिया में कदम रखने की फिराक में था। पुलिस की ओर से जारी प्रेस नोट में बताया गया कि द्वारका जिले की एंटी ऑटो थेफ्ट स्क्वॉड को अवैध हथियार रखने वाले और उभरते अपराधियों पर नजर रखने का विशेष निर्देश दिया गया था। इसी क्रम में इंस्पेक्टर कमलेश कुमार, प्रभारी एएटीएस द्वारका के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई, जिसमें सब-इंस्पेक्टर जितेंद्र, हेड कांस्टेबल मनीष, सोनू, संदीप और मनोज शामिल थे।

तुर्कमान गेट पत्थरबाजी मामला: पुलिस ने एक और आरोपी को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने तुर्कमान गेट इलाके में फैज-ए-इलाही मस्जिद के पास तोड़फोड़ अभियान के दौरान हुई हिंसा के मामले में एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। इस ताजा गिरफ्तारी के साथ ही इस मामले में अब तक गिरफ्तार किए गए आरोपियों की संख्या बढ़कर 12 हो गई है। दिल्ली पुलिस की ओर से मिली जानकारी के अनुसार, गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान मोहम्मद इमरान उर्फ राजू (36) के रूप में हुई। पुलिस का कहना है कि आरोपी पत्थरबाजी और हिंसा की घटना में शामिल था। पर्याप्त सबूत मिलने के बाद आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। इससे पहले, दिल्ली पुलिस ने बुधवार को 5 और गुरुवार को 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया था। जानकारी के अनुसार, नगर निगम की टीम जब फैज-ए-इलाही मस्जिद के पास अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई कर रही थी, उसी दौरान असामाजिक तत्वों ने पथराव शुरू कर दिया। इस हिंसा में कई पुलिसकर्मी घायल हुए थे और सरकारी संपत्ति को भी नुकसान पहुंचा था। इससे पहले दिल्ली पुलिस ने बताया था कि उन्होंने हिंसा में शामिल 30 लोगों की पहचान कर ली है। यह पहचान सीसीटीवी फुटेज, पुलिसकर्मियों के बॉडी-वॉर्न कैमरे की रिकॉर्डिंग और इलाके के कई वायरल वीडियो के आधार पर की गई थी।

हर घर तक स्वच्छ जल पहुंचाने के लिए सरकार प्रतिबद्धः प्रवेश

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। दिल्ली के जल मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने कहा है कि हर घर तक स्वच्छ, समान और निरंतर जल आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए सरकार पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

श्री सिंह ने विधानसभा में नियम 270 के तहत जलापूर्ति के संबंध में अपने वक्तव्य में शुक्रवार को कहा कि दिल्ली सरकार और दिल्ली जल बोर्ड भारत सरकार के सहयोग से हर घर तक स्वच्छ, समान और निरंतर जल आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। वर्तमान समय में जल की गुणवत्ता और विश्वसनीयता सुनिश्चित करने के लिए जो चुनौतियां आ रही हैं, ये सब पिछली सरकार की वर्षों की उपेक्षा, अनिर्णय और देरी का परिणाम है। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार ने जल विभाग की कमान ऐसी विकट और उपेक्षित स्थिति में संभाली जो वर्षों की लापरवाही का शिकार थी। भाजपा सरकार को जर्जर जल ढांचा विरासत में मिला है। कुल 16 हजार किलोमीटर पाइप लाइन में से पांच हजार दो सौ मीटर से अधिक 30 साल से पुरानी पाइपलाइन है। दो हजार सात किलोमीटर पाइपलाइन 20 से 30 साल पुरानी है, जिसके कारण जगह-जगह रिसाव, पाइप फटना और प्रदूषण का खतरा और 45 प्रतिशत तक पानी बर्बाद हो रहा है।

उन्होंने कहा कि 2011 से प्रस्तावित बड़े सुधार प्रोजेक्ट चंद्रावल और वजीराबाद कमान क्षेत्रों के टेंडर रद्द करने और अन्य कारणों से यह परियोजना लंबे समय से लटकी रहे हैं। इससे लागत में भारी वृद्धि हुई तथा लाखों नागरिक स्वच्छ जल से वंचित रहे। जल मंत्री ने कहा कि विरासत से मिली चुनौतियों से पार पाने के लिए हम दृढ़ संकल्प हैं। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने पिछले 11 महीने में कई कदम उठाये हैं। उन्होंने कहा कि नवंबर में चंद्रावल परियोजना के शेष पैकेज को तुरंत आवंटित किया जिसकी कुल लागत 2406 करोड़ रुपये है।

नगर निगम की साधारण सभा में दोनों पक्षों ने किया हंगामा, सदन अनिश्चितकाल के लिए स्थगित

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) की साधारण सभा की बैठक में शुक्रवार को हंगामे के कारण कोई भी चर्चा नहीं हो सकी। बैठक के दौरान दोनों पक्षों के पार्षदों ने विरोध प्रदर्शन किया, जिससे सदन की कार्यवाही पूरी तरह प्रभावित हुई। बैठक शुरू होने के कुछ ही मिनटों बाद हंगामा बढ़ गया और सदन की कार्यवाही को पहले 10 मिनट के लिए स्थगित करना पड़ा। सदन दोबारा शुरू होते ही कांग्रेस की एक महिला पार्षद ने महापौर राजा इकबाल सिंह के दिए गए एक शब्द को गलत और महिला विरोधी बताते हुए आपत्ति जताई।

इस पर सदन में हंगामा मच गया और पार्षदों की नारेबाजी के कारण बैठक को अगली सभा तक के लिए स्थगित कर दिया गया। महापौर राजा इकबाल सिंह ने विवादित शब्द को लेकर सभा की बैठक में ही कांग्रेस पार्षद से माफी मांग ली। माफी के बाद कांग्रेस पार्षदों ने प्रदर्शन समाप्त करने की बात कही, लेकिन आम आदमी पार्टी ने इसे महिला विरोधी करार देते हुए महापौर के कार्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन किया।इस दौरान आम आदमी पार्टी के नेता और नगर निगम में नेता प्रतिपक्ष अंकुश नारंग ने दिल्ली सरकार में मंत्री कपिल मिश्रा द्वारा आतिशी पर गुरुओं को लेकर फर्जी वीडियो चलाने के खिलाफ निगम की बैठक में इस्तीफे की मांग की।

उन्होंने कहा कि मंत्री ने फर्जी वीडियो चलाकर जनता को गुमराह करने का काम किया।

दिल्ली स्टार्टअप युवा महोत्सव 2026 का शुभारंभ
शिक्षा मंत्री ने कहा-छात्र विकसित भारत के शिल्पकार

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने शुक्रवार को नेताजी सुभाष प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (एनएसयूटी) के परिसर में दिल्ली स्टार्टअप युवा महोत्सव 2026 का आयोजन किया। इस अवसर पर छात्र उद्यमिता को बढ़ावा देने और दिल्ली को भारत की स्टार्टअप राजधानी के रूप में स्थापित करने की प्रतिबद्धता दोहराई गई।

दिल्ली सरकार के शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने आयोजन का शुभारंभ करते हुए कहा कि एनएसयूटी जैसे संस्थान केवल शैक्षणिक शिक्षा के केंद्र नहीं बल्कि नवाचार और राष्ट्र निर्माण के सशक्त केंद्र हैं। उन्होंने कहा कि आज के छात्र 'विकसित भारत' के शिल्पकार हैं और यह महोत्सव एक परिवर्तनकारी "कैंपस से मार्केट" आंदोलन की शुरुआत है। भारत की स्टार्टअप यात्रा का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 से पहले भारत में केवल तीन यूनिकॉर्न थे और सीमित स्टार्टअप इकोसिस्टम था। आज भारत में लगभग 125 यूनिकॉर्न हैं, जिनका संयुक्त मूल्यांकन 366 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक है। इसके साथ ही देश में 1.97 लाख से अधिक डीपीआईआईटी-मान्यता प्राप्त स्टार्टअप हैं, जिससे भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम बन चुका है। सूद ने बताया कि आज लगभग 45 प्रतिशत भारतीय स्टार्टअप महिलाओं के नेतृत्व में हैं।

उन्होंने उद्यमिता को सामाजिक परिवर्तन का सबसे प्रभावी माध्यम बताया। सूद ने कहा कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में दिल्ली सरकार, दिल्ली को छात्र नवाचार की राजधानी बनाने की दिशा में कार्य कर रही है। दिल्ली स्टार्टअप युवा महोत्सव एक प्रमुख वार्षिक मंच के रूप में विकसित होगा, जो विश्वविद्यालयों, कॉलेजों, आईआईटी, मेंटर्स, निवेशकों और उद्योग जगत को एक छत के नीचे लाकर एक मजबूत "कैंपस से मार्केट" इकोसिस्टम तैयार करेगा। सूद ने घोषणा की कि दिल्ली सरकार 325 करोड़ के प्रस्तावित परिव्यय के साथ पांच वर्षों के लिए दिल्ली स्टार्टअप नीति 2025 लाने का प्रस्ताव कर रही है, जिसका उद्देश्य वर्ष 2035 तक 5,000 स्टार्टअप्स को समर्थन देना है। इसके अंतर्गत दिल्ली स्टूडेंट सीड फंड की स्थापना की जा रही है।इस कार्यक्रम के तहत शीर्ष छह स्टार्टअप्स को 10 लाख रुपये तक का इक्विटी-फ्री सीड ग्रांट दिया जाएगा, जबकि शीर्ष 100 छात्र स्टार्टअप्स को 1 लाख रुपये प्रत्येक की सहायता प्रदान की जाएगी।

डिजिटल अरेस्ट साइबर ठगी का बड़ा खुलासा, बैंक के दो अधिकारी समेत पांच गिरफ्तार

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल (आईएफएसओ) यूनिट ने 'डिजिटल अरेस्ट' के नाम पर की जा रही एक संगठित साइबर ठगी का पर्दाफाश किया है। इस मामले में एक प्राइवेट बैंक के दो अधिकारियों सहित कुल पांच आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है। आरोप है कि बैंक कर्मचारियों ने जाली दस्तावेजों पर फर्जी खाते खुलवाकर साइबर अपराध की रकम को अवैध रूप से इधर-उधर करने में मदद की।

आईएफएसओ के उपायुक्त विनीत कुमार ने बताया कि यह गिरोह बैंक कर्मचारियों की सक्रिय मिलीभगत से काम कर रहा था। गिरफ्तार आरोपितों में हरियाणा के हिसार निवासी प्रदीप कुमार (40) और नामनदीप मलिक (23), ओडिशा के भुवनेश्वर निवासी शशिकांत पटनायक (36) के अलावा प्राइवेट बैंक की तिलक नगर शाखा के निलेश कुमार (सीनियर सेल्स मैनेजर) और चंदन कुमार (सेल्स ऑफिसर) शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, मामले की शुरुआत एक 80 वर्षीय बुजुर्ग की शिकायत से हुई। पीड़ित को व्हाट्सऐप कॉल के जरिए खुद को दिल्ली पुलिस और सीबीआई का अधिकारी बताने वाले ठगों ने संपर्क किया। आरोपितों ने झूठा दावा किया कि उनके मोबाइल नंबर और आधार का इस्तेमाल अवैध गतिविधियों में हुआ है और वह जांच के दायरे में हैं। डर पैदा करने के लिए पीड़ित और उनकी पत्नी को सात दिनों तक व्हाट्सऐप वीडियो कॉल पर 'निगरानी' में रखा गया और घर से बाहर न निकलने की हिदायत दी गई।

आरोपितों ने फर्जी सीबीआई कार्यालय का सेटअप दिखाया और एक व्यक्ति को वकील बनाकर पेश किया, जिससे मानसिक दबाव और बढ़ गया। लगातार धमकियों के बीच पीड़ित से फिक्स डिपॉजिट तुड़वाए गए, जीवनभर की बचत ट्रांसफर कराई गई और यहां तक कि गोल्ड लोन भी दिलवाया गया। ठगों ने यह कहकर रकम मंगवाई कि 'आरबीआई के निर्देश पर सत्यापन' के बाद पैसा वापस कर दिया जाएगा। इस तरह कुल 96 लाख रुपये की ठगी की गई। इस मामले में चार नवंबर 2025 को स्पेशल सेल, आईएफएसओ थाने में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं के तहत ई-एफआईआर दर्ज की गई थी। तकनीकी विश्लेषण, डिजिटल फुटप्रिंट और जमीनी सूचना के आधार पर पुलिस ने आरोपितों की पहचान की।

मालिक से 3.25 लाख रुपए की धोखाधड़ी करने वाला युवक शिमला से गिरफ्तार

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। दिल्ली के द्वारका में थाना द्वारका साउथ पुलिस ने मालिक से 3.25 लाख रुपए की धोखाधड़ी मामले का खुलासा करते हुए आरोपी युवक को शिमला से गिरफ्तार किया है। आरोपी ने योजनाबद्ध तरीके से नेट बैंकिंग का दुरुपयोग कर यह रकम मालिक के बैंक खाते से निकाली थी।

पुलिस के मुताबिक यह मामला 15 नवंबर 2025 को सामने आया, जब थाने में चोरी की सूचना प्राप्त हुई। शिकायतकर्ता ने पुलिस को बताया कि उसके नौकर मुन्ना कुमार ने धोखे से उसके बैंक खाते से बड़ी रकम निकाल ली है। पुलिस ने केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू की। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसएचओ द्वारका साउथ इंस्पेक्टर राजेश कुमार साह के नेतृत्व में तथा एसीपी किशोर कुमार रेवाला की समग्र देखरेख में एक विशेष टीम गठित की गई। टीम में एचसी प्रवीण यादव, एचसी धीरज, एचसी कुलदीप और एचसी भूषण प्रसाद शामिल थे। जांच के दौरान शिकायतकर्ता ने बताया कि जब उसने किसी को पैसे ट्रांसफर करने की कोशिश की तो बैलेंस कम होने के कारण ट्रांजैक्शन फेल हो गया। इसके बाद बैंक जाकर पता चला कि उसके खाते से 3,25,990 रुपए उसके नौकर मुन्ना कुमार के खाते में ट्रांसफर हो चुके हैं। जब उसने नौकर से संपर्क करने की कोशिश की तो उसका मोबाइल बंद मिला और वह काम छोड़कर फरार हो चुका था। 4 जनवरी 2026 को पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि आरोपी शिमला में छिपा हुआ है।

तकनीकी सर्विलांस और सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने शिमला से आरोपी मुन्ना कुमार (21) निवासी पूर्वी चंपारण (बिहार) को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपी ने अपना अपराध स्वीकार करते हुए बताया कि उसे शिकायतकर्ता के खाते की जानकारी पहले से थी। बैंक जाते समय उसने नेट बैंकिंग की यूजर आईडी, पासवर्ड और मोबाइल लॉक पासवर्ड देख लिया था। बाद में उसने शिकायतकर्ता का मोबाइल लेकर खुद को बेनिफिशियरी जोड़ा और रकम ट्रांसफर कर दी। आरोपी ने बैंक से आए मैसेज भी डिलीट कर दिए। उसने बताया कि पूरी रकम उसने जुए में गंवा दी। पुलिस के अनुसार आरोपी बेरोजगार और अविवाहित है तथा उसका कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं है। मामले में आगे की जांच जारी है।

दिल्ली में आप के 4 विधायक शीतकालीन सत्र के बाकी समय के लिए निलंबित

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा के शीतकालीन सत्र के पांचवें एवं अंतिम दिन शुक्रवार को भी सदन में हंगामा जारी रहा। विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने सदन की मर्यादा का उल्लंघन करने के आरोप में आम आदमी पार्टी के चार सदस्यों को मौजूदा सत्र की शेष अवधि के लिए निलंबित कर दिया।

विधानसभा अध्यक्ष गुप्ता ने कहा कि सदन की कार्यवाही में निरंतर बाधा उत्पन्न करने और सदन की मर्यादा का उल्लंघन करने के कारण विपक्षी दल के सदस्य सोमदत्त, जरनैल सिंह, संजीव झा और कुलदीप कुमार को मौजूदा सत्र की शेष अवधि के लिए निलंबित किया जाता है। यह निर्णय सदन की गरिमा, अनुशासन एवं अधिकारों की रक्षा करने के उद्देश्य से तथा विधानसभा की प्रक्रिया एवं कार्य संचालन नियमावली के प्रावधानों के अनुरूप लिया गया है।

इस सत्र में यह दूसरी बार है जब आम आदमी पार्टी के ये चारों सदस्य निलंबित किए गए हैं। इसके पूर्व, सत्र के पहले दिन सोमवार (5 जनवरी) को उपराज्यपाल वीके सक्सेना के अभिभाषण के दौरान हंगामा करने के कारण ये चारों सदस्य तीन दिन के लिए निलंबित किए गए थे। विधानसभा का शीतकालीन सत्र 5 से 8 जनवरी तक चलना था, जिसे एक दिन बढ़ाकर 9 जनवरी तक कर दिया गया।

संपादकीय

बंगाल का बदलता राजनीतिक माहौल

पश्चिम बंगाल का राजनीतिक तापमान चरम बिंदु पर पहुंचता दिख रहा है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी कोलकाता स्थित राजनीतिक परामर्श से जुड़ी फर्म आइपैक के दफ्तर में मनी लांड्रिंग के मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के छापे को मुद्दा बनाकर विरोध प्रदर्शन कर रही हैं। वहीं दूसरी ओर हाल ही में गृहमंत्री अमित शाह का तीन दिवसीय बंगाल दौरा भाजपा के लिए चुनावी दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण रहा। उन्होंने पत्रकार वार्ता के माध्यम से पार्टी के मुद्दे स्पष्ट किए, सांसदों, विधायकों और प्रमुख नेताओं के साथ बैठक की तथा कार्यकर्ताओं से संवाद किया। अमित शाह ने प्रधानमंत्री मोदी की तरह बंगाल में भी सरकार बनाने का संदेश देते हुए कहा कि भय, भ्रष्टाचार, कुशासन और घुसपैठ की राजनीति के स्थान पर विकास, विरासत और गरीब कल्याण की मजबूत सरकार बनाने का संकल्प बंगाल की जनता में दिखाई देता है। कांग्रेस की शुरुआत बंगाल से हुई थी, लेकिन आज वहां वह शून्य पर है और 34 वर्षों तक शासन करने वाला वाममोर्चा भी पिछले विधानसभा चुनाव में एक भी सीट नहीं जीत सका। इसके विपरीत भाजपा 41 प्रतिशत मतों और 77 सीटों के साथ मुख्य विपक्षी दल के रूप में उभरी। 2024 के लोकसभा चुनाव में भले ही 2019 की तुलना में भाजपा की सीटें घटी हों, लेकिन 39 प्रतिशत मत और 12 सीटें यह दर्शाती हैं कि तृणमूल कांग्रेस के समानांतर उसका एक ठोस जनाधार विकसित हो चुका है। ऐसे में यदि भाजपा इस वर्ष होने वाले विधानसभा चुनाव में सरकार बनाने का दावा कर रही है तो उसे केवल अतिशयोक्ति कहकर खारिज नहीं किया जा सकता। हालांकि 2021 में भी भाजपा इसी तरह आत्मविश्वास के साथ चुनाव लड़ी, लेकिन तृणमूल कांग्रेस से काफी पीछे रह गई थी। बंगाल में 2021 के मुकाबले आज राजनीतिक माहौल काफी बदल चुका है। पड़ोसी देश बांग्लादेश की घटनाओं का प्रभाव पूरे देश पर पड़ा है। सीमावर्ती राज्य होने के कारण बंगाल पर असर और अधिक है। बंगाल में लगभग 30 प्रतिशत मुस्लिम मतदाता तथा भाजपा-विरोधी वामपंथी सोच रखने वाले मतदाताओं का बड़ा वर्ग तृणमूल कांग्रेस की शक्ति रहा है। सामान्यतः माना जाता है कि या तो मुस्लिम मतों में गहरा विभाजन हो या हिंदू मतों का व्यापक ध्रुवीकरण भाजपा के पक्ष में हो, तभी वहां सत्ता परिवर्तन संभव है। सरकार के विरुद्ध आक्रामक रुख अपनाने वाली तृणमूल बांग्लादेश में विशेषकर हिंदुओं के विरुद्ध हुई हिंसा पर न तो तीखे बयान दे रही है और न ही कोई बड़ा विरोध-प्रदर्शन कर रही है। पिछले कुछ वर्षों में बंगाल के बाहर पकड़े गए घुसपैठियों के पास 24 परगना क्षेत्र के आधार कार्ड और मतदाता पहचान पत्र मिलने से प्रमाणित हुआ है कि वाममोर्चा और फिर ममता सरकार के दौरान बांग्लादेश से घुसपैठ हुई है। विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) के दौरान भी कई घुसपैठिये यह कहते पाए गए कि वे लंबे समय से यहां रह रहे हैं और उनके पास पहचान पत्र हैं। उन्होंने मतदान करने की बात भी स्वीकार की। यह स्थिति 2021 में नहीं थी।

विश्व हिंदी दिवस (10 जनवरी) पर विशेष:

वैश्विक मंच पर हिंदी

अब तक विश्व के विभिन्न देशों में 12 विश्व हिंदी सम्मेलन आयोजित किया जा चुके हैं। फलस्वरूप हिंदी न केवल राष्ट्रीय आत्माभिमान का प्रतीक बनी है वरन अंतरराष्ट्रीय मंचों पर सांस्कृतिक संवाद, बौद्धिक विमर्श और भारतीय ज्ञान परंपरा का सशक्त माध्यम भी बनी है। वैश्विक स्तर पर हिंदी की उपादेयता उसकी सरलता, सहजता, तकनीकी सटीकता, संवादों की आत्मीयता और समावेशी प्रकृति के कारण निरंतर बढ़ रही है। 90 के दशक में भारत में जब उदारीकरण, वैश्वीकरण और औद्योगीकरण की प्रक्रिया प्रारंभ हुई तब विश्व की अनेक बहुराष्ट्रीय कंपनियां भारत में आईं। मीडिया नायक रुपर्ट मर्डोक स्टार चैनल और इसी तर्ज पर सोनी जैसे अन्य चैनलों ने भी अंग्रेजी कार्यक्रमों के साथ धूमधाम से भारत में पदार्पण किया जिससे हिंदी के लिए संकट निर्मित होता दिखाई दे रहा था किंतु शीघ्र ही उन्हें यह ब्रह्म ज्ञान प्राप्त हुआ कि भारतीय बाजार तंत्र में अपनी दर्शक संख्या बढ़ाने, अंतर्राष्ट्रीय उत्पाद बेचने, व्यावसायिक, व्यापारिक लाभ में वृद्धि हेतु उपभोक्ताओं को अपनी ओर आकर्षित करने के लिए हिंदी का इस्तेमाल अनिवार्य है। अतः विवश होकर उन्हें हिंदी की ओर मुड़ना ही पड़ा। अब अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका सहित यूरोप के अन्य देशों में बहुराष्ट्रीय कंपनियां हिंदी सिखाने का व्यवसाय कर रही हैं।

-डॉ.अशोक कुमार भार्गव-

नौ भारत की सांस्कृतिक चेतना की समृद्ध विरासत हिंदी न केवल हमारी अस्मिता की पहचान है वरन हमारे राष्ट्र की आत्मा भी है। अब हिंदी केवल परस्पर संवाद और संपर्क का माध्यम ही नहीं है वरन वैश्विक स्तर पर भी अपनी सर्जनात्मकता, जिजीविषा और समावेशिता के कारण अपने प्रभुत्व का निरंतर विस्तार कर रही है।

विश्व में ऐसे भी स्थान है जहां भारतीय मूल के लोग नहीं है तब भी वहां पर हिंदी बोली समझी और पढ़ी जा रही है। आज विश्व के सभी महाद्वीपों के लगभग 140 से अधिक देशों में हिंदी की स्वीकार्यता में वृद्धि हो रही है। इसीलिए विश्व में हिंदी प्रयोक्ताओं की संख्या लगभग 100 करोड़ से अधिक हो गई है जो संयुक्त राष्ट्र संघ की 6 आधिकारिक भाषाओं के बोलने वालों की संख्या से बहुत अधिक है। अब विश्व का मानचित्र बदल गया है। पहले अंग्रेजों के साम्राज्य में सूर्य कभी अस्त नहीं होने का मिथक था जो इतिहास बन गया है किंतु अब हिंदी के लिए यह गर्व का विषय है कि उसके बोलने, समझने और लिखने वालों का संसार इतना विराट हो गया है कि वहां कभी भी सूर्य अस्त नहीं होता। भारतीय प्रतीकों और राष्ट्रवाद की प्रखरता को मुखरता के साथ प्रस्फुटित करने वाली हिंदी को अंतर्राष्ट्रीय भाषा के रूप में स्थापित करने, हिंदी के प्रति प्रवासी भारतीयों में भावनात्मक रिश्ता कायम करने और विश्व में सकारात्मक वातावरण निर्मित करने के उद्देश्य से 10 जनवरी 1975 को नागपुर में प्रथम विश्व हिंदी सम्मेलन संपन्न हुआ। जिसमें 30 देशों के 122 प्रतिनिधि सम्मिलित हुए थे। यह सम्मेलन हिंदी के वैश्विक प्रसार की दिशा में एक मील का पत्थर सिद्ध हुआ। इस सम्मेलन के बाद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हिंदी को प्रतिष्ठित करने के लिए विश्व के विभिन्न देशों में अब तक 12 विश्व हिंदी सम्मेलन आयोजित किया जा चुके हैं।

प्रथम विश्व हिंदी सम्मेलन की वर्षगांठ अर्थात 10 जनवरी 2006 से प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह की पहल पर संयुक्त राष्ट्र संघ में हिंदी को आधिकारिक भाषा के रूप में अधिकृत करने के भारतीय प्रस्ताव को मजबूत करने, हिंदी को विश्व भाषा के रूप में प्रस्तुत करने तथा हिंदी के प्रचार-प्रसार हेतु जागरूकता और अनुराग सृजित करने के उद्देश्य से विश्व हिंदी दिवस मनाने की परंपरा प्रारंभ हुई है। अब तक विश्व के विभिन्न देशों में 12 विश्व हिंदी सम्मेलन आयोजित किया जा चुके हैं। फलस्वरूप हिंदी न केवल राष्ट्रीय आत्माभिमान का प्रतीक बनी है वरन अंतरराष्ट्रीय मंचों पर सांस्कृतिक संवाद, बौद्धिक विमर्श और भारतीय ज्ञान परंपरा का सशक्त माध्यम भी बनी है। वैश्विक स्तर पर हिंदी की उपादेयता उसकी सरलता, सहजता, तकनीकी सटीकता, संवादों की आत्मीयता और समावेशी प्रकृति के कारण निरंतर बढ़ रही है। 90 के दशक में भारत में जब उदारीकरण, वैश्वीकरण और ओधौगिकिकरण की प्रक्रिया प्रारंभ हुई तब विश्व की अनेक बहुराष्ट्रीय कंपनियां भारत में आईं। मीडिया नायक रुपर्ट मर्डोक स्टार चैनल और इसी तर्ज पर सोनी जैसे अन्य चैनलों ने भी अंग्रेजी कार्यक्रमों के साथ धूमधाम से भारत में पदार्पण किया जिससे हिंदी के लिए संकट निर्मित होता दिखाई दे रहा था किंतु शीघ्र ही उन्हें यह ब्रह्म ज्ञान प्राप्त हुआ कि भारतीय बाजार तंत्र में अपनी दर्शक संख्या बढ़ाने, अंतर्राष्ट्रीय उत्पाद बेचने, व्यावसायिक, व्यापारिक लाभ में वृद्धि हेतु उपभोक्ताओं को अपनी ओर आकर्षित करने के लिए हिंदी का इस्तेमाल अनिवार्य है। अतः विवश होकर उन्हें हिंदी की ओर मुड़ना ही पड़ा। अब अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका सहित यूरोप के अन्य देशों में बहुराष्ट्रीय कंपनियां हिंदी सीखाने का व्यवसाय कर रही हैं। अपने उत्पादों के तकनीकी महत्व, जरूरी सूचनाएं, विज्ञापन आदि हिंदी में प्रस्तुत किए जा रहे हैं। इसके अतिरिक्त पर्यटन, विज्ञान, वाणिज्य, व्यवसाय, सूचना प्रणाली, डिजिटल मीडिया आदि अन्य क्षेत्रों में हिंदी का प्रयोग वैश्विक स्तर पर हिंदी भाषा की महत्ता को रेखांकित करता है। अतः हिंदी केवल साहित्य की भाषा ही नहीं है अपितु यह पूंजी, बाजार, संचार, तकनीक, विज्ञान, कूटनीति राजनय तथा अंतरराष्ट्रीय महत्व के मुद्दों का भी प्रतिनिधित्व करती है। भारतीय जनमानस में सहिष्णुता, समरसता और स्व का भाव उत्पन्न करने वाली हिंदी वैश्विक फलक पर अपनी महत्ता का परचम लहरा रही है। हिंदी न केवल संख्या बल वरन भू विस्तार की दृष्टि से भी विश्व की प्रधान भाषाओं में से एक है। विश्व के मानचित्र पर तीसरी सबसे बड़ी संवाद शक्ति बनकर उभर रही हिंदी गूगल, मेटा, माइक्रोसॉफ्ट की रिपोर्ट के अनुसार भारत के 50% से अधिक इंटरनेट उपभोक्ता हिंदी में सामग्री का उपभोग कर रहे हैं। सोशल मीडिया, फेसबुक, इंस्टाग्राम और यूट्यूब और विकिपीडिया पर हिंदी कंटेंट रचनाकारों की संख्या करोड़ों में हो गई है। डिजिटल मीडिया के युग में हिंदी सिनेमा, संगीत, गीतों, उपग्रह से प्रसारित कार्यक्रमों, धारावाहिकों, भारतीय संस्कृति, कला, साहित्य, खानपान, योग, अध्यात्म, लोकतांत्रिक मूल्यों और ओटीटी प्लेटफॉर्म ने हिंदी को वैश्विक सौम्य शक्ति सॉफ्ट पावर के रूप में स्थापित कर दिया है। बहुराष्ट्रीय कंपनियां अब हिंदी को अपनी रणनीति का अनिवार्य हिस्सा मान रही है। हमारी राष्ट्रीय शिक्षा नीति ने भी हिंदी को ज्ञान विज्ञान की भाषा के रूप में नए आयाम दिए हैं। विज्ञान, चिकित्सा, इंजीनियरिंग, प्रौद्योगिकी आदि विषयों की पाठ्य सामग्री भी अब हिंदी में सहजता से उपलब्ध होने के कारण शिक्षा का लोकतांत्रिकरण हो रहा है। विश्व के 180 से अधिक विश्वविद्यालयों में हिंदी का पठन-पाठन प्रशिक्षण और शोध कार्य हो रहा है। इस प्रकार हिंदी विश्व भाषा बनने की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रही है।

वैश्वीकरण के इस युग में हिंदी भाषा के प्रयोग में परिवर्तन परिलक्षित हुआ है। साहित्य की दृष्टि से हिंदी में गुणात्मक और मात्रात्मक दृष्टि से उच्चतम साहित्य सृजित किया जा रहा है। हिंदी विभिन्न भाषाओं में अनुवाद का सशक्त माध्यम बन गई है। आज विश्व में पढ़े जाने वाले समाचार पत्रों में आधे से अधिक हिंदी के हैं। हिंदी को संयुक्त राष्ट्र संघ में यद्यपि पूर्ण सम्मान नहीं मिला किंतु हिंदी में संयुक्त राष्ट्र के न्यूज़ पोर्टल चल रहे हैं। प्रवासी भारतीयों का हिंदी को जीवंत बनाए रखने में अद्भुत योगदान है। समय-समय पर संयुक्त राष्ट्र संघ के अधिवेशनों व जी 20 जैसे अंतरराष्ट्रीय मंचों पर हिंदी के उद्घोष तथा विदेशों से हिंदी में प्रकाशित पत्र पत्रिकाओं व सोशल मीडिया के व्यापक प्रयोग से विश्व में संपर्क भाषा के रूप में हिंदी की स्वीकार्यता में सुखद वृद्धि हो रही है। आज जन भाषा, संपर्क भाषा, वैश्वीकरण और बाजारवाद के अनूठे दौर में विश्व फलक पर हिंदी के कदम निरंतर बढ़ रहे हैं और समग्र संसार में हिंदी को नए आयाम मिल रहे हैं। यद्यपि हिंदी की वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठा बढ़ने के बाद भी हिंदी राष्ट्रभाषा के गौरव से वंचित है। सबसे बड़ी संवैधानिक कठिनाई यह है कि यदि भारत का एक भी प्रांत हिंदी को राष्ट्रभाषा के रूप में प्रतिष्ठापित नहीं करना चाहेगा तो वह राष्ट्रभाषा नहीं बन सकती। इसके साथ ही राजनीतिक नेतृत्व की तदर्थ वादी नीति, हिंदी समाज के मध्यम वर्ग का अपनी मातृभाषा के प्रति न्याय न करने नौकरशाही प्रशासनिक तंत्र और अभिजात्य वर्ग की हिंदी के प्रति उपेक्षा तथा हिंदी के साथ अंग्रेजी की प्रतिष्ठा बनाए रखने के कारण हिंदी अपने ही घर में दासी की स्थिति में रह रही है। पता नहीं राष्ट्रभाषा हिंदी का वनवास कब समाप्त होगा।

हमें फादर कामिल बुल्के के इन विचारों को नहीं भूलना चाहिए जो उन्होंने द्वितीय विश्व हिंदी सम्मेलन के अवसर पर मॉरीशस में अभिव्यक्त किए थे द्वितीय विश्व हिंदी सम्मेलन की सबसे बड़ी उपलब्धि यह होगी कि मॉरीशस के हिंदी भाषी नागरिकों से भारत के नागरिक प्रेरणा लेंगे और भारत में हिंदी को पूर्ण रूप से प्रतिष्ठित करेंगे। ऐसा हो जाने पर ही हिंदी को विश्व भाषा का गौरव प्राप्त होगा। आजादी के अमृत काल में पंच प्रण के बिंदु विकसित भारत, गुलामी की हर सोच से मुक्ति, विरासत पर गर्व, एकता और एकजुटता, नागरिकों द्वारा अपने कर्तव्यों का पालन ऐसे महत्वपूर्ण आयाम है जिनके प्रति हमारी प्रतिबद्धता होनी चाहिए। पंच प्रण का दूसरा संकल्प गुलामी की हर सोच से मुक्ति में एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है भाषा। दुर्भाग्यवश भारत को उस औपनिवेशिक शक्तिशाली मानसिकता से मुक्त करना संभव नहीं हो सका जिसमें अंग्रेजी को जानना ही विद्वता की निशानी माना जाता है।

संवाद में निहित होती है लोकतंत्र की आत्मा

-डॉ. सत्यवान सौरभ-

विकसित भारत युवा नेता संवाद (वीबीवाईएलडी) भारत की उस दीर्घकालिक सोच का हिस्सा है, जिसमें युवा केवल नीतियों के लाभार्थी नहीं, बल्कि नीति-निर्माण और राष्ट्र-निर्देशन के सक्रिय भागीदार हैं। भारत विश्व का सबसे युवा देश है, जहाँ 65 प्रतिशत से अधिक जनसंख्या 35 वर्ष से कम आयु की है।

ऐसे में यह स्पष्ट है कि वर्ष 2047 तक विकसित भारत का सपना तभी साकार हो सकता है, जब युवाओं की ऊर्जा, नवाचार और नेतृत्व क्षमता को सही दिशा और मंच प्रदान किया जाए। वीबीवाईएलडी इसी उद्देश्य को मूर्त रूप देता है। यह पहल युवाओं को संवाद, विचार-विमर्श, नीति सुझाव और नेतृत्व विकास के अवसर प्रदान कर उन्हें राष्ट्र के भविष्य को आकार देने में सक्षम बनाती है। लोकतंत्र की आत्मा संवाद में निहित होती है। विकसित भारत युवा नेता संवाद युवाओं और शासन के बीच सेतु का कार्य करता है। पारंपरिक रूप से नीति-निर्माण एक सीमित वर्ग तक सिमटा रहता था, परंतु इस पहल के माध्यम से युवाओं को अपनी समस्याएँ, आकांक्षाएँ और समाधान सीधे प्रस्तुत करने का अवसर मिलता है। यह न केवल लोकतांत्रिक सहभागिता को गहरा करता है, बल्कि शासन को अधिक उत्तरदायी और समावेशी भी बनाता है। युवा जब अपनी आवाज़ नीति-निर्माण में प्रतिबिंबित होते देखते हैं, तो उनमें लोकतंत्र के प्रति विश्वास और उत्तरदायित्व की भावना सुदृढ़ होती है। युवा नेतृत्व का सशक्तिकरण केवल राजनीतिक नेतृत्व तक सीमित नहीं है। वीबीवाईएलडी युवाओं को सामाजिक, आर्थिक, तकनीकी और पर्यावरणीय क्षेत्रों में नेतृत्व के लिए तैयार करता है। संवाद और विचार-विमर्श के माध्यम से युवाओं में आलोचनात्मक सोच, समस्या-समाधान की क्षमता और दीर्घकालिक दृष्टि का विकास होता है। यह उन्हें तात्कालिक लाभ से ऊपर उठकर राष्ट्रहित और सतत विकास के व्यापक लक्ष्यों पर विचार करने के लिए प्रेरित करता है। इस प्रकार यह पहल नेतृत्व को मूल्य-आधारित, संवेदनशील और दूरदर्शी बनाती है। वर्ष 2047 तक सतत विकास भारत की सबसे बड़ी चुनौती और आवश्यकता दोनों है। आर्थिक वृद्धि के साथ सामाजिक न्याय, पर्यावरण संरक्षण और समावेशिता सुनिश्चित करना एक जटिल कार्य है।

युवा नेता संवाद युवाओं को सतत विकास लक्ष्यों की समझ प्रदान करता है और उन्हें समाधान का हिस्सा बनाता है। जलवायु परिवर्तन, संसाधनों की कमी, शहरीकरण, बेरोज़गारी और असमानता जैसे मुद्दों पर युवा अपने अनुभव और नवाचारी विचार साझा करते हैं। इससे नीतियाँ अधिक व्यावहारिक, जमीनी और भविष्य-सुरक्षित बनती हैं।

शिक्षा और कौशल विकास के संदर्भ में भी वीबीवाईएलडी की भूमिका महत्त्वपूर्ण है। संवाद के दौरान युवा शिक्षा प्रणाली की कमियों, कौशल-असंगति और रोजगार योग्य प्रशिक्षण की आवश्यकता को उजागर करते हैं। इससे सरकार को शिक्षा और कौशल नीतियों को युवाओं की वास्तविक ज़रूरतों के अनुरूप ढालने में सहायता मिलती है।

वर्ष 2047 तक भारत को ज्ञान-आधारित अर्थव्यवस्था बनाना है, और यह तभी संभव है जब युवाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, डिजिटल साक्षरता और नवाचार के अवसर मिलें। युवा नेता संवाद इस दिशा में एक वैचारिक प्रयोगशाला की तरह कार्य करता है। सामाजिक न्याय और समावेशिता जीएस पेपर II का केंद्रीय विषय है, और वीबीवाईएलडी इसमें भी योगदान देता है। भारत विविधताओं का देश है-जाति, वर्ग, लिंग, क्षेत्र और संस्कृति के स्तर पर। युवा नेता संवाद विभिन्न पृष्ठभूमियों से आए युवाओं को एक मंच पर लाकर समावेशी सोच को बढ़ावा देता है। जब ग्रामीण, शहरी, आदिवासी, अल्पसंख्यक और महिला युवा एक साथ संवाद करते हैं, तो नीति सुझाव अधिक संतुलित और न्यायपूर्ण बनते हैं। यह पहल हाशिए पर पड़े वर्गों की आवाज़ को मुख्यधारा तक पहुँचाने में सहायक है। डिजिटल युग में युवा सबसे बड़े परिवर्तनकारी एजेंट हैं। वीबीवाईएलडी डिजिटल प्लेटफॉर्म और संवाद का उपयोग कर युवाओं की भागीदारी को व्यापक बनाता है। इससे भौगोलिक सीमाएँ टूटती हैं और देश के दूर-दराज़ क्षेत्रों के युवा भी राष्ट्रीय विमर्श का हिस्सा बनते हैं। डिजिटल सहभागिता पारदर्शिता, पहुँच और गति को बढ़ाती है, जो सुशासन के लिए आवश्यक तत्व हैं। वर्ष 2047 तक डिजिटल इंडिया की परिकल्पना को साकार करने में युवा नेतृत्व की यह भूमिका निर्णायक होगी।

नीति-निर्माण में युवाओं की भागीदारी केवल सुझाव तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि क्रियान्वयन और निगरानी तक विस्तारित होनी चाहिए। वीबीवाईएलडी युवाओं में उत्तरदायित्व की भावना विकसित करता है, जिससे वे केवल आलोचक नहीं, बल्कि समाधानकर्ता बनते हैं। जब युवा किसी नीति के निर्माण में शामिल होते हैं, तो उसके सफल क्रियान्वयन में भी उनकी भागीदारी स्वाभाविक हो जाती है। इससे नीति और समाज के बीच की दूरी कम होती है। आर्थिक विकास के संदर्भ में भी युवा नेता संवाद की भूमिका अहम है। स्टार्टअप, उद्यमिता, नवाचार और आत्मनिर्भर भारत जैसे विषयों पर युवा अपने अनुभव और अपेक्षाएँ साझा करते हैं। इससे रोजगार सृजन, एमएसएमई सशक्तिकरण और नवाचार-आधारित विकास को गति मिलती है। वर्ष 2047 तक भारत को पाँच ट्रिलियन डॉलर से आगे की अर्थव्यवस्था बनाना है, और इसमें युवा उद्यमियों और नेताओं की भूमिका केंद्रीय होगी।

पर्यावरणीय स्थिरता के बिना विकास अधूरा है। युवा स्वाभाविक रूप से पर्यावरण के प्रति अधिक संवेदनशील होते हैं, क्योंकि भविष्य की सबसे बड़ी कीमत उन्हें ही चुकानी है। वीबीवाईएलडी युवाओं को पर्यावरण संरक्षण, नवीकरणीय ऊर्जा, सतत उपभोग और हरित विकास पर नेतृत्व प्रदान करने का अवसर देता है। इससे विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन स्थापित करने में सहायता मिलती है। अंततः विकसित भारत युवा नेता संवाद केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि एक दृष्टिकोण है। यह भारत के युवाओं को सपने देखने, प्रश्न पूछने, समाधान सुझाने और नेतृत्व करने का अधिकार देता है। वर्ष 2047 तक भारत को एक विकसित, समावेशी और सतत राष्ट्र बनाने के लिए यह आवश्यक है कि युवा नीति-निर्माण के केंद्र में हों। वीबीवाईएलडी इस दिशा में एक सशक्त कदम है, जो युवा नेतृत्व को सशक्त कर भारत के भविष्य को सुरक्षित, न्यायपूर्ण और समृद्ध बनाने में निर्णायक भूमिका निभा सकता है।

जीवन प्रक्रिया को सहज-सरल बनायें

जहां जीवन है, वहां उसके निर्वाह की आवश्यकता भी हैं, इसमें कोई संदेह नहीं। यह भी सच है- आवश्यकतापूर्ति के लिए पदार्थ और पदार्थ-प्राप्ति के लिए पैसा या उस जैसा दूसरा कोई भी साधन आवश्यक है। किंतु वहां एक तथ्य समझना और शेष रह जाता है। वह यह है कि मनुष्य जितना कार्य आवश्यकता नहीं करता, उतना वृत्तिवश करता है। प्रत्येक वृत्ति में वासना-पूर्ति की भावना होती है। वे व्यक्ति में कृत्रिम आवश्यकता पैदा करती है। उनसे शुद्ध आवश्यकताओं पर परदा गिर जाता है। मनुष्य नहीं समझ पाता-क्या आवश्यक है और क्या काल्पनिक? शुद्ध आवश्यकतावश व्यक्ति बहुत थोड़ा कार्य करता है। अधिकांश कार्यों के पीछे वृत्ति की ही प्रेरणा होती है। अनगिनत मिठाइयां खायी जाती हैं, उनका हेतु भूख-शांति है या स्वाद-वृत्ति? एक आदमी अपने रहने के लिए दो-चार मकान या महल बना लेता है? यह क्या है? आवश्यकता है कि ऐशो-आराम की वृत्ति? क्या सभी कपड़े आवश्यकता के लिए पहने जाते हैं? करोड़ों की पूंजी क्या आवश्यक होती है? इसी प्रकार एक ओर आमोद-प्रमोद, बोल-चाल जैसे जीवन के साधारण कार्य और दूसरी ओर धन-संग्रह जैसे विशेष कार्य, ये सभी बहुलतया वृत्ति-प्रेरित होते हैं, झूठी भूख या कृत्रिम भूख से आदमी खाता है, उससे वासना पूरी होती है, शरीर नहीं बनता। यही बात कृत्रिम आवश्यकताओं की है। उससे प्रेरित को मनुष्य संग्रह करता है, आनन्द नहीं मिलता। पैसे के प्रति जो अधिक सर्वोपरि आकर्षण है, उसका हेतु कृत्रिम आवश्यकता है। यह भटकाने वाली भूल है। चारित्रिक विकास के लिए इसका परिमार्जन करना होगा, शुद्ध आवश्यकता और कृत्रिम आवश्यकता का विवेक जागृत करना होगा।

आर्थिक बोझ और अनैतिकता : सामाजिक परम्परा जितनी जटिल होती है, अर्थ का बोझ जितना अधिक होता है, उतनी ही कठिनाइयां जीवन में भी आती है। अनैतिकता बढ़ने में लालसा मुख्य कारण है। परिस्थितियों से वह उबल उठती है। परिस्थितियां सामाजिक धारणाओं या मान्यताओं से निर्मित होती हैं। सामाजिक धारणाओं को बदले बिना वे नहीं बदलती। परिस्थितियों के बदले बिना लालसा की उग्रता नहीं मिटती। लालसी की तीव्रता रहते हुए अनैतिकता का अंत नहीं होता। समाज के रीति-रिवाज और परम्पराएं बड़ी खर्चीली होती है। तब ज्यों-ज्यों धन कमाने की बात प्रधान बन जाती है इसलिए अनैतिकता को उखाड़ फेंकने के लिए सामाजिक धारणाओं को बदलना आवश्यक है।

धर्मकर्म

आज का इतिहास

1731 - चार्ल्स फर्नाइस को पीयाकेन्ज़ा का राजा बनाया गया।
1776 - थॉमस पाइन द्वारा कॉमन सेंस, तेरह कॉलोनियों में ब्रिटिश नियम का खंडन करने वाला एक दस्तावेज प्रकाशित किया गया था।
1776 - कॉमन सेंस, थॉमस पाइन द्वारा एक तेरह कॉलोनियों में ब्रिटिश शासन का खंडन करते हुए प्रकाशित किया गया था।
1838 - लंदन का लॉयड की कॉफी हाउस और रॉयल एक्सचेंज आग द्वारा नष्ट हो गया।
1840 - वर्दी पेनी पोस्ट यूनाइटेड किंगडम में शुरू की गई।
1860 - संयुक्त राज्य अमेरिका के लॉरेंस मैसाचुसेट्स में पेम्बर्टन मिल के गिरने से 146 श्रमिक मारे गए।
1863 - पैडिंगटन और फ़ारिंगडन स्ट्रीट के बीच मेट्रोपॉलिटन रेलवे पर सेवा शुरू हुई, जो आज लंदन अंडरग्राउंड का सबसे पुराना खंड है।
1863 - पहला अंडरग्राउंड रेलवे लंदन में खोला गया।
1863 - लंदन में विश्व की पहली भूमिगत रेल सेवा शुरू हुई।
1901 - टेक्सास ऑयल बूम के पहले महान गशर की खोज अमेरिका के टेक्सास के ब्यूमोंट के पास स्पिंडलेटटॉप तेल क्षेत्र में की गई थी।
1901 - सिनसिनाटी शहर में स्थित ग्रैंड ओपेरा हाउस आग लगने से नष्ट हो गया।
1923 - अंतिम अमेरिकी सेना ने राइनलैंड (जर्मनी) छोड़ा।
1927 - साइंस फिक्शन फिल्म मेट्रोपोलिस, जो यूनेस्को की मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड रजिस्टर में अंकित है, जर्मनी में जारी की गई थी।
1941 - ग्रीको-इतालवी युद्धः ग्रीक सेना ने अल्बानिया में रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण क्लिसुरा पास पर कब्जा कर लिया।
1946 - लंदन में संयुक्त राष्ट्र महासभा की पहली बैठक में 51 राष्ट्रों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।
1993 - उत्तरी अटलांटिक में अब तक दर्ज सबसे मजबूत अतिरिक्त चक्रवात ब्रेयर स्टॉर्म अपनी चरम तीव्रता पर पहुँच गया।
1996 - इजरायली सरकार ने सैकड़ों फिलिस्तीनी कैदियों को मुक्त कर दिया।

खुद पर विश्वास रखो

-संजय गोस्वामी-

बेरोजगारी वह स्थिति है जब काम करने की क्षमता रखने वाले व्यक्ति को नौकरी नहीं मिलती। यह एक बड़ी सामाजिक और आर्थिक चुनौती है। इसके प्रमुख कारणों में जनसंख्या वृद्धि, आर्थिक मंदी, तकनीकी बदलाव और कौशल की कमी शामिल हैं। बेरोजगारी से व्यक्ति में मानसिक तनाव, आर्थिक अस्थिरता और सामाजिक अपराध की संभावना बढ़ती है।

जो कि आज के समय में मेन समस्या है, बेरोजगारी केवल इंडिया में ही नहीं, यह पूरी दुनिया की प्रॉब्लम है, लेकिन अगर आप टैलेंटेड हैं तो आपको चिंता करने की ज़रूरत नहीं है। युवाओं का दिमाग नियाग्रा फॉल्स जैसा होता है। पहाड़ की ऊंचाइयों से पानी का एक बड़ा हिस्सा, बिना सोचे-समझे बहता रहता है और आखिर में, बिना किसी मकसद के, समुद्र में अपनी पहचान खो देता है। दूसरी ओर, अगर इसके पानी पर एक डैम बनाया जाए और उसे रेगुलेटेड नहरों में बहाया जाए, तो खेतों की सिंचाई की जा सकती है और अच्छी फसल काटी जा सकती है। जैसा कि स्वामी विवेकानंद कहते हैं कि एकाग्र मन सच में एक सर्चलाइट है। एक सर्चलाइट हमें दूर, अंधेरे कोनों में पड़ी चीज़ों को भी देखने में मदद करती है। हमें यह बात पता चलती है कि लगातार कोशिश करने से एकाग्रता मिलती है। अर्जुन के सवाल का जवाब भी भगवान कृष्ण ने यही दिया था: प्रैक्टिस से परफेक्शन मिलता है। अर्जुन का सवाल क्या था? कृष्ण, मन बहुत चंचल है; यह हमेशा बेचैन रहता है। यह ताकतवर भी है। इसे कंट्रोल में रखना हवा को पकड़ने के बराबर है। तो फिर ऐसे मन को कैसे कंट्रोल में लाया जा सकता है? भगवान कृष्ण जवाब देते हैं – "तुम जो कहते हो, वह सच है, अर्जुन।

यह सच है कि मन बेचैन है, यह सच है कि इसे कंट्रोल में रखना कोई आसान काम नहीं है। लेकिन यह ज़रूरी बात सुनोः यह भी उतना ही सच है कि ऐसे चंचल मन को भी लगातार प्रैक्टिस और वैराग्य के बल पर कंट्रोल में लाया जा सकता है। यहाँ हम इस बारे में बात करेंगे कि स्टूडेंट्स को पढ़ाई पर अपना ध्यान कैसे लगाना चाहिए, क्योंकि यह एडिटोरियल खास तौर पर स्टूडेंट्स के लिए है। जैसे एक योगी को ध्यान करते समय बैठने के लिए एक मज़बूत और मुलायम सीट की ज़रूरत होती है, वैसे ही हर स्टूडेंट के पास एक कुर्सी और एक टेबल होनी चाहिए ताकि वह किताबें फैला सके और आराम से पढ़ाई कर सके। सवाल, 'क्या सर एम विश्वेश्वरैया के पास अपने स्टूडेंट-डे के दौरान एक टेबल और एक कुर्सी थी? क्या वह स्ट्रीट लाइट के नीचे पढ़कर दुनिया भर में मशहूर नहीं हो गए?- यह बात यहाँ नहीं लानी चाहिए। पक्का, स्ट्रीट लाइट के नीचे पढ़ने वाले सभी लोग विश्वेश्वरैया नहीं बन सकते। पढ़ने या लिखने के लिए बैठते समय, किसी को भी बेवजह अपना शरीर नहीं हिलाना चाहिए। बहुत सारे स्टूडेंट पढ़ने के लिए बैठते समय अजीब-अजीब पोज़िशन अपनाते हैं। कुछ दूसरे ऐसे भी होते हैं जो किसी न किसी चीज़ को देखते रहते हैं, जैसे गहरी सोच में डूबे हों और पढ़ते समय पेन या पेंसिल चबाते रहते हैं। ऐसी और भी कई दिखावटी आदतें हैं। ये सभी कॉन्संट्रेशन के लिए नुकसानदायक हैं। यह बताने की ज़रूरत नहीं है कि एक तय समय पर एक ही टॉपिक पढ़ना है। लेकिन, जब कोई टॉपिक चुन लिया जाए, तो कम से कम पूरे एक घंटे तक मन को उसमें डुबोए रखना चाहिए।

सिर्फ़ किताब पढ़ने का मतलब यह नहीं है कि आपने उसकी पढ़ाई कर ली है। सिर्फ़ किताब पढ़ने और उसकी पढ़ाई करने में फ़र्क पता होना चाहिए। लेकिन कॉन्संट्रेशन एक ऐसी चीज़ है जो पढ़ने और पढ़ाई करने दोनों में कॉमन है। किताब को ऊपर-ऊपर से पढ़ना पढ़ने वाले को इसका सिनॉप्सिस पता चल सकता है। लेकिन अच्छी तरह से पढ़ने से मन किताब के कंटेंट की गहराई में उतर पाएगा और अक्सर छिपे हुए उनके असली महत्व को समझ पाएगा। इससे सब्जेक्ट मैटर पर अच्छी पकड़ बनेगी और आगे पढ़ने में भी मदद मिलेगी। एक बार स्टडी टेबल पर पढ़ाई के लिए टॉपिक लेकर बैठने के बाद, यह सबसे ज़रूरी है कि जैसा कि ऊपर बताया गया है, पढ़ाई पूरे एक घंटे तक जारी रहे। आमतौर पर मन किसी नए सब्जेक्ट को तुरंत समझने के लिए तैयार नहीं होगा। दिन भर में हम जो अलग-अलग काम करते थे, अपने दोस्तों और दूसरों के साथ जो बातें करते थे या जो विचार इस पढ़ाई को शुरू करने से ठीक पहले हमारे मन में थे, वे अभी भी हमारे अंदर एक्टिव रहेंगे।

इसलिए, इस पढ़ाई के लिए मन को तैयार होने में कम से कम 8 से 10 मिनट लग सकते हैं। अगर मन जब सब्जेक्ट मैटर की गहराई में जा रहा हो, तभी अचानक पढ़ाई रोक दी जाए, तो कंसंट्रेशन खत्म हो जाएगा और पढ़ाई खराब हो जाएगी। इसलिए, कुछ मिनटों के बाद जब मन फोकस हो जाए, तो उस मौके का इस्तेमाल और गहराई से पढ़ने और गहरी पढ़ाई करने के लिए करना चाहिए। इस दौरान, परिवार का कोई सदस्य हो सकता है किसी दूसरे काम पर जाने के लिए कॉल करें। इसलिए घर के लोगों को पहले ही बता देना चाहिए, 'प्लीज़ मुझे एक घंटे तक कॉल न करें, क्योंकि तब पढ़ाई पूरे ध्यान से नहीं हो पाएगी। फिर नॉइज़ पॉल्यूशन की समस्या है। शहरों में, खासकर राजधानियों में रहने वाले स्टूडेंट्स को नॉइज़ पॉल्यूशन की बुराइयों का सामना करना पड़ता है। कोई इस परेशानी के साथ कितनी भी कोशिश कर ले, जब लाउडस्पीकरजैसे ही शोर शुरू होता है, पढ़ाई में जल्द ही खलल पड़ता है। जब त्योहारों का जश्न चल रहा होता है, तो कई दिनों तक कानों में सबसे खराब आवाज़ें गूंजती रहती हैं। वैसे भी, नॉइज़ पॉल्यूशन से बचने का एक तरीका है-स्टूडेंट्स को पढ़ाई में अच्छा करने की गहरी इच्छा पैदा करनी चाहिए। अगर मन में यह चाहत है, तो बाहरी शोर शायद ही सुनाई देगा। उदाहरण के लिए, जब कोई चिंता हमारे मन पर हावी हो जाती है, तो भले ही हमारे बगल में कोई ढोल बज रहा हो, हमें पता नहीं चलेगा। यह चाहत या इच्छा तब और बढ़ जाती है जब एग्जाम पास आते हैं। लेकिन अगर हम एग्जाम में अच्छा करने का पक्का इरादा रखते हैं, भले ही एग्जाम बहुत दूर हों, तो हम पढ़ाई में एक तरह का कॉन्संट्रेशन बना सकते हैं।

पढ़ाई में कॉन्संट्रेशन पाने का एक और तरीका है – पढ़े जा रहे सब्जेक्ट पर अच्छा ध्यान देना। इस अलर्टनेस को अवधान कहते हैं। इसका मतलब है मन को जागा हुआ और चौकन्ना रखना। ज़्यादातर स्टूडेंट्स ध्यान से पढ़ाई नहीं कर पाते क्योंकि उनका मन एक तरह के सपनों में डूबा रहता है या बिना किसी मकसद के भटकता रहता है। सिर्फ़ वही जिसका मन जागा हुआ होता है, कॉन्संट्रेशन पा पाता है। इसे पढ़कर, यह सवाल उठ सकता है- 'तो फिर मन को जागा कैसे रखा जा सकता है?' यहाँ कुछ काम के सुझाव दिए गए हैं। कुछ खास तरह के खाने से नींद बढ़ती है। ऐसे खाने से बचना चाहिए। जब शरीर के अलग-अलग अंग साफ़ रहेंगे तो मन एनर्जेटिक रहेगा; इसके अलावा, सभी पर्सनल चीज़ें, जिसमें बिस्तर के कपड़े और रोज़ पहनने वाले कपड़े शामिल हैं, साफ़-सुथरी होनी चाहिए।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आदित्य वशिष्ठ द्वारा सांई प्रिंटिंग प्रेस, बी-42 सेक्टर-7 नोएडा (गौतमबुद्ध नगर) उत्तर प्रदेश-201301 से मुद्रित व बी-142/2, ईस्ट ऑफ कैलाश, नई दिल्ली-110065 से प्रकाशित।
संपादकीय एवं संपर्क कार्यालय ए-152 सेक्टर-63, नोएडा-201301 **संपादक - आदित्य वशिष्ठ** कानूनी सलाहकार-पवित्र मोहन शर्मा आर.एन.आई. DELHIN/2012/42452
इस अंक में प्रकाशित सभी समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी होंगे। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन होंगे। e-mail: Jbttimes2021@gmail. Com

स्कूलों को समाज से जोड़ना होगा: शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान

नई दिल्ली। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा है कि शिक्षा व्यवस्था को मजबूत और परिणामोन्मुखी बनाने के लिए एक बार फिर स्कूलों को समाज से जोड़ना होगा। उन्होंने कहा कि व्यवस्था और शिक्षकों का वेतन सरकार की जिम्मेदारी है लेकिन स्कूलों के संचालन और समग्र विकास में समाज की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है।

प्रधान ने यह बात शुक्रवार को 'समग्र शिक्षा' को नए सिरे से परिकल्पित करने पर आयोजित परामर्श बैठक को संबोधित करते हुए कही। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के क्रियान्वयन के पांच वर्ष पूरे होने के बाद वर्ष 2026-27 में देश 'समग्र शिक्षा' के एक नए प्रारूप की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के लक्ष्य के अनुरूप शिक्षा व्यवस्था और मानव संसाधन तैयार करना आज सबसे बड़ी चुनौती है। भारत की बड़ी आबादी समग्र शिक्षा से अपेक्षाएं रखती है और शिक्षा के माध्यम से न्यायपूर्ण समाज के निर्माण के लिए राज्यों के पास अपने-अपने अनुभव और श्रेष्ठ प्रथाएं मौजूद हैं।

धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि सीखने के परिणाम (लर्निंग आउटकम) और पोषण परिणामों में सुधार, परीक्षा के बोझ को कम करना, शिक्षा को सहज बनाना, कक्षा 12 तक शत-प्रतिशत नामांकन सुनिश्चित करना, स्कूलों का समग्र विकास, तकनीक और डिजिटलीकरण जैसे अनेक घटकों के सार्थक रूपांतरण के लिए समाज की भूमिका को फिर सशक्त करना होगा।

उन्होंने कहा कि जब हम समग्र शिक्षा के नए प्रारूप की ओर बढ़ रहे हैं, तो यह भी सोचना होगा कि सरकार और समाज मिलकर इसकी जिम्मेदारी कैसे निभाएं। शिक्षा मंत्री ने स्पष्ट किया कि यह एक सामूहिक प्रयास होना चाहिए, जिसे राष्ट्रीय आंदोलन का रूप दिया जाए।

बैठक में उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2047 तक विकसित भारत का जो विजन रखा है, वह तभी साकार होगा जब देश के हर बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिले और कक्षा 12 तक शत-प्रतिशत नामांकन हासिल किया जाए। उन्होंने सीखने की खाइयों को कम करने, ड्रॉपआउट घटाने, शिक्षकों की क्षमता निर्माण, बच्चों में रचनात्मक दृष्टिकोण और महत्वपूर्ण कौशल विकसित करने तथा 'अमृत पीढ़ी' को मैकाले मानसिकता से बाहर निकालने पर जोर दिया। केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने कहा कि अब समग्र शिक्षा को केवल पहुंच आधारित योजना से आगे बढ़ाकर एक परिणाम-आधारित, गुणवत्ता-केंद्रित ढांचे में बदलने की जरूरत है, जो राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के उद्देश्यों के अनुरूप हो।

उन्होंने सभी शैक्षणिक विशेषज्ञों, मंत्रालयों के वरिष्ठ अधिकारियों और भागीदार राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों से 2026-27 के लिए एक समग्र वार्षिक शैक्षणिक योजना तैयार करने का आह्वान किया।

ईडी के छापे पर ममता बनर्जी को इतनी घबराहट क्यों: भाजपा

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की छापेमारी के विरोध में तृणमूल कांग्रेस के प्रदर्शन पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने निशाना साधा है। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं सांसद रविशंकर प्रसाद ने कहा कि ममता बनर्जी बंगाल में कोई जांच नहीं होने देती हैं। उन्हें इतनी घबराहट क्यों हैं। उन्होंने ममता पर ईडी के अधिकारियों को धमकाने का भी आरोप लगाया।

भाजपा मुख्यालय में शुक्रवार को पत्रकार वार्ता में रविशंकर प्रसाद ने कहा कि आजाद भारत के पश्चिम बंगाल में जो हुआ, वो आज तक नहीं हुआ। एक प्राइवेट प्रॉपर्टी में, जहां ईडी द्वारा मनी लॉन्ड्रिंग पर कार्रवाई चल रही थी, वहां एक मौजूदा मुख्यमंत्री चली जाएं और ईडी के लोगों को धमकाएं और पेपर छीनकर चली जाएं। उन्होंने कहा कि कोयले की स्मगलिंग और हवाला ट्रांजैक्शन को लेकर ईडी कार्रवाई कर रही है, जिसके तहत कई जगह रेड हुई। प्रतीक जैन की कंसल्टेंसी फर्म को लेकर शिकायत आई कि यहां से करोड़ों रुपये का ट्रांजैक्शन हुआ है। ये हम नहीं कह रहे हैं, ईडी ने अपने आधिकारिक बयान में कहा है, जो उनकी वेबसाइट पर मौजूद है। उन्होंने कहा कि बंगाल कोयले की स्मगलिंग का एक बहुत बड़ा हॉट स्पॉट है, जिसमें सत्ताधारी दल के लोग भी शामिल हैं।

ये रेड न तो बनर्जी के घर पर थी, न उनके दफ्तर में, न ही टीएमसी के दफ्तर में और न ही टीएमसी के किसी नेता या मंत्री के घर पर थी। ये रेड एक प्राइवेट कंसल्टेंसी फर्म पर थी, जिसके यहां करोड़ों रुपये की मनी लॉन्ड्रिंग की शिकायत आई थी। ऐसे में मुख्यमंत्री बनर्जी जाती हैं, उनके पुलिस अधिकारी जाते हैं, ईडी के लोगों को धमकाते हैं, ममता बनर्जी उनसे बहस करती हैं और पेपर छीन कर चली जाती हैं। रविशंकर प्रसाद ने कहा कि उनका आचरण न केवल अमर्यादित, असंवैधानिक और शर्मनाक है, बल्कि उन्होंने इससे संवैधानिक मर्यादाओं को भी तार-तार किया है। ममता जी, आपको इतनी घबराहट क्यों है? ममता बनर्जी वरिष्ठ नेता हैं, 14 साल से मुख्यमंत्री हैं, केंद्रीय मंत्री भी रह चुकी हैं और गर्वनेंस समझती हैं। उन्होंने कहा कि अगर उन्होंने सारे नियमों, कानूनों और लोकतांत्रिक मर्यादाओं को तार-तार करके वहां जाना जरूरी समझा, तो वहां कुछ ऐसा संदिग्ध था जिसे निकालना आवश्यक था।

अमित शाह ने एनएसजी के राष्ट्रीय आईईडी डेटा मंच की शुरुआत की

गुरुग्राम/नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) द्वारा निर्मित राष्ट्रीय आईईडी डेटा प्रबंधन मंच का उद्घाटन किया। केंद्रीय मंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए एक लिंक के माध्यम से इस मंच का उद्घाटन किया। यह मंच मानेसर स्थित राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) छावनी में स्थित है।

यह मंच देशभर से एकत्रित किए गए तात्कालिक विस्फोटक उपकरणों (आईईडी) के डेटा को इकट्ठा करेगा और उनका विश्लेषण करेगा और इसे सुरक्षा एजेंसियों के साथ साझा करेगा। एआई-सक्षम डेटाबेस विभिन्न बम विस्फोटों की घटनाओं के बीच 'विशेष संबंध' स्थापित करने में सक्षम होगा। यह महत्वाकांक्षी परियोजना आतंकवाद रोधी कमांडो बल 'एनएसजी' के राष्ट्रीय बम डेटा केंद्र (एनबीडीसी) का हिस्सा है, जो देश में हुए सभी प्रकार के बम विस्फोटों का विश्लेषण करता है, साथ ही वैश्विक स्तर पर हुए बड़े विस्फोटों का भी विश्लेषण करता है।

जलवायु कार्रवाई भारत के विकास के लिए रणनीतिक अवसर: उपराष्ट्रपति

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन ने कहा कि जलवायु कार्रवाई भारत के विकास के लिए कोई बाधा नहीं बल्कि समावेशी विकास को गति देने, ऊर्जा सुरक्षा मजबूत करने और भविष्य के लिए तैयार अर्थव्यवस्था के निर्माण का एक रणनीतिक अवसर है।

उपराष्ट्रपति ने यह बात शुक्रवार को यहां आयोजित भारत क्लाइमेट फोरम 2026 के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कही। उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन ने काउंसिल फॉर इंटरनेशनल इकोनॉमिक अंडरस्टैंडिंग की सराहना करते हुए कहा कि इस मंच को गंभीर चिंतन और सार्थक कार्रवाई के लिए एक राष्ट्रीय मंच के रूप में विकसित किया गया है। उन्होंने कहा कि जलवायु और सततता से जुड़ा भारत का दृष्टिकोण उसकी सभ्यतागत चेतना में गहराई से निहित है। आधुनिक समय में जलवायु परिवर्तन चर्चा का विषय बनने से बहुत पहले ही भारतीय परंपराओं में मानव और प्रकृति के बीच संतुलन पर जोर दिया गया था, जो पारंपरिक जल संरक्षण प्रणालियों, सतत कृषि पद्धतियों, जैव विविधता संरक्षण और प्रकृति तथा अपरिग्रह जैसे नैतिक सिद्धांतों में परिलक्षित होता है।

पिछले एक दशक की विकास यात्रा का उल्लेख करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि भारत ने विकास और समावेशन, वर्तमान आवश्यकताओं और भविष्य की जिम्मेदारियों के बीच संतुलन साधने का निरंतर प्रयास किया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत ने एक विकासशील राष्ट्र के रूप में जलवायु जिम्मेदारी को देखने और निभाने के तरीके को नए सिरे से परिभाषित किया है।

उपराष्ट्रपति ने कॉप-26 में घोषित भारत की 'पंचामृत' प्रतिबद्धताओं का उल्लेख करते हुए कहा कि ये लक्ष्य साल 2070 तक नेट-जीरो उत्सर्जन हासिल करने सहित कम-कार्बन भविष्य की स्पष्ट रूपरेखा प्रस्तुत करते हैं। साथ ही भारत की विकास प्राथमिकताओं और आने वाली पीढ़ियों के प्रति दायित्व को भी रेखांकित करते हैं। स्वदेशी स्वच्छ प्रौद्योगिकियों के महत्व पर बल देते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि विकसित भारत का निर्माण केवल आयातित तकनीकों या कमजोर आपूर्ति श्रृंखलाओं के सहारे संभव नहीं है। इसके लिए घरेलू स्वच्छ प्रौद्योगिकियों, मजबूत विनिर्माण क्षमता और भविष्य के लिए तैयार कार्यबल की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि भारत नवीकरणीय ऊर्जा, ऊर्जा भंडारण, ग्रीन हाइड्रोजन, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी, सतत सामग्री, जलवायु-स्मार्ट कृषि और डिजिटल जलवायु समाधानों जैसे क्षेत्रों में वैश्विक निर्माता के रूप में उभर रहा है, जिससे 'मेक इन इंडिया' को 'मेक इन इंडिया फॉर द वर्ल्ड' का रूप मिल रहा है।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि भारतीय कंपनियां सोलर मॉड्यूल, बैटरी निर्माण, इलेक्ट्रिक वाहन घटकों, इलेक्ट्रोलाइजर और ग्रीन फ्यूल्स में बड़े निवेश कर रही हैं, जबकि स्टार्टअप्स जलवायु डेटा, ऊर्जा दक्षता और अपशिष्ट प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में नवाचार को आगे बढ़ा रहे हैं।

केरल में नई व्यवस्था की तैयारी, स्कूल के बस्ते का बोझ कम करने का प्रस्ताव

तिरुवनंतपुरम। अगर केरल सरकार की योजना कामयाब हुई तो राज्य में भारी भरकम स्कूल बैग ढोते छात्र और पढ़ाई में कम रुचि लेने वाले बच्चों से जुड़ी 'बैकबेंचर्स' की धारणा बीते दिनों की बात हो जाएगी। शिक्षा मंत्री वी. शिवनकुट्टी ने एक बयान में कहा कि स्कूल के बस्ते का बोझ कम करने और 'बैकबेंचर्स' से मुक्त कक्षाएं बनाने के प्रस्ताव वाली मसौदा रिपोर्ट को राज्य पाठ्यक्रम संचालन समिति ने मंजूरी दे दी है।

उन्होंने बताया कि इन प्रस्तावों का उद्देश्य बच्चों का बेहतर शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य सुनिश्चित करना है। इसके तहत स्कूल के बस्ते का वजन कम किया जाएगा और कक्षाओं के "लोकतांत्रिकरण" के तहत ऐसा माहौल बनाया जाएगा जिसमें कोई 'बैकबेंचर्स' नहीं होगा। मंत्री ने बताया कि राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एससीईआरटी) को इन प्रस्तावों का विस्तृत अध्ययन करने की जिम्मेदारी सौंपी गई थी और परिषद द्वारा तैयार मसौदा रिपोर्ट को समिति ने मंजूरी दी है। शिवनकुट्टी ने कहा कि शिक्षा में समाज की व्यापक भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए मसौदा रिपोर्ट पर जनता की राय मांगने का निर्णय लिया गया है।

उन्होंने बताया कि रिपोर्ट एससीईआरटी की वेबसाइट पर उपलब्ध कराई जाएगी और शिक्षक, अभिभावक, छात्र तथा आम नागरिक 20 जनवरी तक अपने सुझाव और आपत्तियां दर्ज करा सकेंगे। मंत्री ने कहा कि सामान्य शिक्षा विभाग का लक्ष्य है कि जनता से प्राप्त सुझावों को ध्यान में रखते हुए आगामी शैक्षणिक वर्ष से स्कूलों में इन बदलावों को लागू किया जाए। उन्होंने कहा कि इन उपायों से स्कूल बच्चों के लिहाज से अधिक अनुकूल और समावेशी बनेंगे।

नौसेना प्रमुख ने समुद्र में जाकर पूर्वी बेड़े की ऑपरेशनल तैयारियों को देखा

नई दिल्ली। नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी ने पूर्वी कमान में ऑपरेशनल तैयारियों की समीक्षा समुद्र में जाकर की। उन्होंने खतरों वाले माहौल में किये गए कई उन्नत परिचालन अभ्यास देखने के बाद इस तरह की तैयारियों और व्यावसायिकता को भारत के राष्ट्रीय समुद्री हितों की सुरक्षा के लिए जरूरी बताया। उन्हें प्लेटफॉर्म्स और ऑपरेशनल तैयारियों के बारे में विस्तार से बताया गया, जिसमें पूर्वी बेड़े की समुद्री ऑपरेशन्स के पूरे स्पेक्ट्रम में असरदार तरीके से काम करने की क्षमता पर जोर दिया गया।

नौसेना प्रमुख ने बेड़े का युद्धाभ्यास, हथियार फायरिंग और उड़ान संचालन देखने के बाद नौसैनिकों को संबोधित करते हुए लगातार उच्च परिचालन गति बनाए रखने के लिए पूर्वी नौसेना कमान को सराहा। उन्होंने लड़ाई के लिए तैयार प्लेटफॉर्म्स को बनाए रखने, ऑर्डनेंस डिलीवरी में सटीकता हासिल करने और मुश्किल ऑपरेशनल हालातों में मिशन को असरदार बनाने पर उनके फोकस की तारीफ की। एडमिरल त्रिपाठी ने पूरी तरह से नेटवर्क वाले ऑपरेशनल माहौल में आधुनिक हथियारों, सेंसर और बिना क्रू वाले सिस्टम के सबसे अच्छे इस्तेमाल की अहम भूमिका पर जोर दिया। भारतीय नौसेना के उसूलों को दोहराते हुए नौसेना प्रमुख ने कहा कि कभी भी, कहीं भी, किसी भी तरह ऑपरेशनल तैयारी और व्यावसायिकता भारत के राष्ट्रीय समुद्री हितों की सुरक्षा के लिए जरूरी है। ऑपरेशनल तैयारियों में समुद्री सुरक्षा के लिए युद्धपोत, पनडुब्बियां और हवाई संपत्तियां का उच्च स्तरीय निरीक्षण, हथियारों से फायरिंग, पनडुब्बी रोधी अभ्यास और उभयचर ऑपरेशन जैसी ड्रिल शामिल रहीं।

बहुआयामी समीक्षा में सतह, उप-सतह (पनडुब्बी रोधी), वायु और वायु-रोधी अभियान को भी शामिल किया गया। समीक्षा में इंडो-पैसिफिक क्षेत्र के लिए तैयारी पर जोर दिया गया।

टीएमसी सांसदों ने आई-पैक पर छापेमारी के विरोध में गृह मंत्रालय कार्यालय के बाहर प्रदर्शन किया

नई दिल्ली। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के सांसदों ने केंद्र सरकार द्वारा जांच एजेंसियों के कथित दुरुपयोग के खिलाफ शुक्रवार को यहां गृह मंत्रालय के कार्यालय के बाहर प्रदर्शन किया, जिसके बाद दिल्ली पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया।

टीएमसी नेताओं ने दावा किया कि उन्हें जबरन उस स्थान से हटा दिया गया जहां वे प्रदर्शन कर रहे थे। यह प्रदर्शन प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा राजनीतिक परामर्श फर्म आई-पैक के कार्यालय और उसके प्रमुख के आवास पर छापेमारी करने के एक दिन बाद किया गया। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि टीएमसी सांसद डेरेक ओ'ब्रायन और महुआ मोइत्रा के साथ पार्टी के अन्य नेताओं को हिरासत में लेकर संसद मार्ग पुलिस थाने ले जाया गया। अधिकारी ने कहा कि उन्हें जल्द ही रिहा कर दिया जायेगा। अधिकारी ने यह भी कहा कि निषेधाज्ञा और सुरक्षा चिंताओं के कारण गृह मंत्रालय के कार्यालय के बाहर प्रदर्शन की

अनुमति नहीं है। तख्तियां लिए और ईडी के दुरुपयोग का आरोप लगाते हुए टीएमसी के आठ सांसदों ने कर्तव्य भवन में प्रवेश करने की कोशिश की।

गृह मंत्रालय का कार्यालय अब कर्तव्य भवन में है। अधिकारी ने बताया कि सांसदों को भवन में प्रवेश करने से रोक दिया गया, जिसके बाद उन्होंने गेट पर प्रदर्शन किया। उन्होंने बताया कि बाद में दिल्ली पुलिस ने उन्हें जबरन प्रदर्शन स्थल से हटा दिया।

प्रदर्शन में हिस्सा लेने वालों में पार्टी सांसद ओ'ब्रायन, शताब्दी रॉय, महुआ मोइत्रा, बापी हलदर, साकेत गोखले, प्रतिमा मंडल, कीर्ति आजाद और शर्मिला सरकार शामिल थे। टीएमसी नेताओं ने दिल्ली पुलिस द्वारा सांसदों को जबरन प्रदर्शन वाले स्थल से हटाए जाने की तस्वीरें साझा कीं और केंद्र सरकार की कड़ी आलोचना की। टीएमसी ने आरोप लगाया कि अमित शाह, यह किस तरह का अहंकार है? क्या अब आप लोकतंत्र को कुचलने के लिए चुने हुए प्रतिनिधियों पर हमला करने के लिए दिल्ली पुलिस का इस्तेमाल कर रहे हैं? क्या आपके भारत में असहमति को इसी तरह दबाया जाता है? टीएमसी ने कहा कि माना कि आप घबराए हुए हैं!

पहले, ईडी का बेशर्मी से दुरुपयोग। अब, हमारे आठ सांसदों के शांतिपूर्ण धरने पर हमला। यह हताशा आपके डर को उजागर करती है। आप लोकतंत्र का गला घोंटने की कोशिश कर सकते हैं, लेकिन बंगाल डरने वाला नहीं है। आप पर और आपकी पुलिस पर शर्म आती है! पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बृहस्पतिवार को ईडी पर आई-पैक प्रमुख प्रतीक जैन के आवास और कोलकाता स्थित तृणमूल कांग्रेस के कार्यालय में तलाशी के दौरान संगठन के आंतरिक डाटा और चुनाव रणनीति को जब्त करने का प्रयास करने का आरोप लगाया था।

बनर्जी ने इन छापों को 'बदले की राजनीति' करार दिया था और विपक्षी दलों को डराने के लिए केंद्रीय एजेंसियों के दुरुपयोग का आरोप लगाया था।

जयपुर में सेना दिवस परेड की पहली फुल ड्रेस रिहर्सल आधुनिक हथियारों और स्वदेशी डॉग्स ने खींचा ध्यान

जयपुर। जयपुर में पहली बार आर्मी एरिया से बाहर आयोजित हो रही सेना दिवस परेड को लेकर शुक्रवार को पहली फुल ड्रेस रिहर्सल आयोजित की गई। जगतपुरा स्थित महल रोड पर हुई रिहर्सल से पहले सेना के बैंड ने आकर्षक परफॉर्मेंस दी, जबकि रिहर्सल के दौरान भारतीय सेना की विभिन्न शक्तियों, आधुनिक तकनीक और स्वदेशी क्षमताओं का प्रदर्शन किया गया।

रिहर्सल की शुरुआत गैलेंट्री अवॉर्ड से सम्मानित अधिकारियों द्वारा परेड कमांडर को सलामी देने के साथ हुई। अशोक चक्र, परमवीर चक्र और महावीर चक्र से सम्मानित अधिकारियों ने परेड का नेतृत्व किया। इसके पश्चात आर्मी बैंड और घुड़सवार टुकड़ी कदमताल करते हुए आगे बढ़ी। फुल ड्रेस रिहर्सल में सेना की आधुनिक मिसाइलें, मशीनगन, हथियार, टैंक और सैन्य वाहन प्रदर्शित किए गए। ऑपरेशन सिंदूर की झांकी में रोबोटिक डॉग्स और ब्रह्मोस

मिसाइल का प्रदर्शन किया गया, जिसने दर्शकों का विशेष ध्यान आकर्षित किया। रिहर्सल के दौरान भारतीय सेना में शामिल स्वदेशी नस्लों के डॉग्स मुधोल हाउंड, रामपुर हाउंड, चिप्पिपराई, कोम्बई और राजपालयम ने परेड अभ्यास किया। चश्मा लगाए मुधोल हाउंड डॉग्स खास आकर्षण रहे, जिन्हें उनकी चुस्ती, फुर्ती और आक्रामकता के लिए जाना जाता है। यह प्रदर्शन सेना में स्वदेशी प्रतिभा और विविधता को दर्शाता है। तेज सर्दी के बावजूद बड़ी संख्या में लोग फुल ड्रेस रिहर्सल देखने पहुंचे। रजिस्ट्रेशन कराने वाले दर्शकों के लिए सुबह 8:45 बजे तक पहुंचने का समय निर्धारित किया गया था। सुरक्षा कारणों से रिहर्सल शुरू होने के बाद किसी को भी बीच में प्रवेश या कार्यक्रम समाप्त होने से पहले स्थान छोड़ने की अनुमति नहीं दी गई। रिहर्सल में मद्रास रेजिमेंट के जवानों ने शानदार फ्लैग मार्च किया। इस टुकड़ी में एक अधिकारी, दो जूनियर कमीशंड ऑफिसर (जेसीओ) और 144 जवान शामिल थे। वहीं अरुणाचल साउथ के जवानों द्वारा किए गए फ्लैग मार्च ने भी दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

निकाय चुनाव : नवी मुंबई में 16 लाख रुपये नकद जब्त

ठाणे। नवी मुंबई महानगरपालिका (एनएमएमसी) की आदर्श आचार संहिता (एमसीसी) प्रवर्तन टीम ने शुक्रवार को 16.16 लाख रुपये नकद जब्त किए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। महाराष्ट्र में नवी मुंबई समेत 29 नगर निकायों के चुनाव 15 जनवरी को होंगे।

यहां एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया है कि एनएमएमसी ने आचार संहिता को लागू करने के लिए शहर के प्रवेश बिंदुओं और नौ प्रमुख स्थानों पर 27 निगरानी दल तैनात किए हैं। विज्ञप्ति में कहा गया कि दोपहर 12 बजकर 30 मिनट पर एपीएमसी बाजार के पास एक जांच चौकी पर एक कार को रोका गया और उसमें नकदी पाई गई। निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुसार आगे की कार्रवाई की जा रही है।

जी राम जी अधिनियम के केंद्र में गांव- गरीब और किसान, विपक्षी फैला रहे हैं भ्रम : स्वतंत्र देव सिंह

प्रयागराज। विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण)' यानी 'वीबी- जी राम जी' का उद्देश्य ग्रामीण रोजगार को केवल कल्याण योजना के रूप में नहीं, बल्कि विकास से जुड़ी गारंटी के रूप में स्थापित करना है, ताकि यह विकसित भारत 2047 के दृष्टिकोण के अनुरूप हो। कांग्रेस और विपक्षी विरोध करने के साथ जनता में भ्रम फैला रहें हैं। यह बात प्रयागराज स्थित शहीद चन्द्रशेखर आजाद सर्किट हाउस में मीडिया से वार्ता करते हुए शुक्रवार को प्रभारी मंत्री, प्रयागराज एवं जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने कही। उन्होंने कहा कि यह अधिनियम ग्रामीण रोजगार को आधुनिक बनाने का लक्ष्य रखता है और मनरेगा की पुरानी कमजोरियों को दूर करने के लिए तकनीक आधारित पारदर्शिता, मजबूत जवाबदेही, और स्थायी संसाधनों व दीर्घकालीन ग्रामीण उत्पादन पर विशेष ध्यान देने की व्यवस्था करता है।

जल शक्ति मंत्री ने कहा प्रत्येक ग्रामीण परिवार को मिलने वाला निश्चित रोजगार 100 दिनों से बढ़ाकर 125 दिन किया गया है। यानि 25 प्रतिशत की वृद्धि तथा खेतीहर कार्यों के लिए 60 दिन काम के लिए आरक्षित किए गए हैं। इस तरह 185 दिनों की काम की गारंटी देता है। जो एक कानूनी रूप से तय मानक अधिकार बन गया है। अनुमन्य कार्यों की सूची में 260 से अधिक बिखरे हुए कार्यों को अब केवल चार मुख्य क्षेत्रों में बांटा गया है। जल सुरक्षा, ग्रामीण अवसंरचना,, आजीविका सम्पत्ति और जलवायु संरक्षण । किसानों के हितों की सुरक्षा की गई है, जिसमें फसल बोने और कटाने के प्रमुख मौसमों यानि कुल 60 दिन के दौरान अन्य विकसित भारत जी राम जी के कार्यों को रोका गया है। इस तरह बेरोजगारी भत्ता अब एक स्पष्ट और समयबद्ध अधिकार के रूप में तय किया गया है। मंत्री ने कहा कि भ्रष्टाचार मुक्त करने के लिए एआई आधारित धोखाधड़ी की पहचान जीपीएस, मोबाइल ट्रैकिंग साप्ताहिक, सार्वजनिक डेटा प्रकाशन, अनिवार्य दो बार, सालाना सामाजिक आडिट और लगातार निगरानी और सुधार सुनिश्चित करने के लिए केन्द्रीय एवं राज्य स्तर पर स्टेयरिंग कमेटियां गठित की गई है। मनरेगा में किए जा रहे सुधार को लेकर सरकार कर रही है।

लेकिन कांग्रेस पार्टी एवं विपक्षी जनता के बीच भ्रम फैला रहे हैं। कांग्रेस के शासन में परिवार वाद नहीं दिखाई दिया जब सभी योजनाएं, अस्पताल का नाम एक ही परिवार के सदस्यों के नाम रही हैं। नेताजी सुभाष चन्द्र बोस, चन्द्रशेखर आजाद, सरदार पटेल, लाल बहादुर शास्त्री सहित देश की अन्य विभूतियों को किनारे किया गया। लेकिन देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सबका साथ सबका विकास की नीति को लगातार आगे बढ़ाने का का कर रहे हैं।

21 साल बाद हत्या के दो आरोपियों को साक्ष्यों के अभाव में अदालत ने किया बरी

मुजफ्फरनगर। मुजफ्फरनगर की एक त्वरित अदालत ने शुक्रवार को एक व्यक्ति की हत्या के 21 साल बाद इस मामले में दो आरोपियों को साक्ष्यों के अभाव में बरी कर दिया। एक अधिवक्ता ने यह जानकारी दी।

बचाव पक्ष के अधिवक्ता अनिल जिंदल ने बताया कि त्वरित अदालत के न्यायाधीश कमला पति ने राजीव और जितेंद्र को यह देखते हुए बरी किया कि अभियोजन पक्ष आरोपों को संदेह से परे साबित करने में विफल रहा। शासकीय अधिवक्ता अरुण शर्मा ने भी इसकी पुष्टि की। जिंदल ने बताया कि मुकदमे की सुनवाई के दौरान शिकायतकर्ता और एक आरोपी शोभा राम का निधन हो गया। अभियोजन पक्ष के अनुसार सुशील की 15 दिसंबर, 2004 को कथित तौर पर पुरानी दुश्मनी के चलते गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। वह जिले में भोरा कलां थानाक्षेत्र के भोरा खुर्द गांव में अपने घर लौट रहा था।

सुशील की मां की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया और पुलिस ने विवेचना पूरी कर आरोप पत्र दाखिल किया, जिसके बाद आरोपियों पर मुकदमा चलाया गया। हालांकि अदालत ने साक्ष्यों के अभाव में आरोपियों को बरी कर दिया।

अवैध कॉलोनियों पर चला बुलडोजर, 60 बीघा में फैले निर्माण ध्वस्त

बरेली। बरेली विकास प्राधिकरण (बीडीए) ने शुक्रवार को थाना सीबीगंज क्षेत्र के ग्राम भगवन्तापुरा में अवैध कॉलोनियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की। बिना मानचित्र स्वीकृति के की जा रही प्लॉटिंग और निर्माण कार्य को ध्वस्त कर दिया गया। कार्रवाई से क्षेत्र में अवैध कॉलोनाइजरों में हड़कंप मच गया। बीडीए उपाध्यक्ष मनिकंदन ए ने बताया कि आफाक उर्फ मन्नी भाई ने करीब 40 बीघा क्षेत्र में बिना बीडीए की अनुमति के भूखंडों का चिन्हांकन, बाउंड्रीवाल और अन्य विकास कार्य कर अवैध कॉलोनी विकसित की जा रही थी। वहीं, मुस्तफाक अहमद लगभग 20 बीघा भूमि पर इसी तरह अवैध प्लॉटिंग और निर्माण करा रहा था। दोनों ही मामलों में विकास प्राधिकरण से कोई स्वीकृति नहीं ली गई थी।

विधायक विजय सिंह गोंड का अंतिम संस्कार किया गया

सोनभद्र। अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित दुद्धी विधानसभा क्षेत्र से समाजवादी पार्टी (सपा) के विधायक और वरिष्ठ आदिवासी नेता विजय सिंह गोंड का शुक्रवार को पारंपरिक गोंड आदिवासी रीति-रिवाजों के अनुसार अंतिम संस्कार किया गया। गोंड (71) का बृहस्पतिवार लखनऊ के 'संजय गांधी पोस्टग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज' में गुर्दे की बीमारी के कारण निधन हो गया था। उनका पार्थिव शरीर बृहस्पतिवार देर रात दुद्धी स्थित उनके आवास पर लाया गया जहां बड़ी संख्या में लोग उन्हें अंतिम श्रद्धांजलि देने के लिए जमा हुए।

शुक्रवार को, पार्थिव शरीर को सार्वजनिक दर्शन के लिए उनके आवास पर रखा गया, जहां भारी भीड़ उमड़ी। जिला मजिस्ट्रेट बी एन सिंह, पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा और कई अन्य वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों ने दिवंगत नेता को श्रद्धांजलि दी। प्रशासन ने उन्हें 'गार्ड ऑफ ऑनर' दिया। उत्तर प्रदेश के समाज कल्याण राज्य मंत्री संजीव गोंड ने श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए याद किया कि विजय सिंह गोंड ने अपना पूरा जीवन आदिवासी कल्याण तथा जल, जंगल और जमीन की सुरक्षा के लिए समर्पित कर दिया था।

छत्तीसगढ़ के पूर्व गृह मंत्री रामविचार नेताम, उत्तर प्रदेश एससी/एसटी आयोग के उपाध्यक्ष जीत सिंह खरवार के अलावा विभिन्न राजनीतिक दलों और सामाजिक संगठनों के नेताओं ने भी विजय सिंह गोंड के निधन पर शोक व्यक्त किया। बाद में पार्थिव शरीर को दुद्धी में उनके पैतृक गांव कटौली ले जाया गया, जहां बड़ी संख्या में ग्रामीणों और समर्थकों की उपस्थिति में गोंड आदिवासी परंपराओं के अनुसार उन्हें दफनाया गया।

विजय सिंह गोंड उत्तर प्रदेश विधानसभा के लिए आठ बार चुने गए थे। उन्होंने 1980 में अपना राजनीतिक करियर शुरू किया और पहली बार दुद्धी से कांग्रेस विधायक चुने गए। बाद में उन्होंने 1985 में कांग्रेस टिकट पर, 1989 में निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर तथा 1991 और 1993 में जनता दल के टिकट पर इस सीट से जीत हासिल की। वह 1996 और 2002 में समाजवादी पार्टी के टिकट पर विधानसभा के लिए चुने गए। हाल में 2024 के उपचुनाव में सपा उम्मीदवार के तौर पर वह दुद्धी विधानसभा क्षेत्र से चुनाव जीते। यह उपचुनाव तब ज़रूरी हुआ जब तत्कालीन विधायक रामदुलार गोंड को एक नाबालिग के साथ बलात्कार के मामले में 25 साल की जेल की सज़ा सुनाई गई।

मुलायम सिंह यादव के नेतृत्व वाली सरकार के दौरान, विजय सिंह गोंड को राज्य मंत्री का दर्जा मिला था। आदिवासी अधिकारों और कल्याण से जुड़े मुद्दों को लगातार उठाने के लिए जाने जाने वाले विजय सिंह गोंड को इस क्षेत्र में गहरी पैठ रखने वाले ज़मीनी नेता के तौर पर भी जाना जाता था। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव और कई वरिष्ठ नेताओं ने उनके निधन पर शोक व्यक्त किया है तथा इसे क्षेत्र और आदिवासी समुदाय के लिए एक अपूरणीय क्षति बताया है।

अलाव की आग से झुलसा दो माह का मासूम, हालत गंभीर

बाराबंकी। जनपद बाराबंकी के फतेहपुर तहसील क्षेत्र के गांव मिर्जापुर में शुक्रवार की सुबह दो माह के एक मासूम के अलाव झुलसने की घटना सामने आई है। अलाव ताप रहे मासूम के चाचा दुलार-प्यार कर रहे थे। इसी बीच अचानक बच्चा उछलकर अलाव में गिर गया और बुरी तरह से झुलस गया। गांव के स्थानीय निवासी हसमत अली अपने दो माह के भतीजे हमजा को गोदी से उछाल-उछाल कर प्यार कर रहे थे। इसी बीच अचानक उछलकर जल रहे अलाव में मासूम गिर गया। जब तक परिजन आग से मासूम को निकालते तब तक वह गंभीर रूप से झुलस गया। परिजन उसको लेकर सीएचसी फतेहपुर लेकर गए जहां उसका इलाज किया जा रहा है। सीएचसी प्रभारी अवनीश चौधरी ने बताया कि बच्चे का चेहरा व शरीर के कई भाग बुरी तरह से झुलस गये हैं। डाक्टरों की देखरेख में समुचित इलाज किया जा रहा है। सुरक्षा की दृष्टि से कहा, परिजनों को चाहिए इस कड़ाके की ठंड में आग से संबंधित सावधानियां बरतने व बच्चों को सुरक्षित रखें।

अब ग्रामीणों को 100 दिन के बजाय 125 दिन का रोजगार मिलेगा : सूर्य प्रताप शाही

अयोध्या। उत्तर प्रदेश कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने आज अयोध्या में विकसित भारत 'जी राम जी योजना की आवश्यकता, उद्देश्य और इसके दूरगामी प्रभावों पर प्रकाश डाला। प्रेस कांफ्रेंस में उन्होंने कहा कि विकसित भारत के संकल्प को साकार करने के लिए ग्रामीण भारत का मजबूत होना आवश्यक है। उन्होंने बताया कि इस योजना से ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। अब ग्रामीणों को 100 दिन के बजाय 125 दिन का रोजगार मिलेगा।

अयोध्या के प्रभारी मंत्री शाही ने बताया कि केंद्र सरकार इस योजना पर लगभग 97 हजार करोड़ रुपये खर्च करेगी। यह राशि गांवों के समग्र विकास में उपयोग की जाएगी। योजना के तहत जल संरक्षण, कृषि संबंधी कार्य और पक्के निर्माण कार्यों को प्राथमिकता दी जाएगी, जिससे ग्रामीण आधारभूत संरचना मजबूत होगी और गांव आत्मनिर्भर बनेंगे। "विकसित भारत "जी राम जी" योजना को आधुनिक ए0आई0 तकनीक से जोड़ा गया है। इससे योजनाओं के क्रियान्वयन, निगरानी और भुगतान प्रक्रिया में पूर्ण पारदर्शिता सुनिश्चित होगी। उन्होंने कहा कि इस योजना में शून्य प्रतिशत लीकेज होगी, जिससे हर लाभार्थी तक सीधा लाभ पहुंचेगा। इस योजना का करोड़ों लोगों को लाभ प्राप्त होगा। स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं को भी इस योजना से जोड़ा जाएगा । इस अवसर पर विधायक अयोध्या वेद प्रकाश गुप्ता, रुदौली विधायक राम चंद्र यादव, मिल्कीपुर विधायक चंद्रभानु पासवान, भाजपा जिलाध्यक्ष संजीव सिंह, महानगर अध्यक्ष कमलेश श्रीवास्तव, पूर्व सांसद लल्लू सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि रोहित सिंह, राष्ट्रीय लोकदल के क्षेत्रीय अध्यक्ष राम सिंह पटेल, अपना दल (एस) के जिलाध्यक्ष कृष्ण देव वर्मा, निषाद पार्टी जिलाध्यक्ष आसाराम निषाद, सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के जिलाध्यक्ष जे.पी. सेन, जिला महामंत्री बीजेपी एवं जी-राम-जी के जिला संयोजक राधेश्याम त्यागी सहित सत्ताधारी दल के लोग उपस्थित रहे।

करोड़ों के चोरी गए सोने के आभूषणों संग पांच चोर गिरफ्तार

वाराणसी। जनपद वाराणसी में थाना चौक क्षेत्र के बेनियाबाग में अनुमानित तीन करोड़ मूल्य के चोरी गए सोने के आभूषण के साथ पांच शातिर चोरों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। चौक थाना प्रभारी दिलीप मिश्रा और एसओजी टीम प्रभारी गौरव सिंह ने शुक्रवार को बताया कि थाना चौक क्षेत्र में चोरी के दर्ज मुकदमे में दीपेश चौहान, विकास बेनवंशी, शुभम विश्वकर्मा, सैनुद्दीन अंसारी, तारक घोराई को कूड़ाखाना बेनियाबाग और कैण्ट स्टेशन माल गोदाम के पास से गिरफ्तार कियाा हैं।

इनके पास से 20 छोटे बड़े हार पीली धातु, कनौती 30 जोड़ी पीली धातु, 79 अदद नथ का लर पीली धातु, 400 अदद अंगूठी पीली धातु, 69 अदद मंगलसूत्र के छोटे बड़े लाकेट पीली धातु 11 जोड़ी बृजबाली पीली धातु, 68 अदद (34 जोड़ी) गूटी झुमका पीली धातु, जिसका कुल वजन 2122 ग्राम है। इस चोरी के खुलासे को लेकर प्रभारी निरीक्षक को शाबाशी देते हुए पुलिस अधिकारियों ने उनकी पीठ थपथपाई है।

मंत्री दयाशंकर सिंह समेत 14 लोग 2015 के बलिया मामले में आरोपमुक्त

बलिया। उत्तर प्रदेश के बलिया की एक अदालत ने राज्य सरकार द्वारा मामला वापस लेने के फैसले को स्वीकार करते हुये प्रदेश के परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह और 13 अन्य आरोपियों को 10 साल पुराने एक मामले में आरोपमुक्त कर दिया है। सिंह के खिलाफ यह मामला निषेधाज्ञा का उल्लंघन करने के आरोप में था।

अभियोजन पक्ष के मुताबिक, यह मामला नौ सितंबर 2015 को बलिया सिटी कोतवाली में उप निरीक्षक सत्येंद्र राय की शिकायत पर भारतीय दंड संहिता की धारा 188 (सरकारी निर्देशों की अनदेखी) के तहत सिंह, नागेंद्र पांडे और 17 नामजद लोगों के अलावा 100 से 150 अनजान लोगों के खिलाफ दर्ज किया गया था। आरोपियों के खिलाफ शहर के मालगोदाम रोड पर धारा 144 के तहत निषेधाज्ञा के बावजूद सड़क जाम करने, यातायात को अवरुद्ध करने और आवाजाही में रुकावट डालने का आरोप था।

अभियोजन अधिकारी वीरपाल सिंह ने शुक्रवार को बताया कि राज्यपाल की तरफ से वाद वापस लेने के लिए न्यायालय में प्रार्थना पत्र प्रस्तुत करने की अनुमति प्रदान की गई थी, जिसके परिप्रेक्ष्य में न्यायालय में मामले को वापस लेने के लिये प्रार्थना पत्र दाखिल किया गया। मुकदमे की सुनवाई करते हुए विशेष न्यायिक दंडाधिकारी अनिल कुमार मिश्रा की अदालत ने बुधवार को यह फैसला दिया। अदालत ने अपने फैसले में कहा कि अभियोजन पक्ष ने अपनी याचिका में मामले की कमियां बतायी थीं और कहा था कि इसके सफल होने के अवसर कम ही लग रहे हैं।

सिंह ने बताया कि अदालत ने यह भी कहा कि इस घटना में कथित अपराध के दौरान विरोध और प्रदर्शन भी शामिल था। उन्होंने कहा कि तथ्य और हालात को देखते हुए, अदालत ने माना कि अभियोजन पक्ष को मामला वापस लेने की इजाजत देना सही है । अधिवक्ता ने कहा कि याचिका स्वीकार करते हुए, मजिस्ट्रेट ने कानून के हिसाब से मामला वापस लेने का आदेश दिया और सिंह एवं पांडे समेत अन्य आरोपियों को मामले में आरोपमुक्त कर दिया ।

लाल चंदन की लकड़ी के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

बाराबंकी। उत्तर प्रदेश के जनपद बाराबंकी में मोहम्मदपुर खाला थाना क्षेत्र में पुलिस ने लाल चंदन की लकड़ी संग दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। ये लोग चंदन की लकड़ी की तस्करी करते हैं।

मोहम्मदपुर खाला थाना प्रभारी आशुतोष मिश्रा ने शुक्रवार को बताया कि पुलिस को सूचना मिली कि कस्बा बेलहरा क्षेत्र के कैथा मोड़ से चंदन की लकड़ी तस्करी कर कन्नौज ले जायी जा रही है। सूचना पर पहुंची पुलिस और क्राइम ब्रांच की संयुक्त टीम ने दो लोगों को कैथा मोड़ से कुछ दूरी पर सड़क किनारे रात के अंधेरे में खड़ा देखा। पुलिस टीम ने जब उन पर टार्च की रोशनी मारी तो युवक भागने लगे। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए दोनों तस्करों को गिरफ्तार कर लिया। इनकी पहचान मोहम्मदपुर खाला थाना क्षेत्र स्थित कोड़री निवासी मोहम्मद रसीद और मोहम्मद शमी उर्फ नक्कटा के रुप में हुई है। दोनों के पास 39 किलो 500 ग्राम लाल चंदन की लकड़ी बरामद हुई, जिसकी कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में करीब पांच लाख रुपये है।

पुलिस पूछताछ में अभियुक्तों ने बताया अक्टूबर 2025 में जगतपुर निवासी सचिन कुमार के खेत से दो चंदन के पेड़ काटे थे। वह लोग थोड़ी थोड़ी मात्रा में लकड़ी के छोटे-छोटे टुकड़े काटकर कन्नौज में ले जाकर फुटकर में बेचते थे। चोरी से पेड़ काटे जाने की शिकायत थाने में पहले से ही दर्ज है। थाना प्रभारी आशुतोष मिश्रा ने बताया कि इन दोनों के खिलाफ गंभीर धाराओं में मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

पेरिस में BHU के शिक्षक की भित्ति चित्र को मिली सराहना, विश्वविद्यालय के लिए गौरव का पल

वाराणसी । भारत की सांस्कृतिक उपस्थिति को वैश्विक स्तर पर सुदृढ़ करने की दिशा में काशी हिंदू विश्वविद्यालय को एक और उपलब्धि मिली है। भारतीय कलाकार एवं भित्ति चित्रकार तथा दृश्य कला संकाय बीएचयू के शिक्षक प्रो. सुरेश के. नायर ने फ्रांस में एक सांस्कृतिक दायित्व का सफलतापूर्वक निर्वहन किया। भारतीय दृश्य कला की समृद्धि और विविधता को अंतरराष्ट्रीय मंच पर प्रस्तुत करने वाली यह पहल भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आईसीसीआर), विदेश मंत्रालय, भारत सरकार के प्रायोजन में संपन्न हुई। इस परियोजना के तहत प्रो. नायर ने भारतीय दूतावास, स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक केंद्र (एसवीसीसी), पेरिस में एक भव्य भित्ति चित्र का सृजन किया। यह भित्ति चित्र भारत की समृद्ध दृश्य एवं कला परंपराओं को सजीव रूप में प्रस्तुत करता है, जिसमें कथकली, मणिपुरी नृत्य, कथक, थेय्यम, भरतनाट्यम तथा छाया कठपुतली कला जैसी शास्त्रीय एवं लोक कला विधाओं का सुंदर समन्वय किया गया है।

पारंपरिक अलंकरण शैली में स्वर्णिम आभा के साथ निर्मित यह कृति भारतीय कला की गहन सौंदर्यात्मक चेतना को प्रतिबिंबित करती है। यह जानकारी विश्वविद्यालय के जनसम्पर्क कार्यालय ने दी। बताया गया कि 10.5 फीट गुणे 33.8 फीट के विशाल आकार में निर्मित यह भित्ति चित्र महज़ 10 दिनों की सघन अवधि में पूर्ण किया गया। प्रो. नायर ने बताया कि यह भित्ति चित्र वर्तमान में पेरिस में स्थापित सबसे बड़ा भारतीय चित्रकर्म माना जा रहा है, जो भारतीय कला के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। इस भित्ति चित्र की फ्रांस में भारत के राजदूत संजीव सिंगला तथा आईसीसीआर की महानिदेशक के. नंदिनी सिंगला ने भी सराहना की है। यह परियोजना कलाकारों, सांस्कृतिक कर्मियों, राजनयिकों एवं कला प्रेमियों के बीच विशेष आकर्षण का केंद्र बनी हुई है, जिससे विदेशों में भारत की सांस्कृतिक पहचान को नई ऊँचाई मिली है तथा काशी हिंदू विश्वविद्यालय को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गौरव प्राप्त हुआ है।

शॉर्ट सर्किट से घर में लगी आग, वृद्ध की जलकर मौत

उरई। जिले में कोंच कोतवाली क्षेत्र के परैथा गांव में शुक्रवार सुबह कच्चे मकान में अचानक हुए शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। आग की चपेट में आकर एक बुजुर्ग की मौत हो गई। कोतवाली प्रभारी आनंद सिंह ने बताया कि ग्राम परैथा में रहने वाला श्रीराम (70) के कच्चे मकान में उस वक्त आग लग गई, जब वो अपने कमरे में सो रहा था। सोते समय अचानक बिजली में शॉर्ट सर्किट हुआ और मकान में आग लग गई। घर में आग इतनी तेजी से फैली कि वे समय पर बाहर नहीं निकल सके और आग में जलकर उनकी मौके पर ही मौत हो गई। जानकारी मिलते ही ग्रामीणों ने आनन-फानन में आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन आग काबू पाने में काफी देर लग गई। ग्रामीणों के प्रयासों के बाद आखिरकार आग पर काबू पाया जा सका। सूचना मिलने के काफी देर बाद फायर ब्रिगेड और पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंची। मृतक के बेटे अरविंद ने बताया कि पिता अकेले मकान में सो रहे थे। आग लगने की वजह से वह खुद को बचा नहीं सके, जिससे यह हादसा हुआ। कोतवाली प्रभारी ने बताया कि मामले की जांच शुरू कर दी है। प्रथम दृष्ट्या शॉर्ट सर्किट से आग लग गई, जिसमें श्री राम की जिंदा जलकर मौत हो गई है। शव को पोस्टमार्टम भेजकर मामले की जांच की जा रही हैं।

बरेली परिक्षेत्र में बने 45 शिशु गृह

महिला पुलिस कर्मियों के बच्चों की हो सकेगी अच्छी देखभाल

बरेली। उत्तर प्रदेश में महिला पुलिस कर्मियों को कार्यस्थल पर अनुकूल माहौल और मूलभूत सुविधाएं देने के उद्देश्य से बरेली परिक्षेत्र में थानों और पुलिस कार्यालयों में पुलिस कर्मियों के बच्चों के लिए बाल शिशु गृह (क्रेच) की स्थापना की जा रही है। अब तक परिक्षेत्र के चार जनपदों में 45 शिशु गृह स्थापित किए जा चुके हैं, जबकि अन्य थानों और कार्यालयों में यह प्रक्रिया जारी है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की महिला सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता और मिशन शक्ति अभियान 5.0 के तहत महिला सशक्तीकरण को बढ़ावा देने के लिए यह पहल की गई है। पुलिस महानिदेशक के निर्देश पर पुलिस उपमहानिरीक्षक बरेली परिक्षेत्र अजय कुमार साहनी के निर्देशन में यह व्यवस्था लागू की गई है। जनपद बरेली में 10, बदायूं में 7, पीलीभीत में 5 शिशु गृह स्थापित किए गए हैं, जबकि शाहजहांपुर जनपद के सभी थानों में क्रेच सुविधा उपलब्ध करा दी गई है। शिशु गृहों में महिला पुलिस कर्मियों और आगंतुकों के बच्चों की देखरेख, खेलने की व्यवस्था के साथ स्तनपान कक्ष की सुविधा भी दी जा रही है।

पुलिस उपमहानिरीक्षक अजय कुमार साहनी ने बताया कि महिला पुलिसकर्मियों को ड्यूटी के साथ पारिवारिक जिम्मेदारियां भी निभानी पड़ती हैं। क्रेच सुविधा से उन्हें मानसिक सुकून मिलेगा और वे और अधिक मनोयोग से अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर सकेंगी। यह पहल महिला सशक्तीकरण की दिशा में एक ठोस कदम है। पुलिस विभाग की यह व्यवस्था महिला कर्मियों के लिए संबल बनकर सामने आई है।

यूपी वॉरियर्स और गुजरात जायंट्स की नजरें WPL में शुरुआती लय हासिल करने पर

नवी मुंबई। यूपी वॉरियर्स और गुजरात जायंट्स की टीम शनिवार को यहां अपने महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) अभियान की शुरुआत करेंगी और पिछले सत्र में विपरीत प्रदर्शन के बाद दोनों टीमें पहले खिताब की तलाश में होंगी। यूपी वॉरियर्स नयी कप्तान मेग लैनिंग पर बहुत अधिक निर्भर रहेंगी क्योंकि उनकी कप्तानी में दिल्ली कैपिटल्स लगातार तीन फाइनल में पहुंची थी। टीम पिछले तीन सत्र में तीसरे, चौथे और फिर तालिका में निचले स्थान पर रही थी और उसकी निगाहें इस लगातार गिरावट को रोकने की हैं।

ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज के आने से टीम में स्पष्टता आने की उम्मीद है। टीम पिछले साल कप्तान एलिसा हीली की गैरमौजूदगी में संतुलन और निरंतरता के लिए संघर्ष कर रही थी। हालांकि वॉरियर्स के टीम संयोजन को लेकर सवाल बने हुए हैं, विशेषकर विकेटकीपिंग विभाग में जिसमें शिप्रा गिरी एकमात्र विशेषज्ञ विकल्प हैं। शीर्ष पर फोबे लिचफील्ड लचीलापन प्रदान करती हैं और उनके किरण नवगिरे के साथ साझेदारी करने की संभावना है। लैनिंग और हरलीन देओल की मौजूदगी वाला मध्यक्रम प्रतिस्पर्धी स्कोर बनाने में महत्वपूर्ण होगा। सोफी एक्लेस्टोन, दीप्ति शर्मा और अनुश्री शिखा पांडे और क्रांति गौड़ जैसी खिलाड़ियों के साथ वॉरियर्स के पास ताकतवर गेंदबाजी आक्रमण है जिसमें विश्व स्तरीय स्पिन, नयी गेंद से गेंदबाजी का अनुभव और अंतिम ओवरों में विशेज्ञता का मिश्रण है। दूसरी ओर गुजरात जायंट्स दो निराशाजनक सत्र के बाद पिछली बार प्लेऑफ में पहुंची थी और उसका मनोबल बढ़ा हुआ है। एशले गार्डनर की अगुवाई वाली जायंट्स के पास मजबूत विदेशी खिलाड़ियों का कोर है लेकिन एक प्रमुख भारतीय बल्लेबाज की कमी है। स्टंप के पीछे और शीर्ष क्रम में बेथ मूनी होंगी जबकि सोफी डिवाइन 2025 सत्र से चूकने के बाद डब्ल्यूपीएल में वापसी कर रही हैं। तेज गेंदबाजी आक्रमण रेणुका सिंह ठाकुर के नेतृत्व में काफी संतुलित दिखता है जिन्हें किम गार्थ और काश्वी गौतम का सहयोग मिलेगा।

गार्डनर, जॉर्जिया वारेहम, राजेश्वरी गायकवाड़ और तनुजा कंवर के रूप में स्पिन के कई विकल्प मौजूद हैं। दोनों टीम बदलाव के दौर से गुजर रही हैं इसलिए शनिवार का मुकाबला उनके अभियानों की लय तय कर सकता है।

इस प्रकार है संभावित टीम :

यूपी वारियर्स: श्वेता सहरावत, दीप्ति शर्मा, सोफी एक्लेस्टोन, मेग लैनिंग (कप्तान), फोबे लिचफील्ड, किरण नवगिरे, हरलीन देयोल, क्रांति गौड़, आशा शोभना, डायंड्रा डॉटिन, शिखा पांडे, शिप्रा गिरी, सिमरन शेख, चार्ली नॉट, क्लो ट्रायोन, सुमन मीना, जी त्रिशा, प्रतिका रावल।

गुजरात जायंट्स: एशले गार्डनर (कप्तान), बेथ मूनी, सोफी डिवाइन, रेणुका सिंह ठाकुर, भारती फूलमाली, टिटास साधु, काशवी गौतम, कनिका आहूजा, तनुजा कंवर, जॉर्जिया वारेहम, अनुष्का शर्मा, हैप्पी कुमारी, किम गार्थ, शिवानी सिंह, डानी वाट हॉज, राजेश्वरी गायकवाड़, आयुषी सोनी।

मैच भारतीय समयानुसार दोपहर साढ़े तीन बजे शुरू होगा।

टाटा मुंबई मैराथन में 60,000 से ज्यादा धावक भाग लेंगे

मुंबई। टाटा मुंबई मैराथन (टीएमएम) के 21वें सत्र का आयोजन यहां 18 जनवरी को होगा जिसमें भाग लेने के लिए 60,000 से अधिक धावकों ने पंजीकरण कराया है। आयोजकों के अनुसार, विश्व एथलेटिक्स 'गोल्ड लेबल' दौड़ में रिकॉर्ड 69,100 प्रतिभागी शामिल होंगे। इसमें 65,400 से अधिक प्रतिभागी प्रत्यक्ष रूप से और 3,700 वर्चुअल रन में भाग लेंगे। पहली बार रिकॉर्ड 14,059 धावक पूर्ण मैराथन में प्रतिस्पर्धा करेंगे। हाफ मैराथन और ओपन 10 किमी दौड़ में भी भागीदारी में भारी वृद्धि हुई है। महाराष्ट्र के मुख्य सचिव राजेश अग्रवाल ने कहा कि पिछले दो दशकों में टाटा मुंबई मैराथन ने लोगों के शारीरिक स्वास्थ्य और शहर की आर्थिक स्थिति दोनों पर सकारात्मक प्रभाव डाला है। धावकों के अलावा, यह अर्थव्यवस्था को गति देने वाला प्रमुख कारक बन गया है। आयोजकों के अनुसार, 2025 सत्र में गैर-सरकारी संगठनों द्वारा 53.62 करोड़ रुपये जुटाए गए, जिनमें शिक्षा के लिए सबसे ज्यादा 27.66 करोड़ रुपये जुटाए गए। आयोजक 'प्रोकैम इंटरनेशनल' के मुताबिक, "पिछले तीन वर्षों में टाटा मुंबई मैराथन ने कुल मिलाकर 1,182.67 करोड़ रुपये का योगदान दिया है, जो सामाजिक और आर्थिक विकास के उत्प्रेरक के रूप में इसके प्रभाव को रेखांकित करता है।"

विश्व कप 2026 के लिए फीफा का वीडियो कंटेंट पार्टनर बना 'टिकटॉक'

जिनेवा। फुटबॉल की संचालन संस्था फीफा ने 11 जून से 19 जुलाई तक चलने वाले पुरुष फुटबॉल विश्व कप में सोशल मीडिया पर वीडियो कंटेंट के लिए 'टिकटॉक' को अपना प्रमुख प्लेटफॉर्म चुना है।

इस साझेदारी के अंतर्गत 'कंटेंट क्रिएटर्स' को 48 टीम वाले विश्व कप में विशेष अनुमति मिलेगी। यह टूर्नामेंट 16 शहरों में आयोजित होगा। इनमें अमेरिका के 11, मेक्सिको के तीन और कनाडा के दो शहर शामिल हैं। फीफा ने बताया कि विश्व कप के प्रसारण अधिकार रखने वाले ब्रॉडकास्टर टिकटॉक ऐप पर बने एक विशेष 'हब' के जरिए 104 मैच के कुछ हिस्सों का लाइव प्रसारण कर सकेंगे। अमेरिका में टिकटॉक के 17 करोड़ से अधिक यूजर हैं। फीफा ने कहा, "इसके अलावा बड़ी संख्या में क्रिएटर्स को फीफा के 'आर्काइव' फुटेज का इस्तेमाल और इन्हें साथ में बनाने का मौका मिलेगा।"

फीफा ने इस करार की कीमत, निविदा प्रक्रिया या अन्य प्रतिस्पर्धी बोलीदाताओं का विवरण साझा नहीं किया। इससे पहले 2022 कतर विश्व कप में 'यूट्यूब' का एक सीमित प्रायोजन समझौता हुआ था जिसमें क्रिएटर्स को विशेष अनुमति मिली थी।

मलेशिया ओपन : चोट के कारण यामागुची के हटने से सेमीफाइनल में पहुंचीं पीवी सिंधु

कुआलालंपुर। भारत की स्टार शटलर पीवी सिंधु ने शुक्रवार को मलेशिया ओपन सुपर 1000 बैडमिंटन टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। क्वार्टरफाइनल मुकाबले में जापान की अकाने यामागुची के चोट के कारण मैच से हटने के बाद सिंधु को यह सफलता मिली।

लंबे समय बाद चोट से वापसी कर रहीं पूर्व विश्व चैंपियन सिंधु ने मुकाबले में शानदार शुरुआत की और पहला गेम 21-11 से अपने नाम किया। इस दौरान मौजूदा विश्व चैंपियन और विश्व नंबर-3 अकाने यामागुची घुटने पर ब्रेस लगाए नजर आईं। पहले गेम के बाद यामागुची ने अपनी चोट को देखते हुए मैच आगे नहीं खेलने का फैसला किया। इस जीत के साथ विश्व नंबर-18 सिंधु ने यामागुची के खिलाफ अपने हेड-टू-हेड रिकॉर्ड को 15-12 कर लिया। खास बात यह है कि सिंधु आठ साल बाद मलेशिया ओपन के सेमीफाइनल में पहुंची हैं, जो उनके लिए एक बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है। सेमीफाइनल में अब दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधु का सामना इंडोनेशिया की छठी वरीयता प्राप्त पुत्री कुसुमा वारदानी या चीन की दूसरी वरीयता प्राप्त वांग झी यी से होगा।

आज भारत की शीर्ष पुरुष युगल जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी भी कोर्ट पर उतरेगी। भारतीय जोड़ी का मुकाबला इंडोनेशिया की छठी वरीयता प्राप्त जोड़ी फजर अल्फियान और मुहम्मद शोहीबुल फिकरी से होगा।

ऑस्ट्रेलियन ओपन के विदाई सत्र में पूर्व चैंपियन स्टान वावरिंका को मिला वाइल्डकार्ड

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026 के लिए पूर्व चैंपियन स्टान वावरिंका को वाइल्डकार्ड प्रदान किया गया है। यह वावरिंका का प्रोफेशनल टेनिस करियर का आखिरी सत्र होगा, जिसके बाद वह संन्यास लेने की योजना बना रहे हैं।

टूर्नामेंट के आयोजकों ने शुक्रवार को घोषणा की कि अंतिम तीन वाइल्डकार्ड तीन बार के ग्रैंड स्लैम विजेता वावरिंका के अलावा ऑस्ट्रेलिया के जॉर्डन थॉम्पसन और क्रिस ओ'कॉनेल को दिए गए हैं। स्विट्ज़रलैंड के 40 वर्षीय वावरिंका ने अपने करियर का पहला ग्रैंड स्लैम खिताब साल 2014 में मेलबर्न में जीता था। उसी सत्र में उन्होंने शानदार प्रदर्शन करते हुए विश्व रैंकिंग में करियर की सर्वोच्च तीसरी पायदान हासिल की थी। इसके अलावा वह ऑस्ट्रेलियन ओपन में दो बार सेमीफाइनल तक भी पहुंचे थे।

वर्तमान में विश्व रैंकिंग में 156वें स्थान पर काबिज वावरिंका ने वाइल्डकार्ड मिलने पर खुशी जाहिर करते हुए कहा, "अपने टूर के आखिरी साल की शुरुआत ऑस्ट्रेलियन ओपन खेलकर करना मेरे लिए बहुत मायने रखता है।" वावरिंका की वापसी से ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026 में अनुभव और भावनाओं का खास मिश्रण देखने को मिलेगा, जहां टेनिस प्रशंसकों को एक महान खिलाड़ी को अंतिम बार ग्रैंड स्लैम मंच पर खेलते देखने का मौका मिलेगा।

महिला हॉकी इंडिया लीग फाइनल में आमने सामने होंगे एसजी पाइपर्स और श्राची बंगाल टाइगर्स

रांची। एसजी पाइपर्स और श्राची बंगाल टाइगर्स दो हफ्तों तक चले 12 मुकाबलों के बाद शनिवार को यहां होने वाले महिला हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) के फाइनल में आमने सामने होंगी। लीग जीतने वाली टीम को 1.50 करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि मिलेगी जबकि उप विजेता को एक करोड़ रुपये दिए जाएंगे।

तीसरे स्थान पर रहने वाली रांची रॉयल्स को 50 लाख रुपये मिलेंगे। फाइनल में पहुंची इन दोनों टीमों ने इस सत्र में अपना दबदबा बनाए रखा और दोनों का खेलने का तरीका काफी हद तक एक जैसा ही रहा है। एसजी पाइपर्स ने तालिका में शीर्ष स्थान हासिल किया जबकि श्राची बंगाल टाइगर्स ने दूसरा स्थान पक्का किया। दोनों टीमें लीग चरण में दो बार आमने-सामने हुईं और दोनों ही मौकों पर श्राची बंगाल टाइगर्स ने पेनल्टी शूटआउट में जीत हासिल की। पहले मैच में 3-3 की बराबरी के बाद श्राची बंगाल टाइगर्स ने शूटआउट में 4-3 से जीत हासिल की। दूसरे मैच में गोल रहित बराबरी के बाद उन्होंने शूटआउट में 7-6 से जीत हासिल की। हालांकि लीग के पूरे चरण के आंकड़े एसजी पाइपर्स के पक्ष में हैं। वह टूर्नामेंट में दूसरी सबसे ज्यादा गोल करने वाली टीम हैं जिसने 11 गोल किए हैं। उनसे बेहतर सिर्फ रांची रॉयल्स ने 13 गोल किए। और उनकी कप्तान नवनीत कौर ने अब तक टूर्नामेंट में चार गोल दाग दिए हैं। लोला रिएरा (तीन गोल) और सुनेलिता टोप्पो (दो गोल) ने भी योगदान दिया है, जबकि ज्योति सिंह और मारिया टेरेसा वियानाचे ने भी गोल किए हैं। पाइपर्स का लीग में डिफेंस में दूसरा सबसे अच्छा रिकॉर्ड भी है और उन्होंने ग्रुप चरण में सिर्फ नौ गोल खाए हैं। श्राची बंगाल टाइगर्स ने अब तक टूर्नामेंट में सिर्फ सात गोल किए हैं जिनमें से पांच पेनल्टी कॉर्नर विशेषज्ञ ऑगस्टिना गोरजेलानी ने किए हैं। वंदना कटारिया टीम की कप्तान हैं और टीम में इस बड़े मुकाबले के लिए काफी अनुभवी खिलाड़ी मौजूद हैं।

अकासा एयर विमानन कंपनियों के आईएटीए की बनी सदस्य

नई दिल्ली। अकासा एयर के वैश्विक समूह अंतरराष्ट्रीय हवाई परिवहन संघ (आईएटीए) की सदस्य बन गई है। आईएटीए 360 से अधिक विमानन कंपनियों का प्रतिनिधित्व करता है। इनमें भारतीय विमानन कंपनियां एयर इंडिया, एयर इंडिया एक्सप्रेस, इंडिगो और स्पाइसजेट भी शामिल हैं। अकासा एयर ने शुक्रवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि आईएटीए ईओएसए को पूरा करने के बाद वह आईएटीए की सदस्य बन गई है। आईओएसए को पूरा करना सदस्यता पाने के लिए अनिवार्य है। आईएटीए के एशिया-प्रशांत क्षेत्र के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष शेल्डन ही ने कहा कि हम अकासा एयर को आईएटीए के सदस्य के रूप में शामिल करने पर उत्साहित हैं। भारत के विमानन क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं, यह उद्योग 77 लाख रोजगार सृजित करता है।

भारत- ईयू के बीच एफटीए पर वार्ता; किसानों और एमएसएमई के हितों की रक्षा का वादा

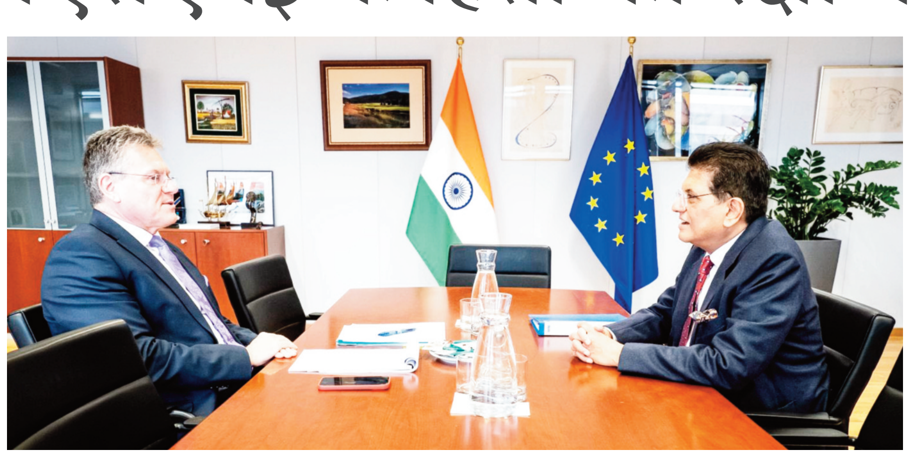

नई दिल्ली। भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) ने शुक्रवार को ब्रसेल्स में प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर चर्चा की। दोनों पक्षों ने एक नियम-आधारित व्यापार ढांचे और एक आधुनिक आर्थिक साझेदारी के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई, जो किसानों और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के हितों की रक्षा करेगी। वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल इस वार्ता के लिए यूरोपीय संघ मुख्यालय की दो दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर हैं। उन्होंने एक पारस्परिक रूप से लाभकारी एफटीए सुनिश्चित करने के लिए ईयू के व्यापार और आर्थिक सुरक्षा आयुक्त मारोस सेफकोविच के साथ उच्च स्तरीय चर्चा की। वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सोशल मीडिया पर लिखा, "इस वार्ता के दौरान हमने प्रस्तावित समझौते के प्रमुख क्षेत्रों पर विचार-विमर्श किया। हमने एक नियम-आधारित व्यापार ढांचे और एक आधुनिक आर्थिक साझेदारी के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की, जो भारतीय उद्योगों को वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं से जोड़ते हुए किसानों और एमएसएमई के हितों की रक्षा करती है।" यह मंत्री-स्तरीय वार्ता ब्रसेल्स में एक सप्ताह के गहन विचार-विमर्श के बाद हो रही है। इसकी आधारशिला इस सप्ताह की शुरुआत में (6-7 जनवरी) भारत के वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल और यूरोपीय आयोग के व्यापार महानिदेशक सबाइन वेयंड के बीच हुई उच्च स्तरीय चर्चा के दौरान रखी गई थी। ये वार्ताएं महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि दोनों पक्ष जल्द से जल्द बातचीत को अंतिम रूप देने पर विचार कर रहे हैं। भारत-यूरोपीय संघ शिखर सम्मेलन 27 जनवरी को यहां होने की संभावना है, और यूरोपीय संघ का शीर्ष नेतृत्व 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस परेड में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होगा।

अग्रवाल ने 15 दिसंबर को कहा था कि भारत और 27 देशों के समूह यूरोपीय संघ के बीच बातचीत निर्णायक चरण में पहुंच गई है, और दोनों पक्ष मतभेदों को दूर करने तथा वार्ता को जल्द समाप्त करने में लगे हुए हैं। अब तक वार्ता के 16 दौर आयोजित किए जा चुके हैं।

सॉफ्टबैंक ने ओला इलेक्ट्रिक में 2.15 प्रतिशत हिस्सेदारी बेची

नई दिल्ली। जापान की बहुराष्ट्रीय निवेश कंपनी सॉफ्टबैंक ने अपनी निवेश कंपनी एसवीएफ II ऑस्ट्रिच (डीई) एलएलसी के जरिये ओला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी में अपनी 2.15 प्रतिशत हिस्सेदारी बेच दी है। इलेक्ट्रिक वाहन विनिर्माता कंपनी ने बीएसई को दी सूचना में बताया कि एसवीएफ II ओस्ट्रिच (डीई) एलएलसी ने तीन सितंबर 2025 और पांच जनवरी 2026 के बीच कई चरणों में ओला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के कुल 94,628,299 शेयर बेचे हैं। पांच जनवरी 2026 को हुई बिक्री सेबी के नियमों के तहत निर्धारित दो प्रतिशत की सीमा का उल्लंघन करती है। इस लेन-देन के बाद, ओला इलेक्ट्रिक में एसवीएफ II ओस्ट्रिच (डीई) एलएलसी की हिस्सेदारी पहले के 15.68 प्रतिशत से घटकर 13.53 प्रतिशत हो गई है। एसवीएफ II ऑस्ट्रिच (डीई) एलएलसी ने पिछले साल भी 15 जुलाई 2025 और दो सितंबर 2025 के बीच कई चरणों में ओला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के कुल 94,943,459 शेयर बेचे थे। इससे कंपनी में उसकी हिस्सेदारी 17.83 प्रतिशत से घटकर 15.68 प्रतिशत रह गई थी।

इक्विटी म्यूचुअल फंड में निवेश दिसंबर में 6% घटकर 28,054 करोड़ रुपये

नई दिल्ली। इक्विटी म्यूचुअल फंड में दिसंबर में निवेश मासिक आधार पर छह प्रतिशत घटकर 28,054 करोड़ रुपये रह गया। उद्योग निकाय एम्फी ने इस संबंध में शुक्रवार को आंकड़े जारी किए। इक्विटी निवेश में कमी के साथ-साथ म्यूचुअल फंड उद्योग के समग्र परिसंपत्ति आधार में मामूली संकुचन हुआ। इससे प्रबंधन अधीन परिसंपत्ति (एयूएम) नवंबर के 80.80 लाख करोड़ रुपये से घटकर दिसंबर में 80.23 लाख करोड़ रुपये रह गई। यह ऋण योजनाओं से भारी निकासी के प्रभाव को दर्शाता है। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) के आंकड़ों के अनुसार, म्यूचुअल फंड उद्योग ने दिसंबर में 66,591 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी की जानकारी दी।

इसका मुख्य कारण ऋण योजनाओं से भारी मात्रा में निकासी थी जबकि इक्विटी एवं गोल्ड फंड निवेशकों की रुचि आकर्षित करते रहे। इक्विटी निवेश में हालांकि नवंबर के 29,911 करोड़ रुपये की तुलना में क्रमिक रूप से नरमी आई, फिर भी यह अक्टूबर के 24,690 करोड़ रुपये से अधिक रहा। सितंबर में इक्विटी में शुद्ध निवेश 30,421 करोड़ रुपये और अगस्त में 33,430 करोड़ रुपये था। समीक्षाधीन माह के दौरान लाभांश प्रतिफल और इक्विटी लिंक्ड सेविंग स्कीम (ईएलएसएस) फंड के अलावा अधिकतर उप-श्रेणियों में दिसंबर में सकारात्मक रुझान देखने को मिला। फ्लेक्सी-कैप फंड सबसे पसंदीदा विकल्प बने रहे। इसमें 10,019 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश हुआ जो नवंबर के 8,135 करोड़ रुपये से अधिक है। यह अनिश्चित बाजार स्थितियों में इनकी बढ़ती अपील को दर्शाता है।

इसके बाद मिड-कैप फंड में 4,176 करोड़ रुपये, लार्ज एवं मिड-कैप फंड में 4,094 करोड़ रुपये और स्मॉल-कैप फंड में 3,824 करोड़ रुपये का निवेश हुआ। इसके अलावा लार्ज-कैप फंड में 1,567 करोड़ रुपये का निवेश आया। इसके विपरीत, ईएलएसएस और लाभांश प्रतिफल फंड में क्रमशः 718 करोड़ रुपये और 254 करोड़ रुपये की निकासी दर्ज की गई। दूसरी ओर, ऋण म्यूचुअल फंड ने दिसंबर में 1.32 लाख करोड़ रुपये की भारी निकासी देखी जबकि नवंबर में शुद्ध निकासी 25,692 करोड़ रुपये थी। इससे समग्र उद्योग नकारात्मक क्षेत्र में चला गया। इसके अलावा निवेशकों ने सुरक्षित निवेश विकल्पों में भी नए सिरे से रुचि दिखाई। गोल्ड एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) में शुद्ध निवेश दिसंबर में बढ़कर 11,647 करोड़ रुपये हो गया जो नवंबर के 3,742 करोड़ रुपये और अक्टूबर के 7,743 करोड़ रुपये से काफी अधिक है।

शेयर बाजार में लगातार पांचवें दिन गिरावट, सेंसेक्स 600 अंक से अधिक टूटा

मुंबई। शेयर बाजार में शुक्रवार को लगातार पांचवें कारोबारी सत्र में गिरावट रही और बीएसई सेंसेक्स 605 अंक नुकसान में रहा जबकि एनएसई निफ्टी में 193 अंक की गिरावट आई। अमेरिकी शुल्क बढ़ने की चिंताओं और भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं के कारण निवेशकों ने सतर्क रुख अपनाया। कारोबारियों ने कहा कि भारतीय बाजारों से विदेशी पूंजी की लगातार निकासी ने भी बाजार की धारणा को प्रभावित किया है।

शुरुआती कारोबार में मामूली सुधार के बाद, 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स अपनी गति बरकरार रखने में विफल रहा और 604.72 अंक यानी 0.72 प्रतिशत गिरकर 83,576.24 पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 778.68 अंक यानी 0.92 प्रतिशत गिरकर 83,402.28 तक चला गया था। दूसरी ओर 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 193.55 अंक यानी 0.75 प्रतिशत टूटकर 25,683.30 पर बंद हुआ। सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में एनटीपीसी, आईसीआईसीआई बैंक, अदाणी पोर्ट्स, भारती एयरटेल, सन फार्मा और बजाज फाइनेंस में प्रमुख रूप से गिरावट रही।

दूसरी तरफ, लाभ में रहने वाले शेयरों में एशियन पेंट्स, एचसीएल टेक, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स और रिलायंस इंडस्ट्रीज लाभ में रहे। इससे पहले बृहस्पतिवार को सेंसेक्स 780.18 अंक यानी 0.92 प्रतिशत गिरकर 84,180.96 पर और निफ्टी 263.90 अंक यानी 1.01 प्रतिशत गिरकर 25,876.85 पर बंद हुआ था।

कुशल रोजगार सृजन, गुणवत्ता में सुधार भारत के अल्पकालिक लक्ष्य: एस महेंद्र देव

अहमदाबाद। प्रधानमंत्री के आर्थिक सलाहकार परिषद (ईएसी-पीएम) के चेयरमैन एस महेंद्र देव ने शुक्रवार को कहा कि भारत के अल्पकालिक लक्ष्यों में कुशल रोजगार सृजन पर अधिक ध्यान देना शामिल है ताकि इस प्रक्रिया में रोजगार की गुणवत्ता में सुधार लाया जा सके। अहमदाबाद विश्वविद्यालय के 7वें वार्षिक अर्थशास्त्र सम्मेलन में देव ने स्वीकार किया कि देश रोजगार की गुणवत्ता में पिछड़ रहा है, जिसे उन्होंने समावेश वृद्धि प्राप्त करने के महत्वपूर्ण घटकों में एक बताया। आर्थिक वृद्धि को हासिल करने के लिए अल्पकालिक लक्ष्यों के बारे में एक सवाल पर देव ने कहा, ''कोविड-19 वैश्विक महामारी के बाद के वर्ष में 2022-23 से 2025-26 तक औसत वृद्धि दर 7.7 प्रतिशत है। इसलिए हमने सुधार कर लिया है।

भारत जुझारू है। हम सभी बाधाओं के बावजूद निवेश और निर्यात को बढ़ावा दे रहे हैं। हमारा ध्यान रोजगार सृजन एवं कुशल नौकरियों पर है। हम रोजगार की गुणवत्ता में पिछड़ रहे हैं।'' 'भारतीय अर्थव्यवस्था: वृद्धि, समावेशन एवं स्थिरता' विषय पर व्याख्यान देते हुए कहा कि 'विकसित भारत 2047' का मतलब केवल वृद्धि हासिल करना नहीं बल्कि समावेशी वृद्धि भी है। देव ने कहा, '' समावेशी वृद्धि हासिल करने में गुणवत्तापूर्ण रोजगार एक महत्वपूर्ण घटक है। रोजगार के क्षेत्र में हमें कई मुद्दों का सामना करना पड़ता है, जैसे कि 'गिग वर्कर', महिलाओं की भागीदारी दर, युवाओं के लिए रोजगार सृजन, कृत्रिम मेधा (एआई) सहित प्रौद्योगिकी।

शिक्षा, स्वास्थ्य एवं पोषण भी असमानताओं को कम करने के प्रयासों का हिस्सा हैं। ये वे क्षेत्र हैं जहां समावेश को बढ़ाया जा सकता है।'' दीर्घकालिक लक्ष्यों पर उन्होंने कहा, '' विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को प्राप्त करने में वृद्धि के दो प्रमुख कारक, निवेश दर एवं घरेलू बचत में वृद्धि और निर्यात को बढ़ावा देना हैं।'' उन्होंने निर्यात में विविधता लाने, माल एवं सेवा कर (जीएसटी), आयकर सुधार और श्रम संहिता, साथ ही गुणवत्ता नियंत्रण आदेशों तथा परमाणु ऊर्जा में निजी क्षेत्र को शामिल करने की ओर भी इशारा किया। देव ने कहा कि कई देशों ने विनिर्माण एवं सेवाओं के माध्यम से संरचनात्मक बदलाव हासिल किया है। भारत को श्रम-प्रधान रोजगार सृजित करने के लिए अब भी मजबूत विनिर्माण वृद्धि की आवश्यकता है। उन्होंने विनिर्माण एवं सेवाओं में से किसी एक को चुनने की धारणा को खारिज करते हुए कहा कि ये दोनों क्षेत्र प्रतिस्पर्धी नहीं बल्कि पूरक हैं। विनिर्माण पर उन्होंने कहा कि यह सेवाओं में भी वृद्धि को बढ़ावा देता है क्योंकि आधुनिक विनिर्माण में एआई जैसे सेवा घटकों को तेजी से शामिल किया जा रहा है। देव ने कहा, '' सेवा क्षेत्र के सतत विस्तार के लिए एक मजबूत विनिर्माण आधार आवश्यक है। 2047 तक हम जो हासिल करना चाहते हैं, वह कोई अनोखी बात नहीं है। भारत ने कई मोर्चों पर प्रगति की है। अब चुनौती एक ऐसे समाज एवं अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ने की है जो न केवल समृद्ध हो बल्कि समावेशी और प्रकृति-समर्थक भी हो।''

श्वेता त्रिपाठी ने फिल्म 'पलकों पे' की शूटिंग पूरी की

'पलकों पे' में श्वेता त्रिपाठी के साथ अभिषेक चौहान और ईशान नक़वी अहम भूमिकाओं में नज़र आएंगे

मुंबई। अभिनेत्री श्वेता त्रिपाठी ने अपनी आने वाली फिल्म 'पलकों पे' की शूटिंग भोपाल में पूरी कर ली है। फिल्म 'पलकों पे' की शूटिंग पिछले साल दिसंबर में शुरू हुई थी और भोपाल एवं उसके आसपास के कई लोकेशन्स पर लगातार और कड़ी शूटिंग शेड्यूल के साथ पूरी की गई, जिसने पूरी टीम को रचनात्मक और शारीरिक रूप से चुनौती दी। 'पलकों पे' में श्वेता त्रिपाठी के साथ अभिषेक चौहान और ईशान नक़वी अहम भूमिकाओं में नज़र आएंगे। इस फिल्म को विज्ञापन जगत के चर्चित फिल्ममेकर निधीश पूझक्कल ने लिखा और निर्देशित किया है। यह फिल्म एक सामाजिक ड्रामा है, जो जेंडर समानता और मानसिक स्वास्थ्य जैसे संवेदनशील विषयों को बहुत ही मानवीय और सच्चे अंदाज़ में दिखाती है। कहानी का केंद्र श्वेता द्वारा निभाया गया किरदार श्रद्धा अग्रवाल है। फिल्म का निर्माण राहुल गांधी की टैम्बू एंटरटेनमेंट और सलीम जावेद की ज़रिया एंटरटेनमेंट ने किया है। श्वेता त्रिपाठी ने कहा कि भोपाल में लगातार और मुश्किल शूटिंग शेड्यूल ने हम सभी को काफी थकाया, लेकिन इसी ने हमारी टीम के बीच एक खास जुड़ाव और ईमानदारी भी पैदा की, जो हमारे काम में दिखेगी। 'पलकों पे' की कहानी ने मुझे इसलिए आकर्षित किया क्योंकि यह तलाक, जेंडर समानता, यौन पहचान और मानसिक स्वास्थ्य जैसे मुद्दों से बिना डरे सवाल पूछती है, जिन पर अक्सर चुपचाप या हल्के में बात की जाती है। निधीश इंसानी भावनाओं को बहुत गहराई से समझते हैं और हर सीन, हर खामोशी में वह संवेदनशीलता साफ नजर आती है। एक कलाकार के तौर पर ऐसी निर्देशन आपको और गहराई से काम करने का मौका देता है। श्वेता त्रिपाठी ने कहा कि अभिषेक और ईशान के साथ काम करना भी बेहद खास अनुभव रहा। सभी ने पूरे दिल से काम किया, जिससे मुश्किल दिन भी सार्थक लगे। 'पलकों पे' की कहानी शूट खत्म होने के बाद भी मेरे साथ बनी रही है और मुझे उम्मीद है कि रिलीज़ के बाद यह दर्शकों के दिलों को भी छुएगी।

'मां रक्षक समुद्री डाकू', प्रियंका चोपड़ा ने 'द ब्लफ' में अपने दमदार किरदार की दिखाई झलक

मुंबई। हॉलीवुड और ग्लोबल एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में अपनी खास पहचान बना चुकीं प्रियंका चोपड़ा एक बार फिर दर्शकों को चौंकाने के लिए तैयार हैं। वह इस बार बिल्कुल नए और अनदेखे किरदार में नजर आने वाली हैं। वह इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'द ब्लफ' को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म में ताकत, मातृत्व, अतीत की परछाइयों और आत्मसंघर्ष का गहरा मेल देखने को मिलेगा। इस फिल्म के जरिए प्रियंका एक बार फिर साबित करती दिखेंगी कि वह नए रास्ते तलाशने से कभी पीछे नहीं हटतीं। प्रियंका चोपड़ा की यह फिल्म एक एक्शन थ्रिलर है, जिसमें समुद्री लुटेरों की खतरनाक दुनिया दिखाई गई है। इस फिल्म में प्रियंका एर्सेल बॉडन नाम की एक निडर और ताकतवर महिला का किरदार निभा रही हैं, जो कभी 'ब्लडी मैरी' के नाम से जानी जाने वाली एक खूंखार समुद्री डाकू रह चुकी है। यह भूमिका प्रियंका के अब तक के किरदारों से बिल्कुल अलग है, क्योंकि इसमें केवल एक्शन ही नहीं, बल्कि भावनात्मक गहराई भी देखने को मिलेगी। फिल्म की रिलीज से पहले प्रियंका ने अपने फैंस के साथ 'द ब्लफ' की कुछ तस्वीरें साझा की हैं। यह फिल्म 25 फरवरी 2026 को ओटीटी प्लेटफॉर्म प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी। प्रियंका ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर फिल्म के कुछ सीन्स की तस्वीरों को साझा किया। एक तस्वीर में प्रियंका खून से लथपथ, हथियार थामे और पूरी तरह लड़ाई के लिए तैयार नजर आ रही हैं। वहीं, एक और तस्वीर में प्रियंका तलवार लिए गुस्से में लड़ती दिख रही हैं। इसके अलावा, एक तस्वीर में वह खाने की टेबल पर फैमिली के साथ बैठी हैं। बाकी की तस्वीरों में वह कभी एक रक्षक के रूप में तो कभी समुद्री डाकू के लुक में नजर आ रही हैं। इन तस्वीरों ने सोशल मीडिया पर हलचल मचा दी है और फैंस इस नए अवतार को देखकर काफी उत्साहित हैं। इन तस्वीरों को शेयर करते हुए प्रियंका ने एक खास कैप्शन लिखा, "मां रक्षक समुद्री डाकू, ब्लडी मैरी से मिलिए। 'द ब्लफ' 25 फरवरी 2026 को प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी।"

आज के दर्शकों की पहली पसंद बन चुकी हैं फैंटेसी फ़िल्में : सूरज सिंह

मुंबई। बीलाइव प्रोडक्शन के मालिक और फैंटेसी फिल्म 'राहु केतु' के निर्माता सूरज सिंह का कहना है कि फैंटेसी फिल्में आज के दर्शकों की पहली पसंद बन चुकी हैं। भारतीय सिनेमा में धीरे-धीरे अपनी जगह बना चुकी फैंटेसी फिल्मों ने आज उन दर्शकों के बीच अपनी पैठ बना ली है, जो सिनेमाघरों में भव्य अनुभव की तलाश में है। फैंटेसी उन्हें भाषा की सीमाओं से परे स्केल, भावनाओं और विजुअल स्टोरीटेलिंग का खूबसूरत संगम देती है। यदि यह कहें तो गलत नहीं होगा कि भारतीय पौराणिक कथाओं से प्रेरित और आधुनिक कल्पना से सजी यह जॉनर अब फिल्ममेकर्स के लिए सबसे फ्यूचर-फेसिंग विकल्प बन चुकी है। इस संदर्भ में सूरज सिंह का कहना है कि बड़े स्तर की फैंटेसी जॉनर की फिल्मों के लिए इससे बेहतर समय आ ही नहीं सकता। उनके अनुसार, भारतीय दर्शक अब फैंटेसी फिल्मों को अपनाने में झिझकते नहीं हैं, खासकर तब, जब ये कहानियाँ परिचित पौराणिक और सांस्कृतिक संदर्भों से जुड़ी हों। हालांकि आज बेहद मजबूती से दर्शकों से जुड़ते जा रहे फैंटेसी फिल्मों पर अपनी बात रखते हुए सूरज सिंह ने कहा, "फैंटेसी और पौराणिक कथाएँ भारत में हमेशा से काम करती रही हैं, लेकिन आज उसका स्केल बदल चुका है। दर्शक 'रामायण' और 'नागज़िला' जैसी फिल्मों का इंतज़ार कर रहे हैं, क्योंकि वे भावनाओं के साथ भव्यता भी चाहते हैं। 'राहु केतु' की रिलीज़ के साथ शुरू हो रहे साल ने यह उम्मीद जगा दी है कि भारतीय फैंटेसी कितना आगे जा सकती है। साथ ही वीएफएक्स और कल्पना की ताक़त ने अब हमें अपनी कहानियों को उसी रूप में पेश करने का मौका दिया है, जैसा हम हमेशा से सोचते आए हैं और हो भी क्यों न, जब तकनीक विश्वास का साथ देती है, तो दर्शक पूरी तरह कहानी में डूब जाते हैं। गौरतलब है कि इस साल रिलीज़ के लिए तैयार 'रामायण' और 'नागज़िला' जैसी फिल्मों को लेकर पहले से ही जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है, जो स्पेक्टेकल-ड्रिवन स्टोरीटेलिंग के प्रति दर्शकों की बढ़ती रुचि को दर्शाता है। वहीं, साल की शुरुआत 'राहु केतु' जैसी फैंटेसी फिल्म से होना, भारतीय फैंटेसी सिनेमा को लेकर दर्शकों की उम्मीदों को और ऊँचा ले जाता है।

जयशंकर फ्रांसीसी राष्ट्रपति मैक्रों से मिले

रणनीतिक साझेदारी के लिए 'सकारात्मक भावनाओं' को सराहा

पेरिस, नौ जनवरी (भाषा) विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों से मुलाकात की और समकालीन वैश्विक घटनाक्रमों पर चर्चा की। इस दौरान उन्होंने भारत-फ्रांस रणनीतिक साझेदारी को लेकर मैक्रों की 'सकारात्मक भावनाओं' की सराहना की। छह दिन की फ्रांस और लक्जमबर्ग यात्रा पर आए जयशंकर ने बृहस्पतिवार को फ्रांस के राजदूत सम्मेलन को भी संबोधित किया।

जयशंकर ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि आज फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों से मुलाकात कर प्रसन्नता हुई और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से उन्हें हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि समकालीन वैश्विक विकास पर उनके विचारों और हमारी रणनीतिक साझेदारी के प्रति उनकी सकारात्मक भावना की गहराई से सराहना करता हूं। 'एक्स' पर एक अन्य पोस्ट में विदेश मंत्री ने कहा कि फ्रांस के राजदूत सम्मेलन को संबोधित करना उनके लिए सम्मान की बात थी। उन्होंने कहा कि व्यापार, वित्त, प्रौद्योगिकी, ऊर्जा, संसाधन और संपर्क से प्रेरित समकालीन वैश्विक परिवर्तनों को रेखांकित किया। सोच में बदलाव एक अहम कारक रहा है।

उन्होंने यह भी कहा कि बहुध्रुवीयता और रणनीतिक स्वायत्तता को बढ़ावा देने में भारत-फ्रांस साझेदारी का विशेष महत्व है। बुधवार को जयशंकर ने अपने फ्रांसीसी समकक्ष ज्यां-नोएल बैरोट से वार्ता के बाद कहा था कि भारत, यूरोप के साथ अपने संबंधों को मजबूत कर रहा है और दोनों पक्ष अंतरराष्ट्रीय अर्थव्यवस्था व वैश्विक राजनीति में अधिक स्थिरता ला सकते हैं। उन्होंने कहा कि वैश्विक राजनीति में यूरोप एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी है और भारत के लिए उसके साथ संबंध मजबूत करना आवश्यक है। दोनों मंत्रियों ने मुख्य रूप से अगले महीने कृत्रिम मेधा (एआई) शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए राष्ट्रपति मैक्रों की भारत यात्रा की तैयारियों पर चर्चा की।

सोमवार को जयशंकर ने अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) के कार्यकारी निदेशक फातिह बिरोल से मुलाकात कर तेल बाजारों और परमाणु ऊर्जा सहित वैश्विक ऊर्जा मुद्दों पर चर्चा की। इसके अलावा उन्होंने पेरिस में 'फ्रेंच-इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री' द्वारा आयोजित 'फ्रेंच-इंडियन यंग टैलेंट्स प्रोग्राम' के प्रतिभागियों से भी संवाद किया। इस यात्रा के दौरान जयशंकर ने लक्जमबर्ग के प्रधानमंत्री लुक फ्रीडेन तथा वहां के उप प्रधानमंत्री एवं विदेश मंत्री जेवियर बेटल के साथ भी बातचीत की।

अमेरिका के पांच राज्यों ने सोशल सर्विस फंडिंग फ्रीज करने के लिए ट्रंप प्रशासन पर मुकदमा किया

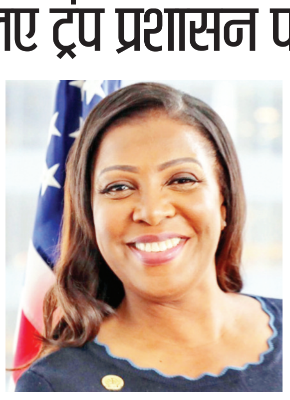

वाशिंगटन। अमेरिका के पांच डेमोक्रेटिक शासित राज्यों के अटॉर्नी जनरल ने गुरुवार को ट्रंप प्रशासन के खिलाफ मुकदमा दायर किया। यह मुकदमा प्रशासन के कई जनहित की सामाजिक योजनाओं के लिए धन फ्रीज करने के दावे के बाद किया गया है। प्रशासन ने कम आय वाले परिवारों की मदद के लिए बनाए गए प्रोग्राम में धोखाधड़ी की चिंताओं का हवाला दिया है। यह पांच राज्य हैं- कैलिफोर्निया, कोलोराडो, मिनेसोटा, इलिनोइस और न्यूयॉर्क। पांचों ने इस कदम को सत्ता का असंवैधानिक दुरुपयोग बताया है।

सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार ट्रंप प्रशासन ने इस हफ्ते की शुरुआत में घोषणा की थी कि वह उनकी सोशल सेफ्टी नेट फंडिंग रोक रहा है। यह फंडिंग तीन संघीय कार्यक्रमों के लिए थी, जिनमें से दो बच्चों वाले परिवारों को गरीबी से बाहर निकालने पर ध्यान केंद्रित करते हैं। न्यूयॉर्क की अटॉर्नी जनरल लेटिटिया जेम्स इस मुकदमे का नेतृत्व कर रही हैं। जेम्स ने कहा कि ट्रंप प्रशासन कांग्रेस के माध्यम से राज्यों के लिए पहले से मंजूर अरबों डॉलर की फंडिंग को फ्रीज करके अपने अधिकार क्षेत्र से उल्लंघन कर रहा है।

यह मुकदमा न्यूयॉर्क के दक्षिणी जिले के लिए अमेरिकी जिला अदालत में दायर किया गया है। मुकदमे में प्रशासन को फ्रीज रोकने और फंड जारी करने का आदेश देने के लिए कहा गया है। जेम्स ने कहा कि एक बार फिर, हमारे समुदायों के सबसे कमजोर परिवार इस प्रशासन के अराजकता और बदले की भावना के अभियान का खामियाजा भुगत रहे हैं। अमेरिकी स्वास्थ्य और मानव सेवा विभाग ने इस हफ्ते पांच राज्यों को बताया था कि वह चाइल्ड केयर एंड डेवलपमेंट फंड के लिए उनके पैसे फ्रीज कर रहा है।

स्वास्थ्य और मानव सेवा सचिव रॉबर्ट एफ. कैनेडी जूनियर ने कहा कि हमने इन राज्यों को चेतावनी दी थी कि अगर वे धोखाधड़ी से निपटने का प्लान पेश करते हैं तो फंडिंग में कटौती नहीं करेंगे। डेमोक्रेट और मिनेसोटा के गवर्नर टिम वाल्ज ने कहा कि हम अपने राज्य की जिम्मेदारी को पूरा करने के लिए ट्रंप प्रशासन के हर गलत कदम का विरोध करेंगे।

फिलीपीन में कचरे का ढेर ढहने से एक की मौत, 38 अन्य लापता

मनीला। फिलीपीन में कचरे का विशाल ढेर ढहने से वहां काम कर रहे मजदूर दब गए, जिससे एक महिला की मौत हो गयी तथा कई लोग घायल हो गए और 38 अन्य लापता हैं। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, सेबू शहर के बिनालिव गांव में स्थित लैंडफिल स्थल (कचरे के ढेर) पर कचरे और मलबे का एक बहुत बड़ा हिस्सा बृहस्पतिवार दोपहर को अचानक ढह गया, जिससे वहां मौजूद लोग उसकी चपेट में आ गए।

राहतकर्मियों ने अब तक 13 लोगों को जीवित बाहर निकाला है और अब भी मलबे में फंसे लापता लोगों की तलाश जारी है। क्षेत्रीय पुलिस निदेशक ब्रिगेडियर जनरल रोडरिक मैरानन ने बताया कि जिन लोगों को बचाया गया, उनमें एक महिला लैंडफिल कर्मी भी थी, जिसकी अस्पताल ले जाते समय मौत हो गई। बाकी घायलों की हालत स्थिर बताई जा रही है। सेबू सिटी के मेयर नेस्टर आर्काइवल और नागरिक सुरक्षा कार्यालय ने बताया कि 38 लापता लोगों के लिए खोज एवं बचाव अभियान अभी जारी है। अधिकारियों द्वारा जारी की गई तस्वीरों में बचावकर्मी कचरे का ढेर धंसने से तबाह हुई एक इमारत की छानबीन करते हुए दिखाई दे रहे हैं। मैरानन ने बताया कि लैंडफिल में कचरे की दीवार गिरने से प्रभावित इमारतों में से एक गोदाम था जहां कर्मचारी पुनर्चक्रण योग्य कचरे और कूड़े को अलग करते थे। उन्होंने कहा कि यह अब भी स्पष्ट नहीं है कि आसपास के मकान भी प्रभावित हुए हैं या नहीं।

इंटरनेट बंद होने के बावजूद ईरान में विरोध प्रदर्शन जारी, लोगों के हताहत होने की आशंका

दुबई। ईरान के निर्वासित युवराज द्वारा प्रदर्शनों के आह्वान के बाद ईरानी प्रदर्शनकारियों ने शुक्रवार सुबह सड़कों पर नारे लगाते हुए मार्च किया, हालांकि ईरान सरकार ने देश में इंटरनेट और अंतरराष्ट्रीय टेलीफोन सेवाएं बंद कर दी हैं। प्रदर्शनकारियों द्वारा साझा किए गए वीडियो में देखा जा सकता है कि राजधानी तेहरान और अन्य क्षेत्रों की सड़कों पर मलबा बिखरा हुआ है और प्रदर्शनकारी अलाव जलाकर ईरान सरकार के खिलाफ नारेबाजी कर रहे हैं। ईरानी सरकारी मीडिया ने शुक्रवार को इन प्रदर्शनों पर अपनी चुप्पी तोड़ते हुए आरोप लगाया कि अमेरिका और इजराइल के 'आतंकवादी एजेंटों' ने आग लगाई और हिंसा भड़काई। उसने यह भी कहा कि कुछ लोग हताहत हुए हैं, लेकिन इसके बारे में विस्तार से नहीं बताया। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई (86) ने सरकारी टेलीविजन पर प्रसारित एक संक्षिप्त संबोधन में संकेत दिया कि अधिकारी प्रदर्शनकारियों पर कड़ी कार्रवाई करेंगे, वहीं लोग 'अमेरिका मुर्दाबाद!' के नारे लगा रहे थे। खामेनेई ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का जिक्र करते हुए कहा कि प्रदर्शनकारी 'दूसरे देश के राष्ट्रपति को खुश करने के लिए अपनी ही सड़कों को बर्बाद कर रहे हैं।' पिछले साल 28 दिसंबर से शुरू हुए विरोध प्रदर्शनों में लगातार तेजी आई है। विरोध प्रदर्शन इस बात की भी पहली परीक्षा है कि क्या ईरानी जनता युवराज रजा पहलवी से प्रभावित हो सकती है, जिनके गंभीर रूप से बीमार पिता 1979 की इस्लामी क्रांति से ठीक पहले ईरान से भाग गए थे।

इजराइल के गाजा पर हमले में 13 फलस्तीनियों की मौत

दीर अल बलाह। इजराइल द्वारा गाजा पर किये गए हमले में कम से कम 13 फलस्तीनियों की मौत हो गई। स्वास्थ्य अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

यह हमला ऐसे समय किया गया है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा युद्धविराम सुनिश्चित कराने के लिए 'शांति बोर्ड' की घोषणा किये जाने की उम्मीद है। इजराइल की सेना ने कहा कि उसने गाजा शहर क्षेत्र से आतंकवादियों द्वारा दागे गए एक असफल प्रक्षेपास्त्र के जवाब में दक्षिणी और उत्तरी गाजा में हमास के बुनियादी ढांचे और लड़ाकों पर हमला किया।

इजराइल और हमास के बीच चरणबद्ध युद्धविराम अब भी अपने प्रारंभिक चरण में है क्योंकि गाजा में अंतिम इजराइली बंधक के अवशेषों को बरामद करने के प्रयास जारी हैं। अधिकारियों ने बताया कि ट्रंप द्वारा अगले सप्ताह शांति बोर्ड की घोषणा किये जाने की उम्मीद है जिसकी अध्यक्षता वह स्वयं करेंगे। पश्चिम एशिया में शांति की योजना को अमली जामा पहनाने में इसे अहम कदम माना जा रहा है। पिछले साल अक्टूबर में अमेरिका की मध्यस्थता में कराए गए युद्धविराम से हमास और इजराइल के बीच दो साल से जारी लड़ाई समाप्त हुई थी।

इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने बृहस्पतिवार को कहा कि बुल्गारिया के राजनयिक निकोले म्लादेनोव को बोर्ड के लिए 'नामित' महानिदेशक बनाया जाएगा।